● वर्ष-3
● अंक-12
रायपुर, बुधवार
23 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर आज उतरेगा भारत

लैंडिंग के बाद मिशन की टीम से वर्चुअली बात करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन बुधवार, 23 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करने वाला है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि सभी प्रणालियों की नियमित जांच हो रही है और सुचारू संचालन जारी है। इसरो ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, लैंडिंग ऑपरेशन का सीधा प्रसारण 23 अगस्त को शाम 5: 20 बजे शुरू होगा। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर के साथ आधिकारिक तौर पर संपर्क स्थापित होने के बाद चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर की लैंडिंग के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई। अंतरिक्ष एजेंसी ने 19 अगस्त, 2023 को लगभग 70 किमी की ऊंचाई से लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (एलपीडीसी) द्वारा ली गई चंद्रमा की तस्वीरें भी साझा कीं। चंद्रयान-3 की लैंडिंग का लाइव प्रसारण 23 अगस्त 2023 की शाम 5 बजकर 27 मिनट से शुरू हो जाएगा।

लैंडर ने भेजा नया वीडियो

मिशन के दौरान इसरो ने चंद्रयान-3 से ली गईं चांद की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इसरो ने कहा कि सिस्टम की जांच भी नियमित की जा रही है। इसके साथ ही मिशन की निगरानी कर रहा परिसर भी जोश और ऊर्जा से भरा है।

बेसब्री से इंतजार

सभी की निगाहें इसरो के महत्वाकांक्षी तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 पर हैं, 23 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करने के लिए तैयार है। चंद्रयान-3 की लैंडिंग के लिए प्रत्याशा बढ़ती जा रही

है, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम द्वारा लिए गए चंद्रमा के दृश्यों के बारे में दुनिया को अपडेट रखता रहा है। इसरो ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें पृथ्वी के एकमात्र उपग्रह का नज़दीकी दृश्य दिखाया गया है। 20 अगस्त को लिया गया वीडियो, अंतरिक्ष यान पर लैंडर इमेजर कैमरा 4 द्वारा देखे गए चंद्रमा को दिखाता है।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें लगभग 70 किमी की ऊंचाई से लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (एलपीडीएफ) द्वारा चंद्रमा के सुदूरवर्ती क्षेत्र को दिखाया गया है। तस्वीरें 19 अगस्त को खींची गईं। लैंडर हैज़र्ड डिटेक्शन एंड अवॉइडेंस कैमरा (एलएचडीएसी) ने चंद्र दूर के क्षेत्र पर भी कब्जा कर लिया। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बनने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। जुलाई में पहली बार लॉन्च होने के बाद से इसरो मिशन के बारे में नियमित अपडेट पोस्ट करता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका से चंद्रयान-3 सॉफ्ट लैंडिंग कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे। पीएम मोदी 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का चंद्र मिशन अंतरिक्ष यान, चंद्रयान-3 बुधवार शाम लगभग 6: 04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला है।

चंद्रयान-3 ने चांद की नई फोटो भेजीं

भारत का मून मिशन यानी चंद्रयान-3 का लैंडर

23 अगस्त को अपने तय समय पर यानी शाम 6: 04 बजे चंद्रमा पर लैंड करेगा। मंगलवार (22 अगस्त) को इसरो ने मिशन की जानकारी देते हुए कहा कि सभी सिस्टम्स को समय-समय पर चेक किया जा रहा है। ये सभी सही तरह से काम कर रहे हैं।इसके साथ ही इसरो ने चांद की नई तस्वीरें शेयर की हैं। चंद्रयान ने 70 किलोमीटर की दूरी से लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा की मदद से ये तस्वीरें खींचीं हैं। वहीं भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने कहा कि चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

चंद्रयान-3 की सफलता के लिए देशभर में दुआ

लखनऊ ईदगाह के इमाम विद्वान खालिद रशीद फिरंगी महली ने मंगलवार को कहा कि भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए, जो 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए निर्धारित है, बच्चों ने इस्लामिक सेंटर मस्जिद में नमाज अदा की और प्रार्थना की। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए महली ने कहा कि बच्चों ने इस्लामिक सेंटर मदरसे में नमाज अदा की और चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए प्रार्थना की।उन्होंने बताया कि दारुल उलूम फरंगी महल ईदगाह, लखनऊ में एक विशेष %दुआ% हुई जिसमें मदरसा के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम और हिंदू संस्कृतियों में चंद्रमा का महत्व है। चूंकि चंद्रमा मुस्लिम और हिंदू संस्कृति में भी बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें इस मिशन से विशेष लगाव है।

चंद्रयान-3 के बुधवार शाम 6.04 बजे ऐतिहासिक लैंडिंग करने की संभावना है, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को घोषणा की और कहा कि वे लैंडिंग प्रक्रिया का सीधा प्रसारण आयोजित करेंगे, जो शाम 5.20 बजे शुरू होगी। महली ने आगे कहा कि छात्र विज्ञान पढ़ते हैं और इसलिए चंद्रयान-3 मिशन को लेकर उनमें काफी जिज्ञासा है। मिशन के लिए इसरो को बधाई देते हुए महली ने कहा कि मैं इसरो के सभी वैज्ञानिकों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूं। यदि कल चंद्रमा के अज्ञात दक्षि

इन दिनों

चीन की आर्थिक घुसपैठ पर लगेगा विराम

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानिसबर्ग में शुरू हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी से चीन के अफ्रीकी देशों में की जाने वाली आर्थिक घुसपैठ पर बड़ा विराम लग सकता है। इसके लिए भारत अपने पुराने दोस्त रूस की ना सिर्फ मदद ले सकता है बल्कि दक्षिण अफ्रीका और रूस के बेहतर रिश्तों का फायदा उठाते हुए चीन की ओर से किए जाने वाले भारी निवेश को काउंटर भी कर सकता है। विदेशी मामलों के जानकारों का मानना है कि मंगलवार से शुरू हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अफ्रीकी देशों में चीन के हस्तक्षेप को कम करने के लिए इस दौरान बड़े फैसले भी ले सकते हैं और कई कूटनीतिक कदम भी उठा सकते हैं। दरअसल चीन ने बीते कुछ सालों में अफ्रीका के अलग-अलग देशों में दो सौ बिलियन मिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश कर वहां पर अपना नेटवर्क बनाना शुरू कर दिया। इसमें चीन ने सबसे ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ सड़क पुल और बंदरगाहों में भारी निवेश किया है। जोहानिसबर्ग में शुरू हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। 2019 यानी कि कोविड के बाद ब्रिक्स देशों की यह पहली ऐसी बैठक है जिसमें सभी नेता आमने-सामने होंगे। ऐसे में सभी देश के राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी में नए सिरे से पांचों देशों के आपसी सामंजस्य के साथ-साथ भविष्य की आर्थिक रणनीतियों पर भी चर्चा होगी। हालांकि, इस दौरान चीन की अफ्रीकी देशों में होने वाली आर्थिक घुसपैठ पर लगाम लगाए जाने वाली रणनीति को मजबूती के साथ काउंटर करना सबसे महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरी कोशिश यही होगी कि इस दौरान वह भारत की ओर से अफ्रीकी देशों में किए जाने वाले निवेश को लेकर दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील समेत वहां के सभी छोटे छोटे अफ्रीकी देशों को एक बड़ा संदेश देने में कामयाब हों। दक्षिण अफ्रीका और रूस के हाल के दिनों में संबंध और मजबूत हुए हैं। भारत को इसका बड़ा लाभ मिल सकता है। अमरेंद्र कठुआ कहते हैं कि भारत और रूस अपने पुराने मजबूत रिश्तो की बदौलत दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील समेत इस महाद्वीप के अन्य देशों में चीन की अपेक्षा ज्यादा विश्वास पैदा कर सकता है। ऐसी दशाओं में भारत इस पूरे महाद्वीप में निवेश का पूरा रोड मैप और खाका तैयार कर चीन को बहुत बड़े स्तर पर काउंटर कर सकता है। इस बात की भी चर्चा हा कि चीन ने गरीब अफ्रीकी देशों में बड़ा निवेश करके वहां की न सिर्फ सरकारों को अपने हक में किया बल्कि अपने देश का बड़ा नेटवर्क इन देशों के माध्यम से मजबूत किया। मजबूत किए गए नेटवर्क के माध्यम से चीन अपने व्यापार को तो बढ़ा ही रहा है बल्कि वह अफ्रीकी महाद्वीप से यूरोप और अमेरिका पर भी अपनी पैनी नजर रख रहा है।

अशोक गहलोत के कार्यक्रम से राहुल-सोनिया की फोटो गायब

नईदिल्ली। कांग्रेस पर हमेशा यह आरोप लगता है कि उसकी सरकारों द्वारा शुरू की गई योजनाओं के केंद्र में गांधी परिवार होता है। उनके नाम से योजनाओं का नाम रखा जाता है और उन्हीं के नाम पर उनका प्रचार भी किया जाता है। लेकिन इस अर्थ में राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार का कार्यक्रम (मिशन 2030) कुछ अलग तस्वीर पेश कर रहा है। कार्यक्रम स्थल जयपुर के बिड़ला भवन से लेकर जयपुर की सड़कों तक से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीरें पूरी तरह गायब हैं। हर जगह केवल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। ये बदलाव क्या संकेत दे रहा है?

दरअसल, कांग्रेस में इस बदलाव का जवाब भाजपा की चुनावी रणनीति में मिल जाता है। भाजपा राजस्थान में अभी तक

अपना चेहरा घोषित नहीं कर पाई है। माना जा रहा है कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ सकती है। भाजपा का पूरा चुनावी अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और केंद्र सरकार की योजनाओं के इर्दगिर्द सिमटा रह सकता है। ऐसे में पूरी चुनावी लड़ाई दो चेहरों के बीच हो सकती है जिसमें एक ओर मोदी होंगे तो दूसरी ओर अशोक गहलोत। यही कारण है कि एक रणनीति के अंतर्गत राजस्थान में कांग्रेस के पूरे चुनावी अभियान में केवल अशोक गहलोत दिखाई दे रहे हैं।

पार्टी ने परिवारवाद के आरोपों का ही जवाब देने के लिए राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नाम पीछे कर लिया था और मल्लिकार्जुन खड़गे को आगे बढ़कर पार्टी का नेतृत्व करने का अवसर दिया था। चूंकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की यह रणनीति काफी सफल रही है, माना जा सकता है कि उसने सोचसमझकर इसी रणनीति को राज्यों के स्तर पर अपनाया है।

कांग्रेस की यह रणनीति केवल चेहरों तक ही नहीं दिखाई दे रही है। राजस्थान या छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस में दोनों दलों की कल्याणकारी योजनाओं की भी जंग देखने को मिल सकती है। इसका असर इन विधानसभा चुनावों पर ही नहीं, आगामी लोकसभा चुनाव पर भी देखने को मिल सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हर कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की योजनाओं का जमकर प्रचार किया जा रहा है। यदि कांग्रेस की योजनाओं का दांव राजस्थान में कारगर रहा तो इनमें से बहुत कुछ कांग्रेस के लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र में भी दिखाई पड़ सकता है।

मिशन 2030 कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिना नाम लिया केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वे सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। पुरानी पेंशन बहाल करके उन लोगों का शेष जीवन सुरक्षित करना चाहते हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में खपाया है। छेड़छाड़ करने वालों को नौकरी से वंचित कर बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं तो युवाओं के लिए ज्यादा रोजगार-खेल की सुविधाएं देकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करना चाहते हैं।

रायपुर। प्रदेश के सीएम भूपेश बघेल ने उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया है, उनका यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। सीएम भूपेश बघेल ने सार्वजनिक मंच से टीएस सिंहदेव के पैर छूए तो समर्थकों में उत्साह छलक उठा। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि टीएस सिंहदेव उनके बड़े भाई हैं और हमारे यहां बड़े भाई का आशीर्वाद लिया जाता है।

प्रमुख समाचार

मध्य प्रदेश में जातिगत जनगणना कराएगी कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगामी मध्य प्रदेश चुनाव में पार्टी के सत्ता में आने पर संत रविदास के नाम पर एक कॉलेज बनाने की घोषणा की। खड़गे मंगलवार को मध्य प्रदेश के सागर में अपनी पहली सार्वजनिक रैली को संबोधित

कर रहे थे। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री को रविदास केवल चुनाव के दौरान याद आते हैं। उन्होंने चुनाव से तीन महीने पहले संत रविदास स्मारक बनाने की घोषणा क्यों की, अपने 9 साल के कार्यकाल के दौरान क्यों नहीं? आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनावी लड़ाई है। प्रधानमंत्री ने सागर जिले के बडतूमा में समाज सुधारक और कवि संत रविदास के 100 करोड़ रुपये की लागत वाले मंदिर-सह-स्मारक के निर्माण के लिए भूमि पूजन और आधारशिला इसी महीने रखी थी। खड़गे ने अपने संबोधन में कहा कि बीजेपी ने यहां मंदिर बनाने का वादा किया और दिल्ली में 2019 में संत रविदास जी का मंदिर बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया। ये लोग मुख में राम, बगल में छुरी वाला काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी लक्षद्वीप सांसद को राहत

नईदिल्ली। लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल को बड़ा झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हत्या के प्रयास के मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा को निलंबित करने के केरल उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना

और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले को उच्च न्यायालय में वापस भेज दिया और छह सप्ताह के समय में दोषसिद्धि को रोकने के सांसद के अनुरोध पर निर्णय लेने को कहा। यह भी स्पष्ट कर दिया कि जब तक उच्च न्यायालय मामले का फैसला नहीं कर लेता, तब तक उसके आदेश का लाभ मिलता रहेगा। इसका मतलब है कि फैजल अभी एनसीपी के सांसद बने रह सकते हैं। पीठ ने कहा कि हम विवादित आदेश को रद्द करते हैं और वापस उच्च न्यायालय में भेजते हैं। हालाँकि, हमने पाया कि इस आदेश तक मोहम्मद फैज़ल सांसद बने रहे और अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन किया। चूंकि हम पुनर्विचार के लिए भेज रहे हैं, इस स्तर पर, शून्य पैदा करना उचित नहीं होगा क्योंकि हम उच्च न्यायालय से 6 सप्ताह के भीतर आवेदन का निपटारा करने का अनुरोध कर रहे हैं।

जेनेरिक दवाओं के नियमों को वापस लेने की मांग

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सभी दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित होने तक नुस्खों में जेनेरिक दवाएं अनिवार्य रूप से लिखने पर एनएमसी के नियमों को वापस लेने की मांग की है। भारतीय चिकित्सा संघ ने उन नियमों पर भी चिंता व्यक्त की जो डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों द्वारा प्रायोजित सम्मेलनों में भाग लेने से रोकते हैं। उसने कहा कि इस तरह के निषेध पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उसने मांग की कि संघों और संगठनों को एनएमसी नियमों के दायरे से छूट दी जानी चाहिए। आईएमए और इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस के सदस्यों ने सोमवार को मांडविया से मुलाकात की और एनएमसी के नियमों पर अपनी चिंता व्यक्त की। एनएमसी ने अपने पंजीकृत डॉक्टरों के व्यावसायिक आचरण से संबंधित विनियमों में कहा है कि सभी डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखनी होंगी, ऐसा न करने पर उन्हें दंडित किया जाएगा और उनका लाइसेंस भी एक अवधि के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसमें चिकित्सकों से ब्रांडेड जेनेरिक दवाएं लिखने से बचने को भी कहा गया है।

जोहान्सबर्ग पहुंचे पीएम मोदी, जोरदार स्वागत

नईदिल्ली।आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के समूह के 15वें वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हुए। अफ्रीकी देश का सबसे अधिक आबादी वाला शहर जोहान्सबर्ग इस सम्मेलन की मेजबानी कर

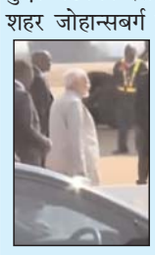

रहा है, जो 22 अगस्त से ही शुरू हो रहा है और 24 अगस्त को जिसका समापन होगा। 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहान्सबर्ग पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर काफी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे। इस दौरान मोदी ने लोगों का अभिवादन किया और उनसे हाथ भी मिलाया। प्रधानमंत्री आज ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा द्वारा आयोजित रात्रिभोज में सामिल होंगे। मेजबान देश के राष्ट्रपति के रूप में, दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामफोसा शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष हैं; उनके साथ ब्राजील के उनके समकक्ष लूला डी सिल्वा, मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे।

एलओसी के पार में सर्जिकल स्ट्राइक नहीं हुई : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। एक खबर जिसने खूब सनसनी मचाई कि क्या भारतीय सेना ने एलओसी के पार जाकर कोई सर्जिकल स्ट्राइक की है। खबर पर स्पष्टीकरण भी आया कि ये सर्जिकल स्ट्राइक नहीं थी। कुछ घुसपैठिए एलओसी पार करके इस तरफ आना चाह रहे थे भारतीय सेना ने उन्हें मार गिराया है और उनके पास से काफी मात्रा में गोला-बारूद व हथियार बरामद किया गया है। ऐसे में आइए आपको पूरे मामले के बारे में बताते हैं। 22 अगस्त 2023 को एक हिंदी दैनिक ने रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें दावा किया गया कि भारतीय सेना के एसएफ कमांडो ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को पार किया और एक और सर्जिकल स्ट्राइक की, जिसमें 8 आतंकवादियों और कई लॉन्च पैड को मार गिराया। रिपोर्ट के मुताबिक, कई एसएफ कमांडो ने कोल्टी पार किया और 4 आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया, जिसमें कम से कम 7 या 8 आतंकवादी मारे गए। इस मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ऑपरेशन शनिवार रात को चलाया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में हालांकि उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया था कि एसएफ कमांडो पीओके में चले गए और आतंकी लॉन्चपैड को निष्क्रिय कर दिया।

एक साथ आएगी राजस्थान, एमपी-छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों की पहली सूची

नईदिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी है। भाजपा ने जहां मध्यप्रदेश में उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। वहीं अब कांग्रेस भी मध्यप्रदेश के साथ साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान के उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द जारी कर सकती है। कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए टिकट चाहने वालों के चार हजार से अधिक आवेदनों की जांच शुरू कर दी है। पार्टी के राज्य चुनाव पैनल के एक सदस्य ने बताया कि,90 से 110 उम्मीदवारों की पहली सूची 10 सितंबर तक घोषित होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस पार्टी सितंबर के पहले सप्ताह तक अपनी पहली सूची जारी कर सकती हैं। पार्टी ने राज्य में इस बार 75 प्लस का टारगेट तय किया है। वहीं,राजस्थान की पहली सूची 10 से 20 सितंबर तक आने की उम्मीद है। पार्टी पहली सूची में 60 से 75 ही उम्मीदवार घोषित करेगी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि,तीनों राज्यों में कांग्रेस टिकट वितरण में सर्वे के रिजल्ट को महत्वपूर्ण मान रही है। सर्वे रिपोर्ट जिस भी नेता का खराब आएगा उसको टिकट मिलना मुश्किल है। कांग्रेस के टिकटार्थियों के लिए हुए दो सर्वे की रिपोर्ट फाइनल हो गई है। तीसरे सर्वे की रिपोर्ट का इंतजार है, उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इसे फाइनल कर लिया जाएगा। अगस्त के अंत तक फाइनल सर्वे रिपोर्ट दिल्ली हाईकमान को भेजी जाएगी। इसके बाद तीनों

राज्यों के उम्मीदवार घोषित कर दिए जाएंगे। पार्टी तीनों राज्यों के उम्मीदवारों की पहली सूची एक ही दिन जारी कर सकती है।

हारी हुई सीटों पर पहले घोषित कर सकती है उम्मीदवार

मप्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने 2018 के राज्य चुनावों में हारी हुई 39 सीटों के लिए 17 अगस्त को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जबकि मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनावों की अभी घोषणा नहीं हुई है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बताया कि कई सीट के लिए हमें 25 से अधिक आवेदन मिले हैं, जबकि कुछ सीट पर यह संख्या पांच है। वर्तमान में चार हजार से अधिक आवेदन हो सकते हैं। दो सितंबर को पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होने की उम्मीद है जिसमें हर सीट पर दो से तीन संभावित नाम लेकर आएंगे।

राहुल के दौरे के बाद आएगी पहली सूची

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के रण में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भी एंट्री होने जा रही है। राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए 2 सितंबर को रायपुर पहुचेंगे।वे यहां राजीव युवा मितान सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान राहुल छत्तीसगढ़ के युवाओं से संवाद करेंगे और वरिष्ठ नेताओं से भी चर्चा करेंगे। राहुल संगठन के कामों की समीक्षा भी करेंगे। 8 सितंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी छत्तीसगढ़ आएंगे। इस बीच कांग्रेस अपनी पहली सूची 6 सितंबर को जारी करेगी। कांग्रेस की रणनीति इस बार 75 प्लस के टारगेट को हासिल करना है। सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि,कांग्रेस ने ब्लॉक स्तर की प्रत्याशियों की चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ब्लॉक स्तर पर उम्मीदवारों का आवेदन भरना जारी है। उम्मीदवारों को अपने आवेदन 31 अगस्त तक पीसीसी में जमा करने होंगे। इसके एक से 5 नामों का पैनल बनाया जाएगा। 3 सितंबर को इलेक्शन कमीशन की बैठक होगी। जबकि 4 सितंबर को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी।

20 सितंबर तक आएगी पहली सूची

इधर, राजस्थान में कांग्रेस सितंबर के दूसरे सप्ताह में उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। इस पहली सूची में 60 से 75 उम्मीदवारों के नाम हो सकते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री, प्रदेश में पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन सुखजिंदर सिंह रंधावा और कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल राजस्थान विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर लगातार बैठकें कर रहे हैं। रंधावा पहले ही कह भी चुके हैं।

अगले सत्र से सभी जिलों में खुलेंगे आत्मानंद कॉलेज : मुख्यमंत्री

■ अंबिकापुर में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में युवाओं से सीधा संवाद किया

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार को अंबिकापुर के दौरे पर रहे। यहां उन्होंने कहा कि अगले सत्र से प्रदेश के सभी जिलों में अंग्रेजी माध्यम के उत्कृष्ट कॉलेज खोले जाएंगे। छात्रों की मांग पर मुख्यमंत्री ने अगले सत्र से सरगुजा संभाग के सभी जिलों में शासकीय बीएड कॉलेज खोले जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 377 अंग्रेजी माध्यम के स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले गए हैं। करीब 300 हिंदी माध्यम के आत्मानंद स्कूल हैं। छात्रों को बेहतर अध्ययन के लिए ये कॉलेज खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं की मांग पर कई घोषणाएं की। उन्होंने डिप्टी सीएम सिंहदेव की मांग पर अंबिकापुर संभाग मुख्यालय में 100 करोड़ की लागत से इंडोर स्टेडियम व लाइब्रेरी की घोषणा की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंबिकापुर के शासकीय पीजी कॉलेज ग्राउंड के हॉकी स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के विकास के मुद्दे, युवाओं के लिए संचालित योजनाओं और प्रदेश के विकास और समृद्धि में युवाओं की आकांक्षाओं पर युवाओं से सीधा संवाद

किया। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, सुरजपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर-भरतपुर जिले से बड़ी संख्या में युवा, कॉलेज के छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों सहित अन्य युवा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सपनों के छत्तीसगढ़ पर भाषण व कविता के माध्यम से अपने विचार रखे। छात्रों से सीधे संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं की मांग पर कई सौगातें दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि 15 अगस्त को कई घोषणाएं की गई हैं। जो छात्र-छात्राएं दूर से कॉलेज पढ़ने आते हैं उन्हें पूरे प्रदेश में निशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। अंबिकापुर की एक छात्रा ने आईआईटी व मेडिकल कॉलेज के तैयारी की बात की। उन्होंने कहा कि 11वीं व 12वीं के छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग हर ब्लॉक में कराने की व्यवस्था की जाएगी। छत्तीसगढ़ में नवाचार शुरू करते हुए 11वीं से आईटीआई प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरू किया है। 12वीं पास करने के साथ छात्रों को दो सर्टिफिकेट मिल जाएगा। इस योजना को केंद्र सरकार अपनाना चाहती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 36 आईटीआई के उन्नयन के लिए टाटा से एमओयू किया है। इनमें पुराने ट्रेड के साथ नए ट्रेड खोलेंगे, ताकि 10 हजार लोगों को लाभ मिलेगा। 41 हजार पदों की भर्ती हो रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में फीस माफ करने से लाखों छात्र पीएससी व व्यापम में शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पहले अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा निजी स्कूलों में मिलती थी। हमनें आत्मानंद स्कूल खोलकर शासकीय स्कूलां में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की है। तीन से शुरू हुए स्वामी आत्मानंद स्कूलों की संख्या अब 377 हो गई है। करीब 300 हिंदी माध्यम के आत्मानंद स्कूल हैं। अंग्रेजी माध्यम के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के कॉलेज में अध्यापन की सुविधा के लिए आत्मानंद इंग्लिश मिडियम कॉलेज खोले जा रहे हैं, जिनकी संख्या प्रदेश में अभी 10 है। अगले शैक्षणिक सत्र से सभी जिला मुख्यालयों में स्वामी आत्मानंद कॉलेज खुल जाएंगे। 23 और कॉलेज प्रदेश में खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर की छात्रा ने जिले में शासकीय बीएड कॉलेज खोलने की मांग की तो मुख्यमंत्री ने पूछा कि कहां-कहां शासकीय बीएड कॉलेज नहीं हैं? उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी जिलों में शासकीय बीएड कॉलेज खोलने की घोषणा की।

अंबिकापुर के केआर टेक्निकल कॉलेज की एक छात्रा जो बोल सकती है, लेकिन सुन नहीं सकती है, ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह शिक्षकों की लिप्सिंग से समझने का प्रयास करती है। प्रदेश में मूक-बधिर छात्रों के लिए कॉलेज नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसी व्यवस्था नहीं है। अगले शैक्षणिक सत्र से रायपुर में आवासीय मूक-बधिर कॉलेज खोलेंगे। इसके बाद संभाग मुख्यालयों में मूक-बधिर कॉलेज खोले जाएंगे।

कार्यक्रम में संभाग के छात्रों ने अपने कॉलेजों के लिए नए भवन, अतिरिक्त कमरे, छात्रावास एवं सड़क सहित लाइब्रेरी व अन्य कई घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें से कुछ मांगें अगले बजट में ली जाएंगी। मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन स्थलों को विकसित करने की भी घोषणा की।

कार्यक्रम में एक युवा ने मुख्यमंत्री से कहा कि प्रदेश में एग्रीकल्चर व फिशरी के पोस्ट नहीं निकल रहे हैं। इस कारण नौकरी नहीं लग पा रही है। नौकरी नहीं है तो शादी नहीं हो पा रही है। इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुस्कुराते हुए कहा कि नौकरी के साथ छोकरी भी खोजूं क्या? उन्होंने कहा कि जल्द ही इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का जन्मदिन कल 23 अगस्त को है। अंबिकापुर के युवाओं से भेंट मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री से यहां की छात्राओं ने केक काटकर यहां जन्मदिन मनाने की अपील की। छात्राएं अपने साथ रागी से बना केक लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने रागी से बना केक काटा। मुख्यमंत्री ने केक काटकर डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को खिलाया। डिप्टी सीएम सिंहदेव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को केक खिलाकर जन्मदिन की अग्रिम बधाई दी। सीएम भूपेश बघेल ने डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। भूपेश बघेल ने छात्राओं को धन्यवाद दिया। इस मौके पर दृष्टिबाधित बच्चों ने हैप्पी बर्थ डे की धुन बजाई।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, विधायक प्रीतम राम, गुलाब कमरो, चिंतामणी महाराज, विनय जायसवाल, आदि बाबा, प्रेमसाय टेकाम सहित अन्य विधायक एवं जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी मौजूद रहे।

चुनाव से पहले दावेदारी, बेमेतरा जिले के तीनों कांग्रेस विधायकों ने किया आवेदन

बेमेतरा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों की तैयारी शुरू हो गई हैं। हाल में ही छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 21 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। दूसरी ओर कांग्रेस की तरफ से उम्मीदारी के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। मंगलवार को आवेदन की अंतिम तारीख थी। बेमेतरा जिले में कुल तीन विधानसभा क्षेत्र है। इसमें साजा, बेमेतरा और नवागढ़ शामिल है।

वर्तमान में इन तीनों विधानसभा के विधायक कांग्रेस से हैं। ऐसे में जिले के तीनों कांग्रेस विधायक ने फिर से चुनाव लड़ने दावेदारी ठोक दी है। दावेदारी के लिए सबसे आगे नवागढ़ विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे रहे। उन्होंने 18 अगस्त को नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 70 (अजा) के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी निर्धारित प्रारूप में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवागढ़ अध्यक्ष रामेश्वर साहू को कार्यकर्ताओं के साथ अपना दावेदारी आवेदन दिया।

दूसरे स्थान पर साजा विधायक और मंत्री रविन्द्र चौबे ने सोमवार 21 अगस्त को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी साजा अध्यक्ष को साजा विधानसभा क्षेत्र से अपने दावेदारी का आवेदन सौंपा है। इसके अलावा मंगलवार 22 अगस्त को बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने शहर में अपने समर्थकों के साथ रैली निकालकर ब्लॉक अध्यक्ष को आवेदन दिया है।

2018 के विधानसभा चुनाव में तीनों विधानसभा में सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच में रहा। बेमेतरा विधानसभा के लिए कांग्रेस से आशीष छाबड़ा और भाजपा से अवधेश सिंह चंदेल थे। इस चुनाव में कांग्रेस के आशीष छाबड़ा ने भाजपा के अवधेश चंदेल को 25 हजार 131 वोट से हराया। साजा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के रविन्द्र चौबे और भाजपा से लाभचंद बाफना थे। रविन्द्र चौबे ने भाजपा के लाभचंद बाफना को 31 हजार 535 वोट से हराया। वहीं नवागढ़ विधानसभा से कांग्रेस से गुरुदयाल सिंह बंजारे और भाजपा से दयालदास बघेल थे। गुरुदयाल ने भाजपा प्रत्याशी दयालदास बघेल को 33 हजार 200 वोट से हराया था। 2018 के चुनाव से पहले जिले के तीनों विधानसभा में भाजपा के विधायक थे। इन सभी को हार का सामना करना पड़ा था।

स्कूली बच्चों से भरा ई-रिक्शा पलटा, नौ बच्चे घायल, गृहमंत्री साहू पहुंचे अस्पताल

दुर्ग। अंडा थाना क्षेत्र के तिरगा-खुर्सीपर गांव के बीच मंगलवार सुबह स्कूली बच्चों से भरा एक ई-रिक्शा पलट गया। रिक्शे में सवार नौ बच्चों को चोट आई है। सभी घायल बच्चों को लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों में 2 बच्चों का हाथ और पैर फेक्चर हुआ है।

अंडा थाना प्रभारी अंबिका प्रसाद ध्रुव ने बताया कि सुबह ई रिक्शा से सभी बच्चे रोज की तरह मोहदीपाठ और निकुम के स्वामी आत्मानंद स्कूल जा रहे थे। सभी बच्चे प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल के हैं। स्कूल जाते समय तिरगा मोड़ पर ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। ई रिक्शा में सवार 11 में से नौ बच्चे घायल हो गए। सभी घायल बच्चों को दुर्ग जिला अस्पताल लाया गया है।

कुछ बच्चों को गंभीर चोट और कुछ को मामूली चोट आई है। सभी का उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही गृहमंत्री व दुर्ग ग्रामीण विधायक ताम्रध्वज साहू बच्चों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे और गृहमंत्री से सभी बच्चों से मुलाकात कर उनकी हालत की जानाकारी ली। वहीं, डॉक्टरों को बच्चों के बेहतर इलाज के लिए निर्देशित किया।

घायल बच्चों में हरपीत बेल चंदन (13) ग्राम तिरगा, कुमारी निधि देशमुख (11) ग्राम तिरगा, कुमारी गुंजन (11) ग्राम तिरगा, कुमारी देविशी बेलचंदन (10) वर्ष ग्राम झोला, कुमारी आदिति साहू (6) ग्राम झोला, भावेश बेलचंदन (9) ग्राम तिरगा, तुषार देशमुख (10) ग्राम तिरगा, वरुण बेलचंदन (9) ग्राम तिरगा, विपुल बेलचंदन (10) ग्राम झोला को चोटें आई हैं। इसके अलावा दो अन्य बच्चे सवार थे, जिन्हें कोई चोटें नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने पर बच्चों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे हैं।

चंदूलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय में राष्ट्रीय मुख स्वक्षता दिवस

दुर्ग। इंडियन सोसाइटी ऑफ़ पेरियोडोंटिक्स एवं दंत रोग विभाग चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय व सम्बद्ध अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में दंत रोगों से बचाव व सुरक्षा के लिए जनजागरण लाने के लिए राष्ट्रीय मुख स्वक्षता दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस महत्व पूर्ण अवसर पर दंत रोगों के आचार्य डॉ. जी बी शांकवालकर को और दंत चिकित्सा में उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया गया।

इस विषय पर वक्ताओं ने मुँह की स्वक्षता, दांतो और मसूड़ों की देखभाल पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया क्योंकि साफ़ मुँह, अच्छे दाँत और मसूड़े ही शरीर को स्वस्थ्य रख सकते हैं।

इस अवसर पर प्लास्टिक का कम उपयोग करते हुए व वातावरण के साथ संतुलन बनाये रखने के लिए बांस से बने टूथ ब्रश, टूथपेस्ट व मुँह की स्वक्षता एवं दांतो व मसूड़ों को स्वस्थ रखने से सम्बंधित साहित्य भी वितरित किया गया।

हमारे मीठी मुस्कान बनाये रखने व दाँत के विभिन्न रोगों की चिकित्सा करने वाले चिकित्स्कों में पेरियोड़ोंटिक्स के विशेषज्ञ विशेष महत्व रखते हैं। गौरतलब है कि शासकीय चंदूलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय व सम्बद्ध अस्पताल समय समय पर स्वस्थ्य के प्रति जागरूकता बनाये रखने एवं हेल्थ एजुकेशन के तहत इस तरह की गोष्ठीयां, सम्मलेन एवं कैंप आयोजित करते रहा है जिससे आम जनता अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और स्वस्थ बने रहे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

दुर्ग पुलिस ने अवैध गुटखा व मशीनों को किया जब्त

दुर्ग। नंदिनी थाना क्षेत्र के पोटिया गांव में संचालित अवैध गुटखा फैक्टरी में पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से लाखों रुपये का गुटखा और गुटखा बनने का कच्चा माल समेत पैकिंग मशीन जब्त की है। गुटखा तस्करी के ही आरोप में जेल बंद एक तस्कर अपने बेटे के माध्यम से इस फैक्टरी का संचालन करवा रहा था। नंदिनी पुलिस ने गुटखा को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को प्रकरण को सौंपा दिया है। नंदिनी थाना प्रभारी राजेश मिश्र ने बताया कि पोटिया गांव में घराना फूड पार्क में एक होटल का निर्माण चल रहा है। वहां पर अभी टीन शेड बना है। प्रतिबंधित गुटखा सितार ब्रांड के जर्दायुक्त गुटखा का बनाया जा रहा था। पुलिस को सूचना मिलने पर रात में छापामारी की गई। कुछ मजदूर गुटखा बनाने और उसकी पैकिंग का काम कर रहे थे। गोदाम में पुलिस एक ट्रक समेत लाखों का जर्दायुक्त गुटखा, कच्चा सामान और पैकिंग मशीन बरामद की है। यह गुटखा फैक्टरी दुर्ग निवासी गुरुमुख जुमाननी की बतायी जा रही है।

रीपा में संचालित गतिविधियों को देखकर बच्चे उत्साहित हुए

सूरजपुर। आज ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) कृष्णपुर के स्कूलों बच्चों द्वारा भ्रमण किया गया। रीपा में संचालित विभिन्न गतिविधियों को देखकर बच्चे बहुत उत्साहित हुए उन्होंने राखी बनते हुए देखा तथा कहा कि हमें भी गर्मी की छुट्टी में सीखना है राखी का स्टॉल अपने स्कूल में लगाने का आग्रह भी किया, मोमबत्ती निर्माण मशीन का अवलोकन किया तथा बनाने की विधि सीखा, कपूर बनाने की विधि का अवलोकन किया। इसके पश्चात उनके द्वारा बोरा निर्माण इकाई एवं प्रिंटिंग इकाई का भ्रमण किया गया, बोरा बनते हुए देखकर बहुत खुश हुए आगे उन्होंने पशु आहार इकाई का भ्रमण किया तथा पशु आहार कैसे बनता है और पशु आहार बनाने में कौन-कौन से सामग्री का उपयोग होता है। सभी बच्चे बहुत उत्साहित और खुश थे। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकगण ग्राम के सरपंच तथा जनपद के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक भर्ती में अंतिम चयन सूची जारी करने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर। सहायक शिक्षक भर्ती में बी. एड के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग और अंतिम चयन सूची जारी करने पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। सहायक शिक्षकों के करीब 6500 पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ में 4 मई 2023 को विज्ञापन निकाला गया था। इसके लिए भर्ती नियम 2019 में संशोधन किया गया था और डी. एड के अलावा बी.एड क्वालीफाई अभ्यर्थियों को भी अवसर दिया गया। 10 जून 2023 को हुई परीक्षा में बीएड और डीएड करने वाले अभ्यर्थी शामिल हुए। इसके बाद डी. एड अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा गया की डी. एड प्रशिक्षण प्राइमरी स्कूल में पढ़ाने के लिए दिया जाता है, जबकि बी. एड में मिडिल और हाई स्कूल के विद्यार्थियों को पढ़ाने का प्रशिक्षण मिलता है। बी.एड प्रशिक्षित अभ्यर्थी प्राथमिक शाला में पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित नहीं होते हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्णय दिया है की कक्षा एक से पांचवी तक की भर्ती के लिए बीएड अभ्यर्थी पात्र नहीं होंगे।

सरकार ने मेरी सुरक्षा घटाई फिर धमकी मिली: भोजराज

कांकेर। कांकेर में पूर्व विधायक भोजराज नाग को नक्सलियों की धमकी के बाद उनका बयान सामने आया है। भोजराज नाग ने कहा है कि सरकार ने मेरी सुरक्षा घटाई फिर मुझे नक्सली धमकी मिली। भोजराज ने कहा मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। मैंने अपने धर्म की रक्षा के लिए धर्मांतरण के खिलाफ अभियान चलाया, इसमें कुछ गलत नही, भोजराज नाग को फिलहाल वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली है। गौरतलब है कि नक्सलियों ने पर्चा जारी कर भोजराज नाग को आरएसएस का एजेंट बताया है। नक्सलियों ने बयान में आगे कहा है कि मृत्यु के बाद कब्रिस्तान का अधिकार संवैधानिक होता है। भोजराज नाग के साथ पूर्व मंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता विक्रम उसेंडी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी नक्सलियों ने टिप्पणी की है। नक्सलियों के उत्तर बस्तर डिविजन के सचिव सुखदेव कोड़ों ने पर्चा जारी किया था।

मुख्यमंत्री के स्वागत में छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री को भेंट किया स्केच

जांजगीर-चांपा। भेंट-मुलाकात, युवाओं के साथ कार्यक्रम के तहत सरगुजा संभाग में आयोजित कार्य्रकम के दौरान मुख्यमंत्री भपेश बघेल के स्वागत में सरगुजा के केआर कॉलेज के छात्र अंकित गुप्ता, आई एन आर सी कॉलेज की छात्रा वैशाली, पी जी कॉलेज की छात्रा अनु विश्वकर्मा, होलीक्रॉस कॉलेज की छात्रा मानसी चौरसिया ने मुख्यमंत्री को स्केच भेंट किया। पी जी कॉलेज कोरिया के छात्र कृष्णा राजवाड़े तथा एन ई एस कॉलेज जशपुर के छात्र हेमराज राम ने पेंटिंग भेंट की।

गोधन न्याय योजना के पशुपालक किसानों के लिए बना वरदान

■ गोबर बेचकर अपनी पुत्री को नर्सिंग कॉलेज रायपुर में दिलाया दाखिला

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना जिले के पशुपालक किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसके क्रियान्वयन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और उनके जीवन में खुशहाली आई है। यह योजना पशुपालकां के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त करने का जरिया बना है, साथ ही स्व सहायता समूह की महिलाओं को विशेष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है।

दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के लोहत्तर गोठान पशुपालकों के लिए आजीविका का साधन बना हुआ है। इस गौठान में 77

पशुपालकों ने 3709.54 क्विंटल गोबर बेचकर 07 लाख 41 हजार 908 रूपये आय अर्जित किया है। कृषक कंवल सिंह ने बताया कि उन्होंने 865 क्विंटल गोबर बेचकर 01 लाख 73 हजार रूपये आय अर्जित की है, जिससे उन्होंने मोपेड खरीदा है एवं शेष राशि से कृषि कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय किया गया है। गोधन न्याय योजना शुरू करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने गोबर से भी जीविकोपार्जन का जरिया उपलब्ध कराया है। कृषक श्री विजय मण्डावी बताते है कि उन्होंने 245 क्विंटल गोबर बेचकर 48 हजार 790 रूपये की आय अर्जित की है, जिससे अपनी पुत्री को नर्सिंग कॉलेज रायपुर में अध्ययन कराने में सक्षम हुआ हूँ। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। इसी प्रकार कृषक श्रीमती रंभा ठाकुर ने कहा कि मैंने 271 क्विंटल गोबर बेचकर 54 हजार 186 रूपये की आमदनी प्राप्त किया है। कोरोना काल में मैंने गोबर बेचकर अपनी आजीविका चलाया। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए उन्होंने बताया कि गोबर विक्रय से मिली राशि से अपने गांव में किराना दुकान संचालन कर रही है, जिससे अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि गोठान में कुल 03 महिला स्व सहायता समूह कार्य कर रही हैं। जय मॉ दंतेश्वरी स्व सहायता समूह को बकरी पालन कर 80 हजार रूपये प्राप्त हुए, जिसमें से 60 हजार रूपये की आमदनी हुई, जिससे प्रत्येक महिला को 15 हजार रूपये लाभ हुआ है। जय मॉ संतोषी महिला समूह द्वारा सब्जी उत्पादन, आचार पापड़ उत्पादन, मसाला उत्पादन, दलहन उत्पादन, कस्टम हायरिंग सेंटर गोठान में हरा चारा उत्पादन का कार्य किया जा रहा है, जिससे उन्हें 04 लाख 72 हजार रूपये की आमदनी प्राप्त हुई है, जिसमें 04 लाख 21 हजार 500 रूपये की शुद्ध लाभ हुआ है। जाग्रति महिला स्व सहायता समूह के 02 सदस्यों द्वारा 10 हजार रूपये का मशरूम विक्रय कर आय प्राप्त की गई। जय मॉ संतोषी महिला स्व सहायता समूह एवं जय मॉ दंतेश्वरी स्व सहायता समूह के 14 सदस्यों द्वारा केंचुआ पालन कर 01 लाख 50 हजार रूपये एवं 1318 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन कर 13 लाख 18 हजार 300 रूपये का आय अर्जित किया गया है, जिससे उन्हें 05 लाख 16 हजार 985 रूपये शुद्ध लाभ हुआ है।

पूर्व सरपंच को नक्सलियों ने घायल कर सड़क के किनारे फेंका, हालत गंभीर

बीजापुर। बीजापुर जिले की ग्राम पंचायत फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच महेश गोटा को रविवार को नक्सलियों ने अगलवा कर लिया था। इसके बाद नक्सली सोमवार देर रात मेश गोटा को जख्मी हालत में सड़क किनारे फेंककर चले गए। घायल पूर्व सरपंच को परिजनों ने सोमनपल्ली के पास से उठाकर बीजापुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से उन्हें मेकाज रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

परिजनों ने बताया कि रविवार दोपहर एक बजे के दरमियान दामाराम के चिकटराज पहाड़ी से 50 से ज्यादा ग्रामीणों को नक्सलियों ने अगवा कर लिया था। पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया था, लेकिन पूर्व सरपंच को नक्सली बंधक बनाकर अपने साथ ले गए थे। नक्सलियों ने धारदार हथियार से घायव कर महेश गोटा को सोमनपल्ली के पास छोड़ दिया। इसके बाद परिजन उन्हें कुटरू अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेकाज भेज दिया गया। परिजनों ने बताया की घायल पूर्व सरपंच वर्तमान में खेती किसानी का काम कर रहे थे। उनके दो छोटे बच्चे भी हैं। पूर्व सरपंच की बेटी ने नक्सलियों से अपील करते हुए पिता की रिहाई की मांग की थी। इसके बाद घायल महेश को घर से करीब दो किमी दूर नक्सली छोड़कर चले गए थे। फिलहाल घायल महेश की हालत ठीक नहीं है और उन्हें वेंटीलेटर में रखा गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। परिजनों का कहना है कि उन्हें बेहतर उपचार के लिए रायपुर भी रेफर किया जा सकता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

केसीआर द्वारा जारी की गई सूची हार का नुस्खा है : जावड़ेकर

हैदराबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बीआरएस सुप्रीमो और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा उम्मीदवारों की सूची को हार का निश्चित नुस्खा बताया है। अपने एक बयान में उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता बीआरएस शासन और विधायकों द्वारा लूट को देखते हुए उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा, केसीआर द्वारा जारी की गई सूची हार का नुस्खा है। यह न केवल राज्य की सत्ता है, बल्कि स्थानीय सत्ता भी चुनावों को प्रभावित करेगी। जिस तरह से राजिय सरकार लूट रही है और स्थानीय सांसद खुद को समृद्ध बनाने में लगे हुए हैं, जनता इन सभी को सबक सिखाएगी। राव ने सोमवार को आगामी विधानसभा चुनावों में कुल 119 सीटों के लिए 115 उम्मीदवारों की घोषणा करके विपक्षी कांग्रेस और भाजपा पर बढ़त बना ली। उन्होंने खुद गजवेल और कामारेड्डी दो सीटोंपर चुनाव लड़ने का फैसला किया।

सीएए लागू होगा और ममता रोक नहीं पाएंगी : भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने राज्य की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। सुकांत मजूमदार ने कहा कि आप (ममता बनर्जी) विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं लेकिन इंडिया आपके साथ नहीं है। देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ है। दरअसल हाल ही में ममता बनर्जी ने अपने एक बयान में कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की विदाई तय है और पीएम मोदी के पास प्रधानमंत्री के रूप में सिर्फ छह महीने का वक्त बचा है। सुकांत मजूमदार ने सीएए लागू होने की बात कही और कहा कि सीएए लागू होकर रहेगा और ममता बनर्जी इसे रोक नहीं पाएंगी। बंगाल के लोग आपके भ्रष्टाचार के बारे में जानती है और आने वाले समय में आपको सत्ता से बाहर करने के लिए वोट करेगी। इससे पहले ममता बनर्जी ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में विभिन्न इमामों से मुलाकात की।

भाजपा के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाएगी जेडीयू

पटना। 2024 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई को धार देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू पोल खोल अभियान चलाएगी। जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने ऐलान किया कि 1 सितंबर से जेडीयू बीजेपी के खिलाफ पोल खोल अभियान शुरू करेगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पार्टी 1 से 5 सितंबर तक सभी जिला मुख्यालयों में मशाल जुलूस और 7 से 12 सितंबर तक कैंडल मार्च का आयोजन करेगी। पार्टी 15 से 20 सितंबर तक घरों पर काले झंडे लगाकर बीजेपी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। आपको बता दें कि जदयू इंडिया गठबंधन के हिस्सा है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही सबसे पहले इसकी पहल की थी। दरअसल, जदयू अध्यक्ष की ओर से जातिगत आधारित जनगणना को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह प्रेस कॉन्फ्रेंस हुआ।

मणिशंकर अय्यर ने की पाकिस्तान से वार्ता की वकालत

नईदिल्ली। पूर्व राजनयिक और कांग्रेस के वरिष्ठ तथा बड़बोले नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की बहाली की पैरवी की है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया है कि जबसे वह आये हैं तबसे पाकिस्तान से बातचीत पूरी तरह बंद कर दी है। मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान से वार्ता की वकालत करते हुए कहा है कि जब तक यह पड़ोसी देश 'हमारे गले की फांस बना रहेगा' तब तक भारत दुनिया में अपना उचित स्थान हासिल नहीं कर सकेगा। पाकिस्तान के वाणिज्यिक शहर कराची में दिसंबर, 1978 से जनवरी, 1982 तक भारत के महावाणिज्यदूत रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी आत्मकथा 'मेमॉयर्स ऑफ ए मेवरिक' में पाकिस्तान में बतौर राजनयिक अपने कार्यकाल को एक पूरा अध्याय समर्पित किया है। उनकी यह नई पुस्तक सोमवार को बाजार में बिक्री के लिए आई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान में भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' वहां के लोग हैं जो भारत को दुश्मन देश नहीं मानते।

आम आदमी पार्टी से हमारा कोई संबंध नहीं: बाजवा

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस ने आज राज्य में किसानों के विरोध प्रदर्शन और कल संगरूर में एक किसान की मौत के मद्देनजर राज्य सरकार के खिलाफ मोहाली में विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब में कांग्रेस इसको लेकर आम आदमी पार्टी और राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मुझे लगता है भगवंत मान में आज हिटलर की आत्मा आ गई है। बाजवा ने इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया है कि वे इस पर स्वत: संज्ञान लें। बाजवा ने आप से साथ गठबंधन पर भी बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि हमारा आम आदमी पार्टी से कोई संबंध नहीं है। हमने पहले भी ये साफ़ किया है और आज फिर से हम ये कर रहे हैं। अगर हमें उनका समर्थन करना होता तो क्या आज हम उनका विरोध करते? दिल्ली में क्या हुआ? जहां भी भाजपा अति पर जाएगी, वहां समर्थन मिलेगा। यहाँ नहीं।

सेना के दिग्गज बोले- भारत ने 1950 से खोई है जमीन

भारत-चीन सीमा विवाद पर राहुल के दावे गलत

नईदिल्ली। राहुल गांधी ने अपने हालिया बयान में एक बार फिर चीन के मुद्दे पर मोदी सरकार पर निशाना साधा। वहीं भारत ने चीन के हाथों अपनी जमीन खोने के उनके हालिया दावे को सुरक्षा विशेषज्ञ ने गलत बताया है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) संजय कुलकर्णी ने कहा कि चल रही बातचीत के दौरान इस तरह के दावे राजनयिक प्रयासों में बाधा बन सकते हैं। यह टिप्पणी तब आई है जब राहुल गांधी ने चीनी पीएलए के अतिक्रमण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख का खंडन किया। लद्दाख में अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राहुल ने कहा कि पीएम मोदी का यह दावा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों ने एक इंच भी भारतीय जमीन नहीं ली, सच नहीं है।

कुलकर्णी ने गांधी का विरोध करते हुए कहा कि 1950

के बाद से भारत ने चीन के हाथों लगभग 40,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र खो दिया है और हमारा प्रयास है कि हम अपना और क्षेत्र चीन के हाथों न खोएं। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि लेकिन इस तरह के बयान देना कि हम यहां हार गए हैं, सिर्फ धारणाएं हैं। यह एक को दूसरे के खिलाफ खराब रोशनी में दिखाता है। कुलकर्णी का कहना है कि डेमचोक और देपसांग में घर्षण के कारण भारत-चीन सैन्य वार्ता जारी रहती है, जहां गश्त प्रतिबंध केंद्रित हैं, जिससे बातचीत के बिंदु बनते हैं। भारतीय सेना के दिग्गज ने कहा, लेकिन यह कहना कि हम हार गए हैं, गलत होगा... ऐसे बयान देना गलत होगा और जब बातचीत चल रही हो तो किसी को भी बयान नहीं देना चाहिए।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कुछ भी करो, लेकिन भारत के सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने की कोशिश क्यों करते हो? इसके अलावा, मोदी सरकार के तहत स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, प्रसाद ने कहा कि आज देखिए, मोदी सरकार के तहत लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक सड़कें और पुल बन रहे हैं, जिससे सेना के वाहनों को विभिन्न स्थितियों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने में मदद मिल रही है।

जी20 के लिए दिल्ली को किया जाएगा बंद

नईदिल्ली। जी20 सम्मेलन की मेजबानी के लिए दिल्ली पूरी तरह से तैयार है। इस दौरान हर बंदोबस्त बराबर हो इसके लिए हर विभाग ने तैयारियां तेज कर दी है। वहीं सुरक्षा को लेकर भी कई स्तर पर तैयारियां हो गई है। दुनिया के 20 सर्वाधिक ताकतवर देशों के राष्ट्राध्यक्ष, अधिकारी और प्रतिनिधि मंडल एवं इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड जैसी संस्थाओं के प्रतिनिधि इस सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। इस सम्मेलन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा की तैयारियों को तेज कर दिया है। इस सम्मेलन को लेकर ट्रैफिक मैनेजमेंट से लेकर स्कूल और कॉलेज बंद किए जाएंगे ताकि सम्मेलन के दौरान किसी तरह की परेशानी ना हो। जी 20 सम्मेलन का आयोजन भारत की राजधानी दिल्ली में आठ से 10 सितंबर तक किया जाना है। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा। यानी तीन दिनों तक दिल्ली में स्कूल, कॉलेज और ऑफिसों में छुट्टियां होंगी। वहीं दिल्ली के जिन इलाकों में वीवीआईपी मूवमेंट होगी वहां ट्रैफिक में भी बदलाव किया जाएगा। दिल्ली के लोगों को इस दौरान किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए दिल्ली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस पूरी व्यवस्था कर रही है। लोगों को वैकल्पिक रास्ता दिया जाएगा। जी 20 सम्मेलन के लिए सात सितंबर की रात 12 बजे से ही नई दिल्ली समेत अन्य प्रतिबंधित इलाकों में ट्रैफिक के नए नियम लागू हो जाएंगे। इन इलाकों में ट्रैफिक आम जनता के लिए बाधित रहेगा। इसके लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया है। ऐहतियात के तौर पर इस दौरान सिर्फ अति आवश्यक वस्तुओं को ही बॉर्डर से लाने की मंजूरी होगी। यानी आवश्यक वस्तुओं, जैसे कि दूध और मिल्क प्रोडक्ट्स, सब्जियां, राशन का सामान, दवाइयां और पेट्रोलियम पदार्थों से लदे ट्रकों को ही दिल्ली में एंट्री मिलेगी। दिल्ली से गाड़ियां बाहर जा सकेगी।

कांग्रेस सरकार को मंजूर नहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः प्रधान

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को अस्वीकार कर देगी, पुरानी शिक्षा प्रणाली को जारी रखते हुए राज्य के लिए शिक्षा नीति विकसित करने के लिए अब एक समिति स्थापित करने पर सहमत हुई। नई एनईपी को कर्नाटक में पिछले भाजपा प्रशासन द्वारा लागू किया गया था, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, प्रशासन ने इस योजना को रद्द करने का विकल्प चुना। हालांकि, राज्य में इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस सरकार के इस फैसले का केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने विरोध किया है। अपने बयान में धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि कल, कर्नाटक के डीवाई सीएम डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि वे राष्ट्रीय शैक्षिक नीति को रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा कि मैं शिवकुमार को बताना चाहता हूं कि उनका तथ्य गलत है, उनका बयान शरारतपूर्ण और प्रतिगामी है। यह भविष्य की ओर नहीं देख रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनईपी 2021 से लागू नहीं है, इसे 2020 से लागू किया गया है। यह कोई राजनीतिक दस्तावेज नहीं है, यह 21वीं सदी के लिए एक दार्शनिक दस्तावेज है। उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ एम सी सुधाकर, प्राथमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा, प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रोफेसर बारागुरु रामचंद्रप्पा और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सोमवार को इस विषय पर एक बैठक में उपस्थित थे, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने की थी। बाद में, सीएमओ ने एनईपी की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि चूंकि यह राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र सरकार शिक्षा नीति नहीं बना सकती। राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य सरकारों को विश्वास में लिए बिना बनाई गई है। शिक्षा नीति केंद्र सरकार द्वारा नहीं थोपी जा सकती है।

मध्यप्रदेश में जातिगत जनगणना कराएगी कांग्रेस

■ **मल्लिकार्जुन खड़गे ने संत रविदास मंदिर के बहाने मोदी पर साधा निशाना**

भोपाल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगामी मध्य प्रदेश चुनाव में पार्टी के सत्ता में आने पर संत रविदास के नाम पर एक कॉलेज बनाने की घोषणा की। खड़गे मंगलवार को मध्य प्रदेश के सागर में अपनी पहली सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री को रविदास केवल चुनाव के दौरान याद आते हैं। उन्होंने चुनाव से तीन महीने पहले संत रविदास स्मारक बनाने की घोषणा क्यों की, अपने 9 साल के कार्यकाल के दौरान क्यों नहीं? आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनावी लड़ाई है। प्रधानमंत्री ने सागर जिले के बडतूमा में समाज सुधारक और कवि संत रविदास के 100 करोड़ रुपये की लागत वाले मंदिर-सह-स्मारक के निर्माण के लिए भूमि पूजन और आधारशिला इसी महीने रखी थी।

खड़गे ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा ने यहां मंदिर बनाने का वादा किया और दिल्ली में 2019 में संत रविदास जी का मंदिर बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया। ये लोग मुख में राम, बगल में छुरी वाला काम करते हैं। रविदास जी कहते थे- ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिलै सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसै, रैदास रहै प्रसन्न। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्रांतिवीरों, दानवीरों और बलिदान की भूमि है। मैं महाराजा छत्रसाल जी, महारानी लक्ष्मीबाई जी, वीरांगना झलकारी बाई जी के साथ शहीद साबूलाल जैन जी को श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान जिनके नेतृत्व में बना, बाबासाहेब आंबेडकर जी भी महू में पैदा हुए थे। मैं विशेष तौर पर संविधान निर्माताओं में से एक डॉ. हरिसिंह गौर जी को भी नमन करता हूं, जिन्होंने यहां मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय स्थापित किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी। खड़गे ने कहा कि भाजपा सरकार ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सिफारिश पर स्वीकृत बुन्देलखण्ड पैकेज को लागू नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन पर हिंसा प्रभावित मणिपुर के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। 2011 की जनगणना के मुताबिक एमपी में दलितों की आबादी 1.13 करोड़ थी। उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में अनुसूचित जाति के लिए छह विधानसभा सीटें आरक्षित हैं, और भाजपा ने 2018 के राज्य चुनावों में उनमें से पांच पर जीत हासिल की थी, अर्थात् बीना, नारयोली, जतारा, चंदला और हट्टा, जबकि कांग्रेस गुन्नौर जीतने में कामयाब रही।

भाजपा ने खड़गे पर पलटवार किया

मध्य प्रदेश में इस साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति लगातार जारी है। इन सब के बीच कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मध्य प्रदेश में थे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। वहीं, भाजपा की ओर से उनपर पलटवार किया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने दलितों को केवल वोटबैंक का साधन माना है। मल्लिकार्जुन खड़गे करप्पननाथ से पूछें कि अल्पसंख्यक वर्ग के कुछ अपराधियों ने दलित भाई को विष्ठा खिलाने का घृणित कार्य किया, लेकिन कांग्रेस का कोई नेता एक शब्द भी क्यों नहीं बोला? भाजपा नेता ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले कांग्रेसियों का दोहरा चरित्र जनता समझती है। खड़गे जी इसके लिए मध्यप्रदेश की जनता से माफी माँगें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा को वोट देने वाली जनता को राक्षस कहा है, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मध्यप्रदेश की जनता को जवाब दें कि क्या वे सुरजेवाला के बयान से सहमत हैं? मध्य प्रदेश और देश की जनता से आज खड़गे जी माफी माँगें। उन्होंने कमलनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ को मध्य प्रदेश से थोड़ी सी भी आत्मीयता होती तो प्रदेश रेप प्रदेश और भारत को बदनाम नहीं कहते। कमलनाथ ने झूठ बोलकर हर वर्ग को ठगा।

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप में चयन की कभी कल्पना नहीं की थी : तिलक

नई दिल्ली। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। हैदराबाद के लिए घरेलू क्रिकेट और मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल खेलने वाले तिलक वर्मा 17 सदस्यीय दल में इकलौते नए चेहरे हैं। तिलक ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। अब उनका चयन वनडे टीम में भी हो गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार (22 अगस्त) को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें तिलक ने कहा कि उन्होंने सीधे एशिया कप टीम में चयन की कभी कल्पना नहीं की थी।

तिलक ने वेस्टइंडीज दौरे पर भारत के लिए पहला टी20 खेला था। वह फिलहाल टीम इंडिया के साथ आयरलैंड में हैं। तिलक ने अब तक सात टी20 मैचों में 34.8 की औसत से 174 रन बनाए हैं। उन्होंने एक अर्धशतकीय पारी खेली है। बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में तिलक बल्लेबाजी का अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। तिलक ने कहा, मैंने हमेशा भारत के लिए वनडे में खेलने का सपना देखा था, लेकिन कभी सीधे एशिया कप के लिए चुने जाने के बारे में नहीं सोचा था। यह मेरे लिए बड़ी बात है। मैंने कुछ दिन पहले टी20 डेब्यू किया और फिर एक महीने में वनडे टीम में चुना गया।

तिलक ने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की। उन्होंने कहा, रोहित भाई ने हमेशा मेरा साथ दिया। जब मैं आईपीएल में खेल रहा था तो वह मुझसे खेल के बारे में बात करते थे। खेल का आनंद उठाओ और जब भी जरूरत हो मेरे पास आ जाओ। हमेशा खुलकर खेलने के लिए कहा। मैं यही कर रहा हूं। मैं खुश हूं कि एशिया कप टीम में मेरा चयन हुआ है। तिलक वर्मा ने कहा, मैं वनडे क्रिकेट के लिए तैयार हूं। मैंने घरेलू स्तर पर बहुत लिस्ट ए मैच खेले हैं। मैंने अपने राज्य और अंडर-19 टीम के लिए वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे उम्मीद है कि टीम इंडिया के लिए भी ऐसा कर पाऊंगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स दिन के हाई से करीब 150 अंक फिसला

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार सपाट बंद हुए। आज के कारोबर में दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स दोपहर के सौदों में शुरुआती बढ़त को बनाए रखने में नाकामयाब रहा और अंत में 65,220 के स्तर पर सपाट बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 19,400 के स्तर से नीचे गिर गया। इस बीच, ब्रोडर इंडाइसेज ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 0.4 प्रतिशत तक चढ़े। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 3.94 अंक यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 65,220.03 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,362.91 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,165.45 तक आया।

भारत में कार्ड से भुगतान 2023 में करीब 28 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा

नईदिल्ली। भारत में कार्ड से भुगतान 2023 में सालाना आधार पर 28.6 प्रतिशत बढ़कर 27.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। लंदन स्थित डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबल डेटा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। ग्लोबलडेटा ने कहा कि भारत में कार्ड भुगतान के मूल्य में 2022 के दौरान 26.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इकोनॉमिक ग्रोथ, उपभोक्ताओं की इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के प्रति बढ़ती प्राथमिकता और सरकार का कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के प्रयास के चलते में कार्ड से भुगतान में इजाफा हुआ है। ग्लोबलडेटा के वरिष्ठ बैंकिंग और भुगतान विश्लेषक कार्तिक चल्ला ने कहा, भारत परंपरागत रूप से कैश से चलने वाली अर्थव्यवस्था रहा है। हालांकि, किसी पेमेंट के लिए कैश का इस्तेमाल अब घट रहा है।

होज बनाने वाली कंपनी का आईपीओ खुला

नईदिल्ली। आशीष कचोलिया के पोर्टफोलियो में शामिल कंपनी एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ आज यानी मंगलवार को खुल गया है। कंपनी का 351 करोड़ रुपये आईपीओ निवेशकों के लिए 24 अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी ने एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज आईपीओ का प्राइस बैंड 102 रुपये से लेकर 108 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय की है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी का लक्ष्य 351 करोड़ रुपये जुटाने का है। ऐरोफ्लेक्स के आईपीओ के फ्रेश इश्यू के तहत नए शेयर जारी होंगे और ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत शेयरों की बिक्री होगी। बता दें कि कंपनी के इश्यू को एंकर निवेशकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। मंगलवार सुबह 11.42 बजे तक, आईपीओ को 1.74 गुना सब्सक्राइब किया गया है जबकि इसके खुदरा हिस्से को 2.33 गुना सब्सक्राइब किया गया है। बुक बिल्ड इश्यू के एनआईआई हिस्से को 2.70 गुना सब्सक्राइब किया गया है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.5% रहने की संभावना

नई दिल्ली। इक्रा रेटिंग्स ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में बढ़कर 8.5% हो जाएगी, जो पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में 6.1% की वृद्धि दर देखी गई थी। इक्रा ने तेज वृद्धि का श्रेय सहायक आधार और सेवा क्षेत्र में सुधार को दिया। एजेंसी का ताजा अनुमान आरबीआई के 8.1% के पूर्वानुमान से अधिक है, इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विपरीत परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं, जो निराशाजनक साबित होंगी नायर ने कहा कि अनियमित बारिश, साल भर पहले की कमोडिटी कीमतों के साथ अंतर कम होना, और सरकारी पूंजीगत व्यय की गति में संभावित मंदी जैसा कि हम संसदीय चुनावों के करीब पहुंच रहे हैं, विकास को सीमित कर देंगे।

सेमीकंडक्टर और चिप के क्षेत्र में चीन की बढ़त को रोकना चाहता है अमेरिका

हर्ष वी. पंत

एक साल पहले अमेरिका की बाइडन सरकार चिप्स एंड साइंस एक्ट 2022 लेकर आई। इसका मकसद चीन की तुलना में बढ़त बनाए रखना, सप्लाई चेन को मजबूत करना और इन सबसे बढ़कर राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। साफ-साफ कहा जाए तो इस कानून को इसलिए लाया गया ताकि अमेरिका सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में चीन को लगातार मिलती बढ़त पर रोक लगा सके। चिप मैन्युफैक्चरिंग के गढ़ के रूप में चीन पहचान बना चुका है। ऐसे में अमेरिका जो एक समय दुनिया का करीब 40 फीसदी चिप बनाता था, अब 10 फीसदी पर आ गया है। यह कानून अमेरिकी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और डिवेलपमेंट के लिए 53 अरब डॉलर आवंटित कर और इस क्षेत्र में स्किल्ड वर्कफोर्स की तादाद बढ़ाकर समीकरण बदलने का प्रयास कर रहा है।

इस कानून की पहली वर्षगांठ को रेखांकित करने और इससे हासिल फायदों को आगे बढ़ाने के मकसद से बाइडन सरकार ने इसी 9 अगस्त को कुछ संवेदनशील देशों में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी टेक्नॉलजी और प्रॉडक्ट्स में अमेरिकी निवेश को लेकर एक नया एक्जिक्युटिव ऑर्डर निकाला। ऑर्डर ने इस संबंध में प्रमुख खतरे के रूप में हॉन्गकॉनग और मकाउ के साथ चीन की पहचान की है। इस ऑर्डर के प्रावधान अमेरिकी वित्त मंत्री को अधिकार देते हैं कि वह चीन में हो रहे ऐसे अमेरिकी निवेशों पर नजर रखें, जो आशंकाओं को जन्म देते हों। इस तरह की निगरानी के दायरे में मुख्यतः तीन क्षेत्रों की टेक्नॉलजी आती हैं- सेमीकंडक्टर और माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस।

बाइडन सरकार की एक बड़ी चिंता यह रही है कि हाई टेक्नॉलजी सेक्टर्स को उन कमजोरियों से कैसे बचाया जाए, जो चीन की ओर जाने वाले निवेश को आसान बना देती हैं। पिछले साल किए गए बाइडन प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद ऐसे सूराख रह गए, जिनके जरिए अप्रत्यक्ष रूप से यानी विभिन्न देशों, मैन्युफैक्चरिंग पार्टनरों और अलग-अलग चैनलों से होते हुए कुछ खास चीनी टेक्नॉलजी हाईटेक अमेरिकी डोमेन में पहुंच ही गईं। चिप्स एंड साइंस एक्ट 2022 जैसे कदम और चीनी हाई टेक्नॉलजी सेक्टर्स में अमेरिकी नागरिकों की सहभागिता रोकने वाले ऑर्डर इन्हीं सूराखों को बंद करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। हालांकि ये प्रयास नाकाफी लगते हैं, लेकिन फिर भी अमेरिका ने हाई-एंड टेक सेक्टर में टेक्नॉलजी लीक पर काफी हद तक काबू पा लिया है।

वैसे, नया एक्जिक्युटिव ऑर्डर तत्काल प्रभाव से लागू नहीं हो रहा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय चाहता है कि इसे अमल में लाए जाने से पहले इस पर लोगों की राय ले ली जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के अलावा बाइडन प्रशासन इस तथ्य से भी संचालित हो रहा है कि प्रमुख टेक इंडस्ट्रीज में अनियंत्रित अमेरिकी निवेश चीनी सेना को फायदा पहुंचा सकता है। हालांकि इसके साथ ही उसे यह भी पता है कि इस कदम से अमेरिकी कंपनियों पर भी प्रभाव पड़ेगा। वॉशिंगटन में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री असोसिएशन पहले ही चीनी बाजार में पहुंच की अपील कर चुका है, जाहिर है इन आशंकाओं के बीच कि कहीं इस नए ऑर्डर का खामियाजा न भुगतना पड़े। अमेरिका के इस नए कदम को देखते हुए चीन की बड़ी इंटरनेट कंपनियां अपने एआई लक्ष्यों के मद्देनजर चिप्स का भंडार जमा करने में लग गई हैं। हाल ही में चीनी कंपनियों ने जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस सिस्टम के विकास में काम आने वाले हाई परफॉर्मेंस Nvidia चिप्स के 5 अरब डॉलर के परचेज ऑर्डर दिए हैं।

अमेरिका और चीन के बीच की इस रस्साकशी का बाकी दुनिया पर सबसे बड़ा प्रभाव ग्लोबल वैल्यू और सप्लाई चेंस में आने वाली बाधाओं के रूप में दिख सकता है। इस तरह के किसी बड़े प्रभाव को रोकने के इरादे से अमेरिका ने चीन के साथ 'डीकपलिंग' की अपनी घोषणाओं को अब 'डीरिस्किंग' में तब्दील कर दिया है।

राजनीतिक अस्थिरता से गुजरता स्थिर महाराष्ट्र

अमिताभ श्रीवास्तव

आम तौर पर महाराष्ट्र की राजनीति दो भागों में चलती आई है। एक तरफ कांग्रेसी गठबंधन तो दूसरी ओर भगवा गठबंधन अपनी ताकत आजमाता रहा है। मगर वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद से राज्य की राजनीति अच्छे-अच्छों की समझ से बाहर हो चली है। यही वजह है कि लोग अक्सर एक सवाल पूछते मिलते हैं कि महाराष्ट्र में अब आगे क्या होगा? जिसका जवाब उन्हें कभी तीर तो कभी तुक्का जैसा मिलता है। हालांकि राज्य की राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद महाराष्ट्र अपनी जगह स्थिर नजर आता है। अतीत पर नजर दौड़ाई जाए तो राज्य में राजनीतिक उठापटक सत्तर के दशक में ही आरंभ हो गई थी। जब शरद पवार के रूप में एक नया नेतृत्व उभरा था। तरह-तरह के दांव-पेंच में माहिर पवार ने अनेक मौकों पर कांग्रेस को चुनौती दी और बाद में उसी से फिर जा मिले। पुराने मौकों में कांग्रेस के टूटे दल और कांग्रेस की सरकार में उलटफेर होता था। मगर नब्बे के दशक तक आते-आते अनेक तरह के समाजवादी और वामपंथी दलों का कांग्रेस के साथ जुड़ना भी आरंभ हुआ। यहीं से कांग्रेस का अपने दम या अलग हुए लोगों के साथ सरकार बनाने का क्रम टूटना शुरू हुआ। वर्ष 1995 में तो कांग्रेस को सत्ता से ही पीछे हटना पड़ा, जब पहली शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की भगवा सरकार ने राज्य की बागडोर संभाली। यह पहली गैर कांग्रेस सरकार भी ठीक तरह से चली, लेकिन वर्ष 1999 के चुनाव में सत्ता से बाहर हो गई। हालांकि इसी समय कांग्रेस भी दो-फाड़ हुई और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के रूप में नई पार्टी सामने आई। फिर भी सरकार मिलकर बनी और अगले दो चुनाव 2004 और 2009 के बाद तक सत्ता में बनी रही। इसके बाद वर्ष 2014 में भाजपा-शिवसेना की सरकार बनी, जो अच्छी तरह से चली। इसमें भी भाजपा का दबदबा था, मगर शिवसेना का साथ बना रहा। वर्ष 2019 के चुनाव के बाद भाजपा और शिवसेना के बीच तालमेल टूटा, तो राज्य का हाल ही बदल गया। पहले कुछ दिन की भाजपा की सरकार और फिर ढाई साल कांग्रेस-राकांपा-शिवसेना की मिली-जुली सरकार अस्तित्व में आई। एक साल पहले टूटी शिवसेना के साथ भाजपा की दोबारा सरकार बनी, जिसमें कुछ माह पहले राकांपा भी जा मिली। बीते करीब चार सालों में महाराष्ट्र की राजनीति में जो हुआ, वो कभी देखा नहीं गया। विपरीत ध्रुवों पर बैठे नेताओं का मिलन सभी के लिए आश्चर्यजनक रहा। ऐसे विधायक जिन्होंने दल विशेष के खिलाफ चुनाव लड़ा था, वे भी अपने विरोधियों से गलबहियां करते दिखाई दिए। अनेक नेता, जो सपने में भी अपने विरोधियों से मिलना नहीं चाहते थे, वे सत्ता सुख में उनके साथ मंत्री बनकर एक कतार में नजर आए। हालांकि इस दौर को राज्य ने कोरोना संकट में स्वीकार कर लिया। मगर उसके बीतते ही राज्य की राजनीति ने फिर करवट ली और एक नई तरह की सरकार का गठन सामने आया, जिसके भीतर वैचारिक विरोधाभास और एक-दूसरे की जमकर खिलाफत भी है। इसके बावजूद सरकार अस्तित्व में है। उसी सरकार के साथ राकांपा का जुड़ना अपने आप में एक पहेली है। यद्यपि राकांपा के मुखिया शरद पवार अपनी पार्टी के विधायकों का भाजपा-शिवसेना शिंदे गुट की सरकार से मिलना पचा नहीं पा रहे हैं और विरोध में सभाएं करते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा के नेता खुलेआम दावा कर रहे हैं कि पवार देर-सबेर उनके साथ ही दिखाई देंगे, क्योंकि वह भाजपा के नेतृत्व में ही देश के विकास की बात को स्वीकार करते हैं। राजनीति के नए खिचड़ी दौर में हर नेता की अपनी जुबान है। वह अपने ही अंदाज में राजनीति करना चाहता है। किंतु राज्य में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल साफ दिखाई देता है। कुछ ही माह में देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के लिए तैयार है। मगर महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात कुछ ऐसे हैं कि दल अपने विरोधियों की बजाय आपस में ही लड़ने के लिए तैयार हो रहे हैं। टूटी राकांपा, टूटी शिवसेना का मुकाबला खुद से है, तो शिवसेना का पुराना भाग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना भी अपनी तैयारी में जुट रही है। इतने सारे टूटे-फूटे दलों के बीच कांग्रेस, जितनी भी है, मगर एकजुट है। इसके बावजूद उसके लिए पूरे राज्य में अकेले चुनाव लड़ पाना संभव नहीं है। वह गठबंधन के साथ ही चलेगी।

असंतुष्टों और वफादारों के बीच संतुलन

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक फिजा में चुनावी आहट सुनने के लिए कोशिश भी ना करनी पड़े, ऐसे माहौल में शायद ही कोई राजनीतिक दल होगा, जो समन्वय के भाव से काम ना करे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अरसे के बाद जो कार्यसमिति घोषित की है, वह समन्वय का ही बेहतर उदाहरण है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी कार्यसमिति में जिस तरह विरोधी धड़ों तक को साधने की कोशिश की है, उसका संदेश साफ है। संदेश यह कि सभी साथ आओ, मिलकर लड़ो और केंद्र की मजबूत मोदी सरकार को उखाड़ फेंको। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस गठन के बाद कांग्रेस विशेषकर उत्तर भारत में खो चुके अपने जनाधार को वापस हासिल कर पाएगी?

राहुल गांधी के अध्यक्ष रहते वक्त तक कांग्रेस की कार्यसमिति में अधिकतम पंद्रह सदस्य रहे हैं। कांग्रेस की सर्वोच्च नीति नियामक कार्यसमिति में पहले सदस्य बनना मामूली बात नहीं होती थी। लेकिन इस बार की कार्यसमिति को देखिए तो उसमें सदस्यों की भरमार है। इसकी वजह यह है कि इसमें तमाम विरोधी धड़ों को समायोजित करने के साथ ही युवाओं और बुजुर्गों को समाहित करने की कोशिश की गई है।

2019 के आम चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व अनिर्णय की स्थिति में था। इसके बाद सोनिया गांधी ने कामकाज तो संभाला, लेकिन वह तदर्थ यानी कामचलाऊ ही रहा। इससे कांग्रेस पर पड़ रहे असर की आवाज उठाते हुए गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे कई ताकतवर नेता पार्टी से दूर होते चले गए।

साल 2022 के सितंबर में कांग्रेस के ताकतवर 23 नेताओं ने पार्टी को अनिर्णय से निकालने के लिए एक तरह से विद्रोह ही कर दिया था। उसमें कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी जैसे कद्दावर नेता शामिल थे। उसके बाद ही अक्टूबर में नए कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव हुआ और मल्लिकार्जुन खड़गे अध्यक्ष चुने गए। अक्टूबर में अध्यक्ष बनने के बाद से ही अंदाजा लग रहा था कि खड़गे अपनी कार्यसमिति बनाएंगे। लेकिन कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के चलते खड़गे के लिए

अपनी कार्यसमिति बनाना आसान नहीं रहा।

अध्यक्ष का पद संभालने के दस महीने बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो कार्यसमिति बनाई है, वह बेहद भारी-भरकम है। अब तक जो कार्यसमिति बनती रही है, उसमें दस से पंद्रह तक सदस्य होते थे। एक दौर में ये दस-पंद्रह सदस्य ही एक तरह से कांग्रेस को चलाते रहे हैं। लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो कार्यसमिति बनाई है, उसमें तीस सदस्य हैं। इस कार्यसमिति में उन्होंने जहां अपने खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे शशि थरूर को जगह दी है, वहीं जी 23 के मुखर सदस्य रहे आनंद शर्मा को भी शामिल किया गया है।

शशि थरूर भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ चुनाव मैदान में थे, लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने कांग्रेस के प्रथम परिवार - गांधी-नेहरू परिवार के खिलाफ ना तो विद्रोह किया और ना ही उसके खिलाफ कभी एक भी शब्द बोला। हां, आनंद शर्मा जरूर मुखर हुए थे। इसके बावजूद उन्हें कार्यसमिति का सदस्य बनाया जाना एक तरह से पूर्व में गांधी-नेहरू परिवार के प्रति उनकी वफादारी का ईनाम कहा जा सकता है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे आनंद शर्मा कांग्रेस के दबंग नेता रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें कार्यसमिति का सदस्य बनाकर कांग्रेस में उठने वाले सवालों को संभालने की कोशिश की गई है।

कार्यसमिति में राजस्थान के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट को भी शामिल किया गया है। सचिन पायलट कुछ महीने पहले एक तरह से कांग्रेस तोड़ने और अशोक गहलोत की सरकार गिराने की तैयारी कर चुके थे, लेकिन प्रियंका गांधी के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने अपनी राह बदली। हालांकि अशोक गहलोत ने उन्हें नमकहराम तक कहा था। ऐसा माना जा रहा है कि प्रियंका के दबाव में उन्हें कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। राजस्थान चुनावों को देखते हुए सचिन को कार्यसमिति में शामिल किया जाना एक तरह से विधानसभा चुनावों के दौरान असंतोष को थामने की कोशिश है। इसी तरह छत्तीसगढ़ से ताम्रध्वज साहू को शामिल करना भी एक तरह राज्य के विधानसभा चुनाव में असंतोष पर ही लगाम लगाने का प्रयास है।

कांग्रेस कार्यसमिति में शायद यह पहला मौका है, जब कांग्रेस के प्रथम परिवार के तीन सदस्यों को शामिल किया गया है। सोनिया और राहुल गांधी पूर्व अध्यक्ष के नाते इस समिति के सदस्य हो सकते हैं, लेकिन प्रियंका गांधी को पहली बार कार्यसमिति को शामिल किया गया है। बेशक कुछ सालों से वे कांग्रेस के फैसलों में शामिल रही हैं। लेकिन अब वे वैधानिक तरीके से कांग्रेस के सर्वोच्च फैसलों में हिस्सेदारी करेंगी। वैसे इस कार्यसमिति में ज्यादातर सोनिया-राहुल के वफादार ही शामिल किए गए हैं। जिनमें पंजाब का चुनाव हार चुके चरणजीत सिंह चन्नी भी है। बाकी ऊपर से नीचे तक देखिए तो इस पूरी टीम में कांग्रेस के प्रथम परिवार के वफादार भरे पड़े हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने 18 स्थायी आमंत्रित सदस्य भी अपनी कार्यसमिति में शामिल किए हैं। जिसमें वीरप्पा मोइली जैसे वरिष्ठ नेता के साथ ही मोहन प्रकाश आदि के भी नाम हैं। इसी तरह विशेष आमंत्रित लोगों की सूची में अलका लांबा, पवन खेड़ा और सुप्रिया श्रीनेत्र जैसे नाम शामिल हैं। ये सभी युवा हैं और माना जा रहा है कि कांग्रेस ने अपने रायपुर अधिवेशन के उस वायदे को पूरा किया है, जिसमें उसने युवाओं को तरजीह देने की कोशिश की है। महासचिवों की सूची में सबसे चौंकाने वाला नाम युवा नेता कन्हैया कुमार और गुरदीप सप्पल का है। गुरदीप सप्पल राज्यसभा टीवी चैनल के सीईओ रहे हैं और कन्हैया कुमार युवा नेता हैं।

कांग्रेस कार्यसमिति के जो प्रमुख सदस्य हैं, उनमें एकमात्र युवा सचिन पायलट हैं। राहुल गांधी को अब युवाओं की टीम से बाहर निकल जाना चाहिए। वे पचास की उम्र को लांघ चुके हैं। इस समिति को देखकर लगता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी पक्षों को संतुष्ट करने और आगामी चुनावों के दौरान उठ सकने वाली विरोधी आवाजों को थामने की कोशिश है।

पिछली सदी के सत्तर के दशक से कांग्रेस भले ही वामपंथी वैचारिकी को शैक्षिक और सांस्कृतिक जगत में काम करने देती रही है, लेकिन मोहन कुमार मंगलम जैसे अपवादों को छोड़ दें तो वामपंथी वैचारिकी को अपनी सर्वोच्च नियामक इकाइयों में जगह देने से बचती रही है। लेकिन अब वह खुलकर ऐसी वैचारिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को अपनी सर्वोच्च नियामक व्यवस्था में शामिल कर रही है। कन्हैया कुमार को ताकतवर बनाना इसका उदाहरण है। जाहिर है कि कांग्रेस भविष्य में भी वाम वैचारिकी केंद्रित नैरेटिव की लड़ाई के ही जरिए आगे बढ़ती रहेगी।

सही मायने में देखें तो मौजूदा कार्यसमिति युवाओं और बुजुर्गों के साथ ही असंतुष्टों और वफादारों को बीच सामंजस्य बनाने की कोशिश है। जिसके जरिए कांग्रेस अगले आम चुनाव में जहां अपनी खोई हुई साख हासिल करने की कोशिश करती नजर आ रही है, वहीं आम चुनावों से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी हनक बनाए रखना चाहती है। देखना यह है कि बुजुर्गों और युवाओं के साथ ही असंतुष्टों और वफादारों का यह मेल आने वाले दिनों में कांग्रेस के लिए कितना लाभकारी हो पाता है?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

मंत्रराज आनुष्टुभ में उग्रम यह पद प्रथम चरण का आदि अंश है। ज्वलम् पद दूसरे चरण का आदि अंश है। तीसरे चरण का आदि अंश नृसिं यह पद है एवं चौथे चरण का आदि भाग मृत्यु यह पद है। ये चारों पद साम के ही स्वरूप हैं। जो इस प्रकार समझता है, वह अमरता प्राप्त कर लेता है। इसलिए इस साम को यदि किसी को देना हो, तो सेवाभावी पुत्र को एवं सदाचारी शिष्य को दिया जा सकता है। अनधिकारी को इसका उपदेश न करे।

प्रजापति ने आगे कहा- क्षीरसागर में शयन करने वाला भगवान् का जो नृसिंह रूप है, वह परम पद रूप योगियों द्वारा ध्यान करने योग्य है। जो इस साम को इस तरह जानता है, वह अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। यहाँ क्षीरसागर में शयन करने वाले नृसिंह भगवान् के ध्यान से अमृतत्व की प्राप्ति का तथ्य वर्णित है, जो युक्तियुक्त है।

क्षीरसागर का अर्थ है- क्षीर (अद्यते इति) खाने योग्य पदार्थ तथा सागर (न गरः मृत्युः येन स अगरः अमृतं तेन सह वर्तमानः) मृत्यु रहित अमृतत्व से युक्त अर्थात् क्षीरसागर ऐसा खाद्य (ग्राह्य) पदार्थ है, जो अमृतत्व से युक्त है। इसे पदार्थ रचना के पूर्व का सृष्टि तत्त्व का प्रवाह भी कहा जा सकता है, जिसमें नृसिंह (मनुष्यों की जीवात्मा में तेज सिंचित करने वाले) सोये हुए हैं अर्थात् अति सामर्थ्यशाली ईश्वरीय सामर्थ्य उसमें प्रसुप्तावस्था में है, ऐसे इंश तत्त्व का ध्यान करने, उसे आत्मसात् करने से अमृतत्व की प्राप्ति होना निश्चित ही है।

वीर यह पद मंत्रराज आनुष्टुभ के प्रथम पाद के पूर्वार्ध का अन्तिम भाग समझना चाहिए। तं स यह पद इस साम के द्वितीय पाद के पूर्वार्ध का अन्तिम भाग समझना चाहिए। हंभी यह पद इस साम के चतुर्थ पादः के पूर्वार्ध का अन्तिम भाग जानना चाहिए। यह सब साम ही है; जो ऐसा जानता है, वह अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। इसलिए इस साम को किसी आचार्य के द्वारा जो इस प्रकार जानता है, वह उसी शरीर में मुक्ति प्राप्त कर लेता है तथा दूसरों को भी मुक्त कराने वाला होता है। इसको जानने वाला यदि माया मोह में आसक्त भी हो, तो वह मुक्ति की इच्छा करने लगता है। इस सामरूपी मंत्र का जप करने वाला भगवान् नृसिंह का उसी शरीर से प्रत्यक्ष दर्शन प्राप्त कर लेता है। मुक्ति का इससे सरल मार्ग कलियुग में दूसरा नहीं है। समस्त अंगों सहित इस साम को जो जान लेता है, वह अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। साक्षात् ऋत और सत्य स्वरूप भगवान् नृसिंह सर्वान्तर्यामी और सर्वव्यापी परमात्मा हैं। वे काले और भूरे वर्ण के, मनुष्य और सिंह की संयुक्त आकृति वाले हैं।

क्रमशः...

समाज के पथ प्रदर्शक थे जन-जन के कवि तुलसीदास

प्रज्ञा पाण्डेय

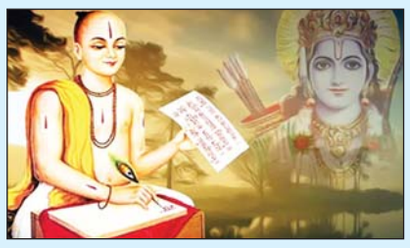

महान कवि तुलसीदास जी ने श्रीरामचरित मानस के माध्यम से पूरे भारत को भक्ति से सराबोर कर दिया। उनकी भक्त की लहर आज भी जन-जन में कायम है। आज उन्ही महान कवि तुलसीदास जी की जयंती है। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म संवत 1589 में श्रावण शुक्ल की सप्तमी तिथि को हुआ था। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नाम के गांव में हुआ था। उनकी मां का नाम हुलसी तथा पिता का नाम आत्माराम दुबे था। उनका विवाह रत्नावली के साथ हुआ था, जिन्हें तुलसीदास जी ने त्याग कर भक्ति का मार्ग अपना लिया। तुलसीदास जी का अधिकांश जीवन चित्रकूट, काशी और अयोध्या में व्यतीत हुआ था।

कलियुग के प्रारम्भ होने के पश्चात् सनातन हिन्दू धर्म यदि किन्हीं महापुरुषों का सबसे अधिक ऋणी है तो वह हैं- आदि गुरु शंकराचार्य और गोस्वामी तुलसीदास। शंकराचार्य जी ने 2500 वर्ष पूर्व बौद्ध मत के कारण लुप्त होती वैदिक परम्पराओं को पुनर्स्थापित करके दिग्दिगंत में सनातन हिन्दू धर्म की विजय वैजयंती फहराई। विदेशी आक्रमणकारियों के कारण मंदिर तोड़े जा रहे थे, गुरुकुल नष्ट किये जा रहे थे, शास्त्र और शास्त्रग्य दोनों विनाश को प्राप्त हो रहे थे, ऐसे भयानक काल में तुलसीदास जी प्रचंड सूर्य की भाँति उदित हुए। उन्होंने जन भाषा में श्री रामचरितमानस की रचना करके उसमें समस्त आगम, निगम, पुराण, उपनिषद आदि ग्रंथों का सार भर दिया और वैदिक हिन्दू सिद्धांतों को सदा के लिए अमर बना दिया था। तुलसीदास जी बहुत विद्वान थे। उन्हें संस्कृत भाषा की अच्छा ज्ञान था। उन्होंने श्रीरामचरित मानस में रामचन्द्र जी और सीता जी का मनोरम चित्रण प्रस्तुत किया। इसके अलावा उन्होंने रामलला नहछू, विनय पत्रिका, जानकी मंगल और हनुमान बाहुक की रचना की। श्रीरामचरित मानस के अलावा हनुमान चालीसा तुलसीदास जी लोकप्रिय रचनाओं में से एक है। पंडितों के अनुसार तुलसीदासजी को सपने में आकर शिवजी ने उन्हें आदेश दिया कि तुम अपनी भाषा में एक महाकाव्य रचो। इस सपने के बाद वह उठे तो उन्हें शिव-पार्वती दिखाई दिए। तब तुलसीदास जी ने शिव जी से आर्शीवाद लेकर श्रीरामचरितमानस लिखा।

महान कवि तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। अपनी रचनाओं द्वारा उन्होंने विधर्मी बातों, पंथवाद और सामाज में उत्पन्न बुराइयों की आलोचना की उन्होंने साकार उपासना, गो-ब्राह्मण रक्षा, सगुणवाद एवं प्राचीन संस्कृति के सम्मान को उपर उठाने का प्रयास किया वह रामराज्य की परिकल्पना करते थे। इधर उनके इस कार्यों के द्वारा समाज के कुछ लोग उनसे ईर्ष्या करने लगे तथा उनकी रचनाओं को नष्ट करने के प्रयास भी किए किंतु कोई भी उनकी कृत्तियों को हानि नहीं पहुंचा सका। तुलसीदास ने अपना अंतिम समय काशी में व्यतित किया और वहीं विख्यात घाट असीघाट पर संवत 1680 में श्रावण कृष्ण तृतीया के दिन अपने प्रभु श्रीराम के नाम का स्मरण करते हुए अपने शरीर का त्याग किया।

डेमचोक में चीन की सलामी स्लाइसिंग कर रही आशंकित

प्रशांत दीक्षित

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को भारत और चीन के बीच सीमा मुद्दों के समाधान के लिए 19वें दौर की सैन्य वार्ता हुई। उनके पास वास्तव में समाधान के लिए कुछ भी नहीं था। नतीजतन एक-दूसरे के प्रति भरोसा जताने और सैन्य झड़पों से बचने पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा इस वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। ध्यान देने की बात है कि पिछले कुछ दौर की सैन्य वार्ता में यही हो रहा है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय बलों ने अपने गश्त वाले क्षेत्र खो दिए हैं, दूसरी ओर, चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आए हैं। देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की सलामी स्लाइसिंग की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीनी सेना ने वहां स्थायी संरचनाएं बनाई हैं, जहां उनके सैनिक रहते हैं। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, जैसा कि व्यापक रूप से भारतीय टिप्पणीकारों ने दावा किया है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा नापाक मंसूबा भी दिखाई दे रहा है। इसलिए इन इलाकों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है।

देपसांग मैदान भारत की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) के करीब है। काराकोरम दर्रा डीबीओ के उत्तर पश्चिम में लगभग 17 से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सटा हुआ है, और पीओके के उस हिस्से से सटा हुआ है, जिसमें शक्सगाम घाटी शामिल है, जिसे वर्ष 1963 में एक सीमा समझौते के जरिये पाकिस्तान ने गैरकानूनी तरीके से चीन को सौंप दिया था। पाकिस्तान और चीन के बीच मिलीभगत की शुरुआत दरअसल यहीं से हुई। वर्ष 1959 में जब चीनी नक्शों में पाकिस्तान के इलाकों को चीन में दिखाया गया, तब पाकिस्तान इस बात से चिंतित हो उठा था। वर्ष 1961 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस संबंध में चीन को एक औपचारिक पत्र भी लिखा, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया। फिर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में चीन को सदस्य बनाए जाने के पक्ष में मतदान किया और बदले में चीन ने अपने विवादित नक्शे को जनवरी, 1962 में वापस लेने के साथ मार्च, 1962 में सीमा वार्ता में शामिल होने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच 13 अक्तूबर, 1962 से वार्ता शुरू हुई, जिसके फलस्वरूप दो मार्च, 1963 को दोनों देशों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जब यह सब हो रहा था, तब भारत चीन द्वारा

भारतीय सीमा पर छेड़े गए युद्ध में उलझा हुआ था। तब समझौते के तहत पाकिस्तान ने करीब 5,300 किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंप दिया, जिस पर उसका कोई अधिकार नहीं था। ये भारतीय क्षेत्र थे। बदले में पाकिस्तान को वह क्षेत्र मिला, जिसे अब गिलगित-बाल्टिस्तान कहा जाता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का एक हिस्सा है, जो %भारत का अभिन्न अंग% है। इस प्रकार एक दोहरी साजिश रचकर उसे अंजाम दिया गया। द अमेरिकन टाइम ने 1963 में इस मुद्दे पर रिपोर्टिंग करते हुए स्पष्ट लिखा था कि कश्मीर मुद्दे के समाधान की पाकिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान-चीन समझौते के तहत उत्तरी कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के नियंत्रण को चीन ने मंजूरी दे दी है।

इस विस्तारवादी साजिश की असलियत तब सामने आई थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में 27 जुलाई, 1949 को भारत-पाक सैन्य कमांडरों द्वारा हस्ताक्षरित कराची फैसले से एक नापाक निष्कर्ष निकालते हुए सियाचिन ग्लेशियर के लिए विदेशी पर्वतारोहण अभियानों को मंजूरी दी। समझौते के अनुसार, इस संघर्ष विराम रेखा पर सबसे उत्तरी सीमांकित बिंदु एनजे 9842 है, जहां से इसे उत्तर की ओर ग्लेशियरों की ओर जाना था। पाकिस्तान ने अंतिम बिंदु के रूप में इसकी अविश्वसनीय ढंग से व्याख्या की, जहां से वह कथित तौर पर काराकोरम दर्रे में शामिल हो रहा था और इससे जुड़े सभी क्षेत्र को अपना बता रहा था। जब यह धोखाधड़ी सामने आई, तब इंदिरा गांधी की सरकार ने सैन्य अभियान चलाया और चीन-पाकिस्तान की साजिश को नाकाम कर दिया। लेकिन भारत एक विस्तारवादी शत्रु के खिलाफ अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकता है, जो देपसांग मैदानों से 30 किलोमीटर की दूरी पर दौलत बेग ओल्डी में भारतीय बेस पर नजर गड़ाए हुए है। यह एक रणनीतिक बढ़त है, जो उन्हें सीपीईसी के तहत बनाई जा रही सड़क तक पहुंच प्रदान करेगा, और जो पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए, मगर भारत के दावे वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है। यही मुख्य वजह है कि भारत चीन की वन बेल्ट वन रोड योजना में शामिल नहीं हुआ।

चीनी शासन के अनुसार, उसके पूर्व प्रधानमंत्री झाउ एन लाइ ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि चीनी क्षेत्र काराकोरम दर्रे तक फैला हुआ है। ये दावे गैर-आधिकारिक और निजी तौर पर प्रकाशित मानचित्रों पर आधारित थे, जिन्हें शिन पाओ मानचित्र के रूप में जाना जाता है। वास्तव में, 1956 में ही चीन ने इन कार्यों के लिए समर्पित सर्वेक्षण एवं मानचित्रण ब्यूरो की स्थापना की थी। लेकिन शिन पाओ मानचित्रों का उपयोग सैन्य अभियानों में मंगोलों, उइगरों, कजाकों, ताजिकों और अन्य के क्षेत्रों पर कब्जा करने में किया गया था और वे बीजिंग शासन के आधिपत्य में थे। इस पृष्ठभूमि में भारत सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए चीनी गतिविधियों, रुख और दृष्टिकोण के संबंध में अपने निष्कर्षों का पुनर्मूल्यांकन करे और केवल एक राजनयिक उद्देश्य पूरा करने के लिए अपने क्षेत्रों की रक्षा करने से पीछे न हटे। सरकार को चीनी सीमा पर की वास्तविकता के बारे में देश को अवगत कराना चाहिए।

हिन्द स्वराज्य

स्वराज्य क्या है? (भाग-2)

गतांक से आगे...

प्रश्न- इसलिए कि उनके राज-करोबार से देश कंगाल होता जा रहा है। वे हर साल देश से धन ले जाते हैं। अपनी ही चमड़ी के लोगों को बड़े ओहदे देते हैं, हमें सिर्फ गुलामी में रखते हैं, हमारे साथ बेअदबी का बरताव करते हैं और हमारी जरा भी परवाह नहीं करते।

उत्तर- अगर वे धन बाहर न ले जायँ, नम्र बन जायँ और हमें बड़े ओहदे दें, तो उनके रहने में आपको कुछ हर्ज है?

प्रश्न- यह सवाल ही बेकार है। बाघ अपना रूप पलट दे तो उसकी भाईबन्दी से कोई नुकसान है? ऐसा सवाल आपने पूछा, यह सिर्फ वक्त बरबाद करने की खातिर ही। अगर बाघ अपना स्वभाव बदल सके, तो अंग्रेज लोग अपनी आदत छोड़ सकते हैं। जो कभी होने वाला नहीं है वह होगा, ऐसा मानना मनुष्य की रीत ही नहीं है।

उत्तर- कैनेडा को जो राजसत्ता मिली है, बोअर लोगों को जो राजसत्ता मिली है, वैसी ही हमें मिले तो ?

प्रश्न- यह भी बेकार सवाल है। हमारे पास उनकी तरह गोला-बारूद हो तब वैसा जरूर हो सकता है। लेकिन उन लोगों के जितनी सत्ता जब अंग्रेज हमें देंगे तब हम अपना ही झंडा रखेंगे। जैसा जापान वैसा हिन्दुस्तान। अपना जंगी बेड़ा, अपनी फौज और अपनी जाहोजलाली होगी। और तभी हिन्दुस्तान का सारी दुनिया में बोलबाला होगा।

उत्तर- यह तो आपने अच्छी तसवीर खींची। इसका अर्थ यह हुआ कि हमें अंग्रेजी राज्य तो चाहिए, पर अंग्रेज (शासक) नहीं चाहिए। आप बाघ का स्वभाव तो चाहते हैं, लेकिन बाघ नहीं चाहते। मतलब यह हुआ कि आप हिन्दुस्तान को अंग्रेज बनाना चाहते हैं। और हिन्दुस्तान जब अंग्रेज बन जायेगा तब वह हिन्दुस्तान नहीं कहा जायेगा, लेकिन सच्चा इंग्लिस्तान कहा जायेगा। यह मेरी कल्पना का स्वराज्य नहीं है।

तीन राज्यों के चुनावों में केजरीवाल की अहमियत

अजय सेतिया

अरविन्द केजरीवाल के अगले राजनीतिक कदम से कांग्रेस आशंकित है। हाल ही में एक बड़े सर्वे संस्थान ने इस साल नवंबर और दिसंबर में होने वाले तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सर्वे किया था, तो मध्यप्रदेश में 42 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 41 प्रतिशत और राजस्थान में 47 प्रतिशत लोगों का मानना था कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती है। इसलिए कांग्रेस हाईकमान चाहता है कि केजरीवाल इन राज्यों में उसके रास्ते की बाधा न बनें। लेकिन सबसे पहले जरूरी है कि कांग्रेस के भीतर केजरीवाल का विरोध करने वालों का मुहं बंद हो। 16 अगस्त को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं से लंबी बातचीत की थी। बैठक खत्म हो जाने के बाद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस के उन नेताओं को अलग से बुलाया, जिन्होंने सुबह की बैठक में अरविन्द केजरीवाल के साथ किसी तरह का चुनावी तालमेल करने का विरोध किया था। कांग्रेस आलाकमान का इरादा उन्हें केजरीवाल के खिलाफ शांत करना था।

कांग्रेस नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि गठबंधन में शामिल होने से अरविन्द केजरीवाल को ही ज्यादा फायदा होगा। लेकिन कांग्रेस ऐसा मान रही है कि अगर अरविन्द केजरीवाल को साथ लेने से भाजपा को नुकसान होता है, तो यह मुनाफे का सौदा है। क्योंकि केंद्र में सरकार बनने की स्थिति पैदा होती है तो केजरीवाल के सांसद कांग्रेस का समर्थन करने को मजबूर होंगे। कांग्रेस का दूसरा दृष्टिकोण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावों को लेकर भी है। कांग्रेस गुजरात और गोवा में यह सबक सीख चुकी है कि अरविन्द केजरीवाल इन तीनों राज्यों में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं। गठबंधन में रखते हुए उन पर दबाव बनाया जा सकता है कि वह इन तीनों राज्यों में कांग्रेस का खेल बिगाड़ने का काम न करे। इस संबंध में मल्लिकार्जुन खड़गे ने केजरीवाल की पैरवी कर रहे नीतीश कुमार से शुरुआती बात भी की है। हालांकि अरविन्द केजरीवाल ने इन तीनों राज्यों में चुनाव लड़ने का मन बनाया हुआ है। वह राजस्थान में तीन, मध्य प्रदेश में दो और छत्तीसगढ़ में भी तीन रैलियां कर चुके हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल होने के बाद भी केजरीवाल ने इन तीनों प्रदेशों के दौरे किए हैं। शनिवार 19 अगस्त को भी केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत

सिंह मान छत्तीसगढ़ में थे। पिछले तीन महीनों में छत्तीसगढ़ में यह उनका तीसरा दौरा था।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं अजय माकन, संदीप दीक्षित, अनिल चौधरी, अरविन्दर सिंह लवली, देवेन्द्र यादव और रमेश सभरवाल ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी आवाज धीमी करने पर तो सहमति दी है, लेकिन आवाज़ बंद करने की गारंटी नहीं दी। अलबत्ता कांग्रेस के इन नेताओं ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को सावधान किया है। संदीप दीक्षित, जो केजरीवाल के खिलाफ सबसे ज्यादा मुखर हैं, ने कहा कि कांग्रेस की बैठक में गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई, बैठक में सिर्फ पार्टी को दिल्ली में मजबूत करने की चर्चा हुई थी। लेकिन साथ ही उन्होंने आम आदमी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए यह भी जोड़ा कि हम केजरीवाल पर भरोसा नहीं कर सकते। अब यह एक पहेली है कि हम का मतलब कांग्रेस से है, या केजरीवाल का विरोध कर कर रहे दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं से है। शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित दिल्ली से सांसद रह चुके हैं, और उनका गांधी परिवार के साथ उतना ही घनिष्ठ रिश्ता है, जितना माधव राव सिंधिया का था। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ अकेले में हुई बैठक के बावजूद उनके तेवरों में कोई कमी दिखाई नहीं दे रही। अटकलें यहां तक लग रही हैं कि वह अगले ज्योतिरादित्य सिंधिया हो सकते हैं। दिल्ली सेवा बिल पर कांग्रेस की ओर से समर्थन कर दिए जाने के बाद भी संदीप दीक्षित ने बयान दिया था कि यह बिल पास होना चाहिए। सच यह है कि उनकी मां शीला दीक्षित मुख्यमंत्री रहते हुए 2013 में केजरीवाल से विधानसभा चुनाव हार गई थी, वह हार अभी भी उन्हें हजम नहीं हो रही। फिलहाल स्थिति यह है कि आम आदमी पार्टी ने नवंबर दिसंबर में होने वाले तीनों हिन्दी भाषी राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सारी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया हुआ है। तेलंगाना में वह चुनाव मैदान में नहीं उतरेगी, क्योंकि वहां के मुख्यमंत्री केसीआर ने इंडिया गठबंधन में नहीं होने के बावजूद दिल्ली सेवा बिल का संसद के दोनों सदनों में विरोध किया था। 2018 में भी आम आदमी पार्टी ने इन तीनों राज्यों में चुनाव लड़ा था। राजस्थान में 142 सीटों पर, मध्यप्रदेश में 208 सीटों पर और छत्तीसगढ़ में 85 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन तब लगभग सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी। उनके सभी उम्मीदवारों के वोटों को जोड़ दिया जाए, तो भी उन्हें नोटा से कम वोट मिले थे। लेकिन अगर तीनों राज्यों की तुलना करें, तो छत्तीसगढ़ में परफॉर्मेंस थोड़ी बेहतर थी। हालांकि छत्तीसगढ़ में उसका वोट प्रतिशत 0.9 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 0.7 प्रतिशत और राजस्थान में 0.4 प्रतिशत ही वोट मिले थे। इन तीनों राज्यों में 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी थी।

तीनों राज्यों में हार के बाद दिया गया केजरीवाल का बयान कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण बन गया है। वही बयान कांग्रेस को आश्वस्त कर रहा है कि केजरीवाल आखिरकार इन तीनों राज्यों में भी कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन कर लेंगे। तब केजरीवाल ने कहा था कि इन चुनाव नतीजों से स्पष्ट है कि जनता नरेंद्र मोदी को हराना चाहती है। इसलिए उसने उस पार्टी को वोट दिया, जो मोदी को हरा सकती है।

16 अगस्त को हुई कांग्रेस की बैठकों के तीसरे ही दिन अरविन्द केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री को साथ लेकर छत्तीसगढ़ पहुंच गए, जहां उन्होंने उसी तरह राज्य के वोटरों के लिए गारंटी पत्र जारी किए जैसे गुजरात में जारी किए थे। इन गारंटी पत्रों में बताया गया है कि राज्य में सत्ता में आने पर उनकी पार्टी क्या क्या लागू करेगी। अपने प्रचार से गुजरात में कांग्रेस का वोट बैंक बड़ी संख्या में अपनी तरफ आकर्षित करके कांग्रेस की शर्मनाक हार सुनिश्चित करने वाले केजरीवाल अब तीन राज्यों में क्या करेंगे, कांग्रेस की यही सबसे बड़ी चिंता है।

कैसी होगी 2024 की लड़ाई मॉनसून सत्र में दिख गई तस्वीर

अनिल सिन्हा

लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने हमारे संसदीय लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति को एक बार फिर उजागर कर दिया, वहीं सत्तापक्ष और विपक्ष के आपसी संबंधों में चल रही तल्खी भी इससे और बढ़ गई। इस दौरान अविश्वास प्रस्ताव जैसी महत्वपूर्ण पहल को देखने, समझने और इसकी रिपोर्टिंग करने की सीमाएं भी सामने आईं। मीडिया के एक बड़े हिस्से ने इसे एक फ्लोर टेस्ट की तरह पेश किया। अखबार और टीवी चैनल प्रस्ताव के समर्थन और विरोध में खड़े सांसदों की गिनती बताते रहे। इसी तरह सदन में दिए गए भाषणों के लोगों पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में अलग-अलग दावे सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत किए गए। कई जगहों पर इसकी तुलना किकेट मैच से हो रही थी। गेंदबाजी और बल्लेबाजी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा था। हालांकि बाद में खुद प्रधानमंत्री ने भी अपने भाषण में इन शब्दों का इस्तेमाल कर इसे कुछ हद तक सार्थकता दे दी। असल में, अविश्वास प्रस्ताव संसदीय कार्यवाही में विपक्ष का एक महत्वपूर्ण औजार है, जिसका इस्तेमाल किसी खास मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए किया जाता है। यह कोई नंबर गेम नहीं है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अब तक तमाम अविश्वास प्रस्ताव गिर जाने की तगड़ी संभावना के बीच और उसके बावजूद लाए गए हैं। पहला अविश्वास प्रस्ताव प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ 1963 में चीन के हमले के बाद लाया गया था। नेहरू जी के पास तब प्रचंड बहुमत था। इसके बावजूद अविश्वास प्रस्ताव लाया गया और उस सरकार की तीखी आलोचना की गई। इसमें कोई शक नहीं कि संसद में दिए गए भाषणों का जनता पर काफी असर होता है, लेकिन इस असर का आकलन अक्सर सब्जेक्टिव ही होता है। इसलिए किसी अविश्वास प्रस्ताव के विश्लेषण और मूल्यांकन का बेहतर आधार यह है कि इसमें संसदीय परंपराओं का कितना पालन हुआ और जन-प्रतिनिधि जरूरी मुद्दे उठाने में किस हद तक सफल रहे। भारत की मौजूदा राजनीतिक हालत में यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष का एक दूसरे के प्रति कैसा बर्ताव रहा। इन कसौटियों पर देखा जाए तो इस अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों में से किसी को भी कामयाब नहीं कहा जा सकता। इस अविश्वास प्रस्ताव में बहस काफी हद तक व्यक्तिगत बन गई। आखिरी क्षणों में तो यह सीधे-सीधे राहुल बनाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में तब्दील हो गई। विपक्ष ने मणिपुर जैसे संवेदनशील मुद्दे को केंद्र में रखा था, लेकिन फिर भी बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशभक्ति पर सवाल उठाने और उन्हें देशद्रोही करार देने तक चली गई। अगर कांग्रेस संयम नहीं रख पाई तो बीजेपी भी बेहतर आचरण पेश नहीं कर सकी। वह भी मोदी-मोदी के नारे लगाने लगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी गांधी परिवार पर तीखे हमले किए। चुनावी राजनीति के लिहाज से यह सही भी हो तो संसदीय परंपराओं के हिसाब से इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। व्यक्तिगत हमलों पर उतर आई बहस का ही नतीजा था कि लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को बाकी सत्र के लिए निलंबित करना पड़ा। यह तो साफ है कि इस अविश्वास प्रस्ताव ने संसदीय परंपरा को समृद्ध करने में कोई सफलता नहीं पाई, लेकिन इसने आने वाले चुनावी संघर्ष की रूपरेखा जरूर तय कर दी। इसने यह भी अंदाजा दे दिया कि यह संघर्ष कितना तीखा होगा। सवाल उठता है कि क्या विपक्ष मणिपुर के मुद्दे पर जिस तरह की बहस कराना चाहता था, उसमें सफल हुआ? क्या उसका उद्देश्य केवल इतना था कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति में चर्चा हो? सतही तौर पर देखें तो वह इस उद्देश्य में कामयाब रहा कि प्रधानमंत्री सदन में आएं। लेकिन क्या इससे मणिपुर की समस्याओं पर सही फोकस हो पाया? यह साफ है कि जिस मुद्दे पर फोकस के लिए कांग्रेस नेता गौरव गोगोई प्रस्ताव लेकर आए थे, उस पर सदन जरूरी तवज्जो नहीं दे पाया। अगर हम सदन की कार्यवाही पर गौर करें तो 2024 के चुनावी संघर्ष के मुद्दे साफ होते दिखाई देते हैं। यह लगभग तय हो गया है कि आने वाले लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिकता और राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण मुद्दा होगा।

हिंदुत्व के पिच पर भाजपा को बोल्ड करने का साहसिक प्रयोग..!

अजय बोकिल

मध्यप्रदेश में फिर सत्ता में आने की आस में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी के सीएम पद के दावेदार कमलनाथ एक अनोखा प्रयोग कर रहे हैं। यह प्रयोग हिंदुत्व के पिच पर ही भाजपा को बोल्ड करने का है। हालांकि, राजनीतिक जोखिम से भरे इस कदम का कांग्रेस में ही विरोध हो रहा है। इसके पीछे सोच यह है कि यह दुस्साहसिक दांव उलटा भी पड़ सकता है, क्योंकि यह कांग्रेस के मूल चरित्र से मेल नहीं खाता। लेकिन कमलनाथ अपनी बात पर कायम हैं, क्योंकि सत्ता के खेल में जीत ही नैतिकता के मानदंडों को तय करती है। लिहाजा हाल में कमलनाथ ने कहा कि जिस देश की 82 फीसदी जनता हिंदू है, वह स्वमेव हिंदू राष्ट्र तो है ही। यही नहीं उन्होंने भाजपा के अघोषित प्रचारक समझे जाने वाले स्टार बाबा धीरेन्द्र शास्त्री की कथा का भव्य आयोजन करवाया तथा अब एक और सेलिब्रिटी कथा वाचक कुबेरेश्वर धाम के पं. प्रदीप मिश्रा की कथा भी छिंदवाड़ा में होने जा रही है। यानी कांग्रेस की विचारधारा सनातनी रस में सराबोर होने वाली है। वैसे भी कमलनाथ हनुमान भक्त तो हैं ही। उन्होंने छिंदवाड़ा में राम भक्त हनुमान की विशाल प्रतिमा स्थापित करवाई है। वो साबित यह करना चाह रहे हैं कि हिंदू धर्म में उनकी आस्था भाजपाइयों की तुलना में रत्ती भर भी कम नहीं है, बल्कि दो-चार माशा ज्यादा ही होगी। कांग्रेस जैसी धर्मनिरपेक्षता और सर्व धर्म समभाव की मोटे तौर मध्यमार्गी विचारधारा पर चलने वाली पार्टी के लिए मप्र जैसे अपेक्षाकृत धार्मिक रूप से कम ध्रुवीकृत राज्य में कमलनाथ द्वारा हिंदुत्व की स्पष्ट लाइन लिया जाना राजनीतिक हलकों में नया कौतूहल पैदा कर रहा है, इसलिए क्योंकि अगर यह लाइन कांग्रेस को सत्ता में लौटाने और खुद कमलनाथ को दोबारा सीएम बनवाने का कारण बनती है तो हो सकता है कि कल को पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर इसी लाइन को खाद पानी दे। वैसे भी कांग्रेस को यह महसूस हो रहा है कि जब तक बहुसंख्यक हिंदू वोट उसकी तरफ नहीं लौटेगा, तब तक कांग्रेस के लिए दिल्ली का दरवाजा उसके लिए नहीं खुलेगा। यही कारण है कि हाल में किसी पत्रकार ने जब कमलनाथ से छिंदवाड़ा में बागेश्वर धाम के स्टार बाबा पं. धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा अपने प्रवचनों में की जाने वाली हिंदू राष्ट्र की पैरवी पर कमलनाथ की प्रतिक्रिया थी कि देश की 82 फ़ीसदी जनता हिंदू है तो ये कोई कहने कि बात नहीं है, ये हिंदू राष्ट्र तो है ही। धीरेन्द्र शास्त्री के बयान की व्याख्या करते हुए कमलनाथ ने कहा कि बाबा ने हिंदू राष्ट्र की बात नहीं की, उन्होंने तो पूरे देश की बात की। ये देश सभी धर्मों का है। हिंदू राष्ट्र बनाने की क्या बात है, 82 फीसदी लोग तो हिंदू हैं। कमलनाथ की इस व्याख्या से कांग्रेस में ही बहुत से लोग सहमत नहीं हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य प्रमोद कृष्णन ने तो छिंदवाड़ा में पं. धीरेन्द्र शास्त्री की कथा कराने पर ही सवाल खड़े कर दिए। उनका कहना था कि धीरेन्द्र शास्त्री राजनीतिक पार्टी का वरदहस्त है, सबको पता है। दूसरे, कमलनाथ की यह लाइन पार्टी के एक और दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की विचारधारा से मेल नहीं खाती। निजी तौर पर खांटी हिंदू होने के बाद भी राजनीतिक स्तर पर दिग्विजय धर्मनिरपेक्षता के अडिग समर्थक हैं। कमलनाथ की इस लाइन पर कांग्रेस के अल्पसंख्यक नेताओं में भी शंका है और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने तो इसकी खुलकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जिस लाइन पर चल रहे हैं, वो तो आरएसएस की है। भाजपा तो हिंदू धर्म की बात करने वाले हिंदुओं को 'इच्छाधारी हिंदू' पहले ही घोषित कर चुकी है। बहरहाल, कमलनाथ ने जो कहा वो तथ्यात्मक रूप से सही है, क्योंकि इस देश की 82 फीसदी आबादी हिंदू है। इस अर्थ में यह बहुसंख्यक हिंदुओं का देश ही है। लेकिन वह 'हिंदू राष्ट्र' भी है या नहीं, इस पर मतभेद है और खुद को हिंदुओं का खैरख्वाह मानने वाली भाजपा ने भी आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा कभी नहीं की।

राजस्थान में मुखर हुई जाति की राजनीति

समीर चौगांवकर

हाल ही में विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर अपना भाषण देने के बाद राजस्थान के बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में पहुंचे थे जहां उन्होंने एक रैली को संबोधित किया था। इसी मंच से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में जातिगत जनगणना करवाने के साथ ही ओबीसी आरक्षण 21% से बढ़ाकर 27% करने जिसमें अत्यंत पिछड़े वर्ग के लिए अलग से 6% आरक्षण करने की घोषणा की। गहलोत ने सभा में कहा कि राहुल गांधी की भावना है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए तो आपकी भावना के हिसाब से राजस्थान में जातिगत जनगणना शुरू होगी। जाति के आधार पर जिसका जितना हक है, उसे मिलेगा। ओबीसी का आरक्षण बढ़ाकर 27% करने के बाद राजस्थान में 70% आरक्षण हो जाएगा। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि राजस्थान आरक्षण देने में कोई पहले ही पिछड़ा राज्य नहीं है। भारत में राज्यों के आरक्षण प्रतिशत को देखें तो 64 फीसदी आरक्षण के साथ राजस्थान फेहरिस्त में तीसरे नंबर पर है। इस लिस्ट में पहले स्थान पर मध्य प्रदेश (73 फीसदी आरक्षण) और दूसरे स्थान पर तमिलनाडु (69 फीसदी आरक्षण) हैं। राजस्थान में अन्य पिछड़ा वर्ग को 21, अनुसूचित जाति को 16, अनुसूचित जनजाति को 12 फीसदी और गुर्जर सहित पांच जातियों को मोस्ट बैकवर्ड क्लास (एमबीसी) श्रेणी में 5 फीसदी आरक्षण मिलता है। इसके साथ ही आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है।

राजस्थान में सबसे बड़ी सियासी ताकत ओबीसी वर्ग की है। इस वर्ग के 61 विधायक और 11 लोकसभा सांसद हैं। अनुसूचित जाति वर्ग से 34 विधायक और 4 सांसद तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग से 33 विधायक और 3 सांसद हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को लोकसभा और विधानसभा के साथ नगरीय निकाय और पंचायतराज संस्थानों में आरक्षण हासिल है। ओबीसी वर्ग को नगरीय निकाय और पंचायतराज संस्थानों के चुनावों में 21 फीसद आरक्षण मिला हुआ है जबकि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इस वर्ग के लिए सीटें आरक्षित नहीं हैं। अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) को नगरीय

निकायों और पंचायतराज संस्थाओं में एक प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जबकि ईडब्ल्यूएस को प्रदेश में शिक्षण संस्थानों और सरकारी भर्तियों में 10 फीसदी आरक्षण प्राप्त है। विधानसभा चुनावों से 90 दिन पहले ओबीसी आरक्षण बढ़ाने और मूल ओबीसी को अलग से आरक्षण देने का ऐलान करके गहलोत ने बड़ा सियासी दांव खेला है। गौरतलब है कि विधानसभा में पिछले दिनों सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर संकल्प पारित करके केंद्र सरकार को भिजवाया था। इस संकल्प में केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना करवाने और पुराने आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की थी।

इसके अलावा राजस्थान में आयोजित हो रहे अलग अलग जाति महापंचायतों को भी साधने के लिए अशोक गहलोत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। राजस्थान में पिछले पांच माह में दस से ज्यादा जातियों के सम्मेलन हो चुके हैं। 5 मार्च को जयपुर में जाट महाकुंभ का आयोजन हुआ था। इसमें ओबीसी आरक्षण 21 से बढ़ाकर 27 फीसदी किए जाने और जाट समाज के लोक देवता तेजाजी के नाम पर सरकारी बोर्ड का गठन किए जाने की मांग की गयी थी। जाट वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए गहलोत सरकार ने वीर तेजाजी बोर्ड का गठन भी कर दिया है। इस बोर्ड के गठन के साथ ही राजस्थान के राजपूत समाज की ओर से महाराणा प्रताप के नाम पर बोर्ड बनाने की मांग की गई और गहलोत ने इसे तुरंत स्वीकार करते हुए 13 जून को वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप बोर्ड का गठन कर दिया। इसी तरह 22 मई को जयपुर में कुमावत महापंचायत हुई। इस महापंचायत में ओबीसी आरक्षण 21 से बढ़ाकर 27 फीसदी किया जाना, कुमावत समाज को ओबीसी वाले कोटे में अलग से 7 फीसदी आरक्षण दिया जाना और शिल्पकला बोर्ड बनाने की मांग की थी। अशोक गहलोत ने राजस्थान राज्य स्थापत्य कला बोर्ड का गठन कर कुमावत समाज को साधने की कोशिश की है। तमाम जातियों को साधने के लिए अशोक गहलोत की सरकार पिछले एक साल में 15 सरकारी बोर्ड बना चुकी है।

राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों में से 59 सीटें रिजर्व हैं। लेकिन ज्यादातर सीटों पर चुनाव में ओबीसी वर्ग के वोटर निर्णायक स्थिति में हैं। ओबीसी के अलावा विभिन्न समुदाय भी अपनी उपस्थिति रखते हैं, इस कारण अशोक गहलोत सरकार सभी को साधने के लिए सारे हथकंडे अपना रही है। अशोक गहलोत अच्छी तरह से जानते हैं कि ओबीसी वर्ग के साथ विभिन्न समुदाय का वोट एकतरफा जिस पार्टी को पड़ता है, जीत उसी की होती है। यही कारण है कि इस बार के चुनाव में सबसे ज्यादा गूंज ओबीसी आरक्षण और विभिन्न जाति महापंचायतों की सुनाई दे रही है। 2018 के चुनाव में बीजेपी को 38 रिजर्व सीटों पर हार के कारण सत्ता से बाहर होना पड़ गया था। 2013 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने एससी और एसटी के लिए रिजर्व 59 विधानसभा सीटों में से 50 सीटों पर जीत दर्ज की थी लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 59 में से केवल 21 सीटों पर ही जीत मिली। 2018 के चुनाव में बीजेपी ने एससी रिजर्व सीटों में से सिर्फ 12 और एसटी रिजर्व सीटों में सिर्फ 9 सीटों पर जीत दर्ज की। जबकि कांग्रेस ने एससी की 19 और एसटी की 12 सीटों पर जीत हासिल की। अशोक गहलोत सरकार के हर जाति को साधने के लिए हर हथकंडे अपनाने की रणनीति पर भाजपा का कहना है कि जाती हुई सरकार जाति की राजनीति कर रही है परंतु कांग्रेस सरकार को कोई नहीं बचा सकता। हालांकि पिछड़ी जातियों और विभिन्न समुदायों के वोट बैंक को देखते हुए भाजपा खुलकर इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं है। इसीलिए अशोक गहलोत सभी जातियों को साधने में जुटे हैं। बाकी राज्यों की तरह राजस्थान में भी जाति चुनावों को प्रभावित करने वाला काफी अहम फैक्टर रहा है, लेकिन इस बार जातिगत समूहों में अपनी मांगों को लेकर जो मुखरता दिख रही है, उससे राजनीतिक पार्टियों की चुनौती बढ़ना तय है।

जयराम रमेश को जी-20 शिखर सम्मेलन से तकलीफ हो रही

नीरज कुमार दुबे

भारत को जबसे जी-20 की अध्यक्षता मिली है तबसे विपक्ष के कुछ नेता बहुत परेशान हैं। खासकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बहुत ज्यादा तकलीफ में नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर वक्तव्य, हर उपलब्धि, हर फैसले और हर नीति पर कटाक्ष करने से नहीं चूकने वाले जयराम रमेश मोदी विरोध में कभी कभी बहुत आगे निकल जाते हैं। जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आजादी के अमृत काल को देश ने धूमधाम से मनाया लेकिन जयराम रमेश ने अमृत काल को अमरूद काल बता दिया। भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात कही गयी तो जयराम रमेश ने कह दिया कि इसमें सरकार को क्या करना है, भारत अपने आप ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा।

देखा जाये तो भारत की हर कामयाबी को कम करके आंकने और भारत की हर उपलब्धि का श्रेय गांधी परिवार को देने के लिए जयराम रमेश इतने आतुर रहते हैं कि उन्होंने कांग्रेस में बड़े से बड़े नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। अब जयराम रमेश के निशाने पर जी-20 शिखर सम्मेलन है। इस सम्मेलन को दिव्य और भव्य रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मोदी शिखर सम्मेलन की तैयारियों से जुड़े हर पहलू पर करीबी नजर रख रहे हैं ताकि कहीं कोई कमी ना रह जाये। शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने दिल्ली के प्रगति मैदान में जो भारत मंडमप तैयार करवाया है उससे भारत का ही गुणगान पूरी दुनिया में होने वाला है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले विश्व नेताओं की आवभगत के लिए जो प्रबंध किये जा रहे हैं उससे भारत के आतिथ्य सत्कार का ही गुणगान विश्व भर में होने वाला है। लेकिन जयराम रमेश इस सबसे बहुत चिंतित हैं क्योंकि उन्हें यह अच्छा नहीं लगेगा कि शानदार आयोजन के लिए विश्व नेता मोदी की पीठ थपथपाएं। जयराम रमेश को लग रहा है कि मोदी इस सबका फायदा चुनावों में ले लेंगे। जयराम रमेश को लगता है कि मोदी को चुनावों में जी-20 का फायदा मिला तो वह कहीं फिर से प्रधानमंत्री ना बन जायें। दरअसल जयराम रमेश के इस पूरे डर के पीछे कारण यह है कि उनका खुद का कॅरियर दांव पर लगा हुआ है। जयराम रमेश जानते हैं कि यदि 2024 में कांग्रेस फिर चुनाव हारी तो सबसे पहले पार्टी के नेता उन पर ही गाज गिरायेंगे इसलिए वह हर रोज कोई ना कोई मुद्दा निकाल कर लाते हैं और प्रयास करते हैं कि इससे मोदी विरोध को हवा दी जा सके।

जहां तक जी-20 के आयोजन से चुनावी लाभ होने की बात है तो जयराम रमेश को अपनी चिंता दूर करनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें देशभर में आयोजित की गयीं। जिस

भी शहर में यह बैठकें हुईं वहां की राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने मेहमानों की आवभगत में पलक-पांवड़े बिछा दिये और बैठक को हर मायने में सफल बनाया। जी-20 समूहों की बैठकों को सफल बनाने में कांग्रेस शासित राज्य भी पीछे नहीं रहे। इसलिए सवाल उठता है कि बैठक के सफल होने का फायदा वहां सत्ता में मौजूद पार्टी को मिला या देश को? कश्मीर में जी-20 पर्यटन समूह की सफल बैठक हुई। इसका फायदा कश्मीर को मिला या प्रधानमंत्री मोदी को? कश्मीर में जी-20 की सफल बैठक से विश्व को कश्मीर में सब कुछ सामान्य होने का संदेश गया या यह संदेश गया कि मोदी ने बहुत अच्छा इवेंट आयोजित किया था?

दरअसल हर उपलब्धि का श्रेय एक परिवार को देने के आदी नेता पिछले नौ सालों से यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि कैसे अब उपलब्धियां देश के नाम दर्ज हो जा रही हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जब पिछले साल भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली थी तभी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर दिया था कि दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मैनेजर 2023 की शिखर बैठक का उपयोग असल मुद्दों से ध्यान भटकाने और अगले लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने के लिए करेंगे। जयराम रमेश ने नवंबर 2022 में जो ट्वीट किया था उसमें कही गयी बातों को ही दोबारा कॉपी पेस्ट करके अब नये ट्वीट में कहा है कि जी-20 का गठन 1999 में हुआ था। उन्होंने कहा कि 19 देश और यूरोपीय संघ इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी-बारी से 17 देशों में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। लेकिन यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी अभियान चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के ज़रूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। रमेश ने कहा, ''हमें याद रखना चाहिए कि इसी नयी दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद राष्ट्रमंडल देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फ़ायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेन्द्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं।

बहरहाल, जयराम रमेश का यह कहना सही है कि भारत को अध्यक्षता इसलिए मिली क्योंकि इस बार हमारे देश की बारी थी। जयराम रमेश की यह बात भी सही है कि कांग्रेस के समय में भी देश में वैश्विक आयोजन हुए। लेकिन जयराम रमेश को फर्क यह देखना चाहिए कि पहले के आयोजन जहां आज तक अपने घपले और घोटालों के लिए मशहूर हैं वहीं आज के आयोजन अपनी दिव्यता, भव्यता और भारत की संस्कृति, सभ्यता तथा इतिहास की अलौकिक झलक से लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बने हुए हैं या बन रहे हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने इस मुद्दे पर जयराम रमेश पर पलटवार करते हुए कहा है कि यह समझ नहीं आता कि क्यों कांग्रेस देश में कुछ अच्छा होते हुए नहीं देखना चाहती। देखना होगा कि कांग्रेस का यह नया पैंतरा राजनीतिक विवाद को कहां तक ले जाता है।

तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन राशि वाले कल शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये चीजें

वैसाख माह के कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत 17 अप्रैल, सोमवार को है। सोमवार के दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष व्रत कहा जाता है। त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का बहुत अधिक महत्व होता है। हर माह में दो बार प्रदोष व्रत पड़ता है। एक शुक्ल पक्ष में और एक कृष्ण पक्ष में। साल में कुल 24 प्रदोष व्रत पड़ते हैं। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि- विधान से पूजा की जाती है। इस व्रत में प्रदोष काल में पूजा करने का बहुत अधिक महत्व होता है। भगवान शंकर और माता पार्वती की कृपा से व्यक्ति को सभी तरह के सुखों का अनुभव होता है। सोमवार के दिन पड़ने से प्रदोष व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

भगवान शंकर की कृपा से शनि दोष भी दूर हो जाता है। इस समय मकर, कुंभ, मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती और तुला, वृश्चिक राशि पर शनि की ढैय्या चल रही है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या लगने पर व्यक्ति का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए प्रदोष व्रत के पावन दिन शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित करें। शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। आइए जानते हैं शिवलिंग पर किन चीजों को अर्पित करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं...

जल

शिवजी को प्रसन्न करने का सबसे आसान उपाय है शिवलिंग पर जल चढ़ाना। शिवजी को प्रसन्न करने के लिए ॐ नमः शिवाय का जप करते हुए शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

दूध

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से भी शिवजी प्रसन्न होते हैं। दूध चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

चीनी

शिवलिंग पर चीनी चढ़ाना भी शुभ माना जाता है। ऐसा करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं।

केसर

शिवलिंग पर केसर अर्पित करने से भी भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

इत्र

शिवलिंग पर इत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

दही

शिवलिंग पर दही भी अर्पित करना चाहिए। दही चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

देसी घी

शिवलिंग पर देसी घी अर्पित करने से शिवजी की कृपा प्राप्त होती है।

चंदन

शिवलिंग पर चंदन अवश्य लगाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से जीवन में मान, सम्मान और ख्याति की कभी कमी नहीं आती।

शहद

शिवलिंग पर शहद भी अर्पित करना चाहिए। शहद चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर गंगा जल या शुद्ध जल जरूर अर्पित करें।

भांग

शिवलिंग पर भांग भी अर्पित की जाती है। भगवान शिव को भांग अर्पित करना शुभ माना जाता है।

गुरु, राहु का महासंयोग मचाने जा रहा है हलचल, उथल- पुथल के संकेत, जानें आप पर क्या पड़ेगा प्रभाव

शिवलिंग पर ये चीजें अर्पित न करें-

शिवलिंग पर शंख से जल अर्पित न करें।

शिवलिंग पर केवड़े और केतकी का पुष्प अर्पित नहीं करना चाहिए।

भगवान शंकर की पूजा में तुलसी दल का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। भोलेनाथ को तुलसी दल नहीं चढ़ाया जाता है।

भगवान शंकर की पूजा में हल्दी का इस्तेमाल भी नहीं किया

इस तरह मानव जीवन को कर सकते हैं सफल

गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि 'श्रेष्ठ पुरुष जो भी आचरण करता है, अन्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।' भगवान के लिए कुछ भी प्राप्त करना असंभव नहीं था।

दूसरों के लिए बनेंगे प्रेरणास्त्रोत

हम अक्सर देखते हैं कि ज्यादातर मनुष्य अपने से श्रेष्ठ पुरुष को अपना आदर्श मानते हैं और उसका अनुकरण करते हुए उसी की तरह या उससे भी श्रेष्ठ बनने का प्रयत्न करते हैं। विद्यार्थी अपने शिक्षक और बच्चे अपने माता-पिता का अनुकरण करते हैं। शिक्षक और माता पिता भी बच्चों के अपने से श्रेष्ठ और सफल इंसान बनने पर प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। इसलिए समाज में प्रतिष्ठित और श्रेष्ठ व्यक्तियों का यह धर्म बन जाता है कि वह कोई ऐसा कार्य या व्यवहार न करें जिससे दूसरे मनुष्य जो उनका अनुकरण करते हैं, उन्हें उनके कार्य से कोई मानसिक कष्ट पहुंचे। गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि 'श्रेष्ठ पुरुष जो भी आचरण करता है, अन्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।' भगवान के लिए कुछ भी प्राप्त करना असंभव नहीं था, फिर भी यदि वह कर्म न करते तो दूसरे मनुष्य भी उनका अनुकरण करते हुए प्रमाद और आलस्य का जीवन व्यतीत करने लगते। इसलिए समाज के प्रतिष्ठित और श्रेष्ठ पुरुषों को अपने स्वाभाविक कर्तव्य कर्मों का शास्त्रविधि के अनुसार पालन करते हुए समाज का मार्गदर्शन करना चाहिए। यदि राष्ट्र या राज्य का शासक या किसी भी संस्थान का प्रमुख व्यक्ति पूरी तरह से निष्ठावान, धैर्य और उत्साह के साथ तत्परतापूर्वक, ईमानदारी के साथ अपने कार्य का निर्वहन करते हुए, देशहित या समाजहित की दृष्टि रखते हुए एक समर्पित जीवन व्यतीत करता है, तब उसका प्रभाव पूरी सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए श्रेष्ठ व्यक्तियों को जीवन मूल्यों की बात बताने के साथ-साथ उन मूल्यों को स्वयं अपने आचरण में अपनाकर समाज को प्रेरणा देने का कार्य करना चाहिए ताकि वे एक-दूसरे के हित को दृष्टि में रखते हुए अपना दैनिक व्यवहार करें। श्रीरामचरित मानस के अरण्यकांड में भगवान श्रीराम माया के विषय में लक्ष्मण जी को बतलाते हैं कि 'मैं अरु मोर तोर तैं माया, जेंहि बस कीन्हे जीव निकाया।' यानी मैं और मेरा, तू और तेरा यही माया है, जिसने समस्त जीवों को बस में कर रखा है और जीव यानी हम मनुष्यों के लिए कहते हैं कि 'माया ईस न आप कहुं जान कहिअ सो जीव' यानी जो माया को, ईश्वर को और अपने स्वरूप को नहीं जानता, उसे जीव कहना चाहिए। श्रेष्ठ व्यक्ति वह कहलाता है जिसमें अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा गुणों की और ज्ञान की अधिकता हो। जब हम कुछ व्यक्तियों के साथ मेरापन का भाव यानी राग या आसक्ति रखते हैं और अन्य व्यक्तियों के साथ तेरापन यानी परायेपन का भाव रखते हैं, तब हमारे मन और बुद्धि में विषमता आ जाती है। फलस्वरूप हमारी बुद्धि का लिया गया कोई भी निर्णय पक्षपात पर ही आधारित होता है जिससे समाज के व्यक्तियों का हमारे ऊपर विश्वास कम होता जाता है। इस विषम स्वभाव के कारण हमारे अंदर एक अंतर्द्वंद्व की स्थिति बन जाती है और हम स्वयं भी अशांत रहने लगते हैं। क्योंकि समभाव में स्थित व्यक्ति ही योगी है 'समत्वं योग उच्यते'। श्रेष्ठ व्यक्ति को जीव भाव से यानी मैं, मेरापन और तू, तेरापन के भाव से ऊपर उठकर अपने कर्तव्य कर्मों का निर्वाह करना चाहिए। इससे वह स्वस्थ मूल्यों पर आधारित समाज की स्थापना में अपना योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल कर सकेगा और दूसरों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकेगा।

पुरुषों की ये आदतें बनाती हैं उन्हें अच्छा जीवनसाथी

महान दार्शनिक, सलाहकार और कुशल राजनितिज्ञ आचार्य चाणक्य ने एक नीति शास्त्र की रचना की है। इस नीति शास्त्र में उन्होंने मनुष्य के जीवन से जुड़ी तमाम बातों के बारे में विस्तार से बताया है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति शास्त्र में व्यक्ति के जीवन, दोस्ती, कर्तव्य, प्रकृति, पत्नी, बच्चों, धन, व्यवसाय और अन्य सभी चीजों के बारे में उल्लेख किया है। जो मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। साथ ही उन्होंने व्यक्ति के कुछ गुणों के बारे में जिक्र की है, जिसके जरिए वो अपने जीवनसाथी को खुश रख सकता है। आइए जानते हैं उन गुणों के बारे में...

वफादारी

चाणक्य नीति के अनुसार, पुरुष को हमेशा रिश्तों के प्रति वफादार होना चाहिए। जो व्यक्ति अपनी पत्नी के प्रति ईमानदार रहता है वो हमेशा सुखी जीवन जीता है।

सम्मानजनक व्यवहार

पुरुष को हमेशा अपनी पत्नी को सम्मान देना चाहिए, जो व्यक्ति अपनी पत्नी का सम्मान करता है उससे उसकी पत्नी हमेशा खुश रहती है।

जितना धन हो उसमें संतुष्ट रहना

आचार्य चाणक्य के अनुसार, पुरुष को पैसा कमाने के लिए खूब मेहनत करनी चाहिए, ताकि वो अपनी पत्नी और परिवार की हर इच्छा को पूरा कर सके। लेकिन हमेशा पैसे के पीछे भागना नहीं चाहिए। वरना परिवार को समय न दे पाने से रिश्ते कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में मनुष्य को परिवार से ज्यादा अहमियत देनी चाहिए।

जिम्मेदारियां निभाने में निपुण

चाणक्य नीति के अनुसार, पुरुष को हमेशा अपनी पत्नी और परिवार के प्रति जिम्मेदारियां निभाने को लेकर सजग रहना चाहिए। ऐसे पति से उसकी पत्नी हमेशा खुश और संतुष्ट रहती है।

अच्छी नींद के लिए आज ही अपनाएं ये वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में आपकी हर समस्या का हल है। अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए हम हर तरह के उपाय करते हैं। अच्छे स्वास्थ्य का मतलब शारीरिक और मानसिक हर तरह के स्वास्थ से है। अगर आपका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा तो आपकी कई तरह की बीमारियां होने की आशंका रहती है। अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद जरुरी है। कभी-कभी कोई समस्या ना होने पर भी आपको नींद नहीं आती है। जिसका कारण वास्तु दोष हो सकता है।

बेड की सफाई का रखें ध्यान- अगर आपका भी बिस्तर गंदा रहता है तो आपको नींद ना आने की परेशानी हो सकती है। कभी भी आलस के कारण अपने बिस्तर पर खाने-पीने की चीजें ना बिखरी रहने दें। बेड के नीचे किसी तरह की गंदगी ना होने दें। या बिस्तर के नीचे कोई कूड़ा या जूते-चप्पल ना इकठ्ठा होने दें यह भी आपको अनिद्रा का शिकार बना सकता है।

दिशा का रखें ध्यान- बेड को इस तरह से रखें जिससे सोने वाले वाले के पैर मुख्य दरवाजे की तरफ ना हो। सोते समय पैर दक्षिण दिशा की ओर नहीं होना

चाहिए। सोते समय कोशिश करें आपका सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रहे। पश्चिम दिशा की ओर पैर करके सोने से नींद अच्छी आती है और दिमाग शांत रहता है। अगर आप दक्षिण दिशा में पैर करके सोते हैं तो आपको बेचैनी और घबराहट की दिक्कत हो सकती है।

इलेक्ट्रानिक सामान- बेडरूम में कोई इलेक्ट्रानिक सामान जैसे टीवी या कम्प्यूटर ना रखें ऐसा करने से आपकी नींद पर असर हो सकता है। इन चीजों को बेड के पास रखने से आप इन चीजों को देर रात तक इस्तेमाल करते हैं जिससे आपकी नींद प्रभावित होती है।

बेडरूम में ना रखें आईना- बेडरूम में आईना नहीं रखना चाहिए। अगर किसी कारण से आपको ऐसा करना पड़ रहा है तो सोते समय इसको किसी कपड़े से ढक दें। बेडरूम में झाड़ू रखने की भी मनाही है। यह आपकी नींद में खलल डाल सकता है। इसके साथ ही यह घर में कलह का कारण भी बनता है।

बेड पर बैठ कर खाना- अगर आप भी बेड पर बैठ कर खाना खाते हैं तो आपकी यह आदत आपके लिए भारी पड़ सकती है। यह आपकी अच्छी नींद में बाधा उत्पन्न करेगा साथ ही यह राहु के कोप का भी शिकार बना सकता है।

[भविष्यफल]

मेष

आज दिन भर व्यस्तता बनी रहेगी। अब तक जो भी निवेश किए हैं उनमें आशातीत लाभ भी होगा। आप कुछ ऐसे भी कार्य करेंगे, जिससे आपकी रचनात्मकता सामने आएगी। किसी विशेष की तैयारी में भी समय व्यतीत होगा। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनेंगे।

वृष

अगर आप व्यवसाय संबंधी कुछ परिवर्तन करने की योजना बना रहे हैं या स्टाफ, नौकरी आदि में परिवर्तन की सोच रहे हैं तो यह बिल्कुल सही समय है। परंतु अपरिचित लोगों से व्यवहार करते समय कुछ सावधान रहना आवश्यक है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा।

मिथुन

समय बहुत ही उचित है। कड़ी मेहनत व कठोर परिश्रम से एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम रहेंगे। कहीं समारोह में भी शामिल होने का अवसर मिलेगा। संपत्ति संबंधी कार्यों को करने के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है। बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा। सेहत बनी रहेगी।

कर्क

कार्यक्षेत्र में आज कामकाज का अतिरिक्त दबाव रहेगा तथा कुछ रुकावटें भी आएंगी। लेकिन आप अपनी बुद्धि व योग्यता के बल पर समस्याओं का हल निकालने में सक्षम भी रहेंगे। पार्टनर या किसी सहकर्मी से छोटी सी बात पर मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह

गुरुजन तथा बड़े बुजुर्गों का स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। पिछले कुछ समय से आपने जो मेहनत की है, वह रंग लाएगी। अध्यात्म तथा नैतिकता से जुड़े मामलों पर आपका विशेष ध्यान रहेगा। शादी-विवाह से संबंधित कार्यों में भी व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या

युवाओं को जॉब में कैरियर संबंधी समाचार मिलेगा। किसी बड़े अधिकारी या राजनीतिज्ञ से मुलाकात आपके कई काम आसान हो जाएंगे। परंतु कई मामलों में आपका स्वाभिमान ही आपकी उन्नति में बाधक भी बन सकता है। नौकरी में बॉस व अधिकारियों के साथ संबंधों में गिरावट ना आने दें।

तुला

कुछ परेशानियां तो सामने आएंगी परंतु आप मेहनत व परिश्रम से सभी प्रकार की नकारात्मक परिस्थितियों को सकारात्मकता में परिवर्तित कर लेंगे। भविष्य संबंधी भी कुछ योजनाएं बनेंगी। कुछ ज्ञानवर्धक साहित्य पढ़ने में भी समय व्यतीत होगा। सेहत में सुधार होगा।

वृश्चिक

व्यापार में आज कुछ मुश्किल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दोपहर बाद परिस्थितियां कुछ अनुकूल हो जाएंगी। धन प्राप्ति के स्रोत प्रबल होंगे परंतु कैश हाथ में रखने की बजाय कहीं इन्वेस्ट करेंगे तो उचित रहेगा। बॉस के साथ सम्बनध मधुर रखें। सेहत सामान्य रहेगी।

धनु

आज धार्मिक क्रियाकलापों में व्यस्तता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा का भी योग बन रहा है। भाइयों के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। पुराने तनाव से मुक्ति मिलेगी। बच्चों का उनके सुख-सुविधाओं संबंधी वस्तुओं के लिए शॉपिंग का भी मूड बन सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

मकर

कारोबारी हालात सुधरेंगे। व्यापार में विस्तार संबंधी जो योजना बनाई हैं, उनमें छोटी-मोटी परेशानियां आएंगी परंतु आप पूर्ण करने में सफल रहेंगे। अफसरों के साथ आपके रिश्तों में सुधार आएगा। सहकर्मी व सहयोगियों के साथ आपका सहयोगात्मक रवैया रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

कुंभ

सरकारी कार्यों को पूरा करने के लिए दिन उत्तम है। विरोधियों की योजनाओं को ध्वस्त कर अच्छे परिणाम व प्रशंसा भी हासिल करेंगे। लोग आपसे स्वयं के निजी मामलों में सलाह-मशविरा भी लेंगे। कुल मिलाकर समय पूर्णतः आपके पक्ष में हैं। इसका बेहतरीन सदुपयोग करें।

मीन

व्यवसाय में कुछ ठोस और खास फैसले लेने की जरूरत है। महत्वपूर्ण लोगों के संपर्क से आपके कार्य बनेंगे। नौकरी में पदोन्नति की पूरी-पूरी संभावनाएं हैं। ऑफिस में माहौल और परिस्थितियां आपके पक्ष में बनी हुई हैं। सामाजिक दायरा और मान सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य सही रहेगा।

इस मंदिर में एक बार ही होते हैं भोले बाबा के दर्शन

कारू बाबा का यह मंदिर चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर इंडिया चाइना बॉर्डर पर दुलती नाम के स्थान पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि हिमाचल प्रदेश के सांगला वैली के कामरु गांव में मां कामाख्या दर्शन के पश्चात भगवान शिव के दर्शन अवश्य किए जाने चाहिए।

यूं तो देशभर में भगवान शिव के कई मंदिर स्थित है। लेकिन हिमाचल प्रदेश के चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर भगवान शिव को कारू बाबा के नाम से पूजा जाता है। यहां पर भोले बाबा का एक मंदिर स्थित है और यह मंदिर स्वयं में बेहद ही अद्भुत है। दरअसल, यहां पर स्थित भगवान कारू बाबा के दर्शन भक्तगण को साल में एक बार ही होते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस अद्भुत मंदिर के बारे में बता रहे हैं-

हिमाचल प्रदेश में स्थित है यह मंदिर

कारू बाबा का यह मंदिर चित्रकूट गांव से 25 किलोमीटर दूर इंडिया चाइना बॉर्डर पर दुलती नाम के स्थान पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि हिमाचल प्रदेश के सांगला वैली के कामरु गांव में मां कामाख्या दर्शन के पश्चात भगवान शिव के दर्शन अवश्य किए जाने चाहिए। यहां पर स्थित भगवान शिव को कारू बाबा के नाम से पूजा जाता है। स्थानीय लोग कारू बाबा को माता छितकुल के रक्षक होने के साथ-साथ इस स्थान के भी रक्षक मानते हैं।

केवल एक बार ही होते हैं दर्शन

इस मंदिर को इसलिए भी विशिष्ट माना जाता है क्योंकि यहां पर स्थित भगवान कारू बाबा के दर्शन वर्ष में सिर्फ एक बार ही होते हैं। जन्माष्टमी के दिन इस मंदिर के पट आम आदमी के लिए खोले जाते हैं और उस खास अवसर पर भक्तों की भीड़ भगवान कारू बाबा के दर्शन के लिए उमड़ती है।

इंडियम आर्मी द्वारा होता है संचालित

इस मंदिर की दूसरी विशेषता यह है कि इस मंदिर का संचालन इंडियन आर्मी द्वारा किया जाता है। जब मंदिर के द्वार आम आदमी के लिए खोले जाते हैं, तो इंडियन आर्मी की देख-रेख में ही भक्तगण भगवान शिव के दर्शन करते हैं।

लगता है मेला

जब मंदिर में भगवान के दर्शनों का आयोजन किया जाता है, उस समय मंदिर में भव्य मेला लगता है। इतना ही नहीं, इस दौरान इंडियन आर्मी आईटीबीपी भव्य भंडारे का भी आयोजन करती है।

● मिताली जैन

आखिर लक्ष्मीजी को जय-विजय ने दरवाजे पर क्यों रोक दिया था?

अपनी शर्त के अनुसार कर्दम जी सन्यस्थ होकर वन जाने लगे तब देवहूति ने मुसकुराते हुए उनको रोका और कहा- प्रभो! यदि आप वन में चले जाएंगे तो इन कन्याओं के लिए योग्य वर कौन ढूंढ़ेगा और मेरे सुख-दुख का निवारण कौन करेगा?

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे !
तापत्रयविनाशाय श्रीकृष्णाय वयंनुमः॥

भगवान के मुख से ब्राह्मण और अग्नि इन दोनों का जन्म हुआ है। भगवान को दोनों मुखों से खिलाया जाता है। अग्नि के मुख से स्वाहा और ब्राह्मण के मुख से आहा। ब्राह्मण गरम-गरम मालपूआ और रबड़ी पाते हैं तो डकार लेकर गद-गद हो जाते हैं।

आइए ! अब आगे की कथा प्रसंग में चलते हैं। एक बात यहाँ गौर करने के लायक है, जय-विजय ने सनक, सनन्दन, सनातन और सनतकुमार आदि महात्माओं के दर्शन में विघ्न डाला, यह राक्षसी आचरण है इसलिए उनको राक्षस होने का शाप मिला। सनकादि ऋषियों ने जय-विजय पर क्रोध किया तो उनको भी वैकुंठ धाम के दर्शन से वंचित होना पड़ा। यह सब भगवान की लीला है। एक बार लक्ष्मी जी को भी जय-विजय ने यह कहकर दरवाजे पर ही रोक दिया था कि प्रभु अभी शयन कर रहे हैं आप अंदर नहीं जा सकती। लक्ष्मी जी ने प्रभु से शिकायत की, प्रभु ने कहा— यदि तुम्हारे कहने पर इन्हें निकालूँगा, तो लोग मेरे बारे में भला-बुरा कहेंगे, घरवाली के कहने पर निकाल दिया। जब किसी संत का अपमान करेंगे तब निकालूँगा। भगवान की चतुराई देखिए।

भगवान कहते हैं कि ब्राह्मण के मुख से खाकर जितना मैं प्रसन्न होता हूँ, उतना अग्नि मुख से नहीं। प्रभु ने स्पष्ट कह दिया कि ब्राह्मण मेरा प्रत्यक्ष मुख है। खाता वह है और तृप्त मैं होता हूँ। भगवान ने यहाँ पर ब्राह्मणों की बहुत प्रशंसा की और सनक, सनन्दन सनातन और सनतकुमारों को सम्मानपूर्वक नमन करके विदा कर दिया। सनकादि के शाप से ही वे आज दिति माँ के गर्भ में आ गए हैं। यह सारा रहस्य ब्रह्मा जी ने देवताओं को बताया और कहा- आप लोग घबराए नहीं भगवान नारायन कृपा करेंगे और कष्ट का निवारण करेंगे। देवता बिचारे समय की प्रतीक्षा करने लगे। सौ वर्षों के बाद दिति ने दो पुत्रों को जन्म दिया जिंका नाम हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु हुआ। हिरण्याक्ष के साथ वराह भगवान का युद्ध हुआ, हिरण्याक्ष का वध करके भगवान ने पृथ्वी का भार उतारा।

निःस्वार्थ भक्ति से ही पा सकते हैं परमपुरुष का प्रेम

जिनके पास ईश्वर प्रेम है- भगवान के लिए आंतरिक प्रेम है - वे अपने रास्ते से कंकड़-पत्थर हटा लेते हैं, इसे साफ व स्वच्छ बना लेते हैं. भक्ति मार्ग पर चलने वालों में ऐसा साहस स्वतः ही आ जाता है - वे भयाक्रांत नहीं होते. वृंदावन में बांसुरी बजाने वाले कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध में हथियार उठाये. भक्त कुछ भी और सब कुछ करने में सक्षम होता है. एक ओर वह घोर यातना सह सकता है और दूसरी ओर वह नाच-गा सकता है, आनंद मना सकता है. उसके लिए जीवन खिले हुए फूलों के समान है.वह अपने जीवन के हर पहलू से आनंद प्राप्त करने में सक्षम होता है. अन्य लोग ऐसा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि दुष्टता और पाप के कारण उनका मन आनंद को नष्ट कर देता है. कुछ लोग अपने धन से बड़े-बड़े मंदिर और तीर्थ यात्रियों के लिए बड़े विश्राम गृह बनाकर सोचते हैं कि वे भगवान के प्रति अपना प्रेम दिखा रहे हैं, तो वे झूठे, व्यर्थ और पाखंडी हैं. बेईमानी से कमाये गये धन का दान देने से शोषक अपने पापों को कभी नहीं ढंक सकता. कोई भी व्यक्ति इतनी आसानी से ईश्वर का प्रेम प्राप्त नहीं कर सकता.

प्रेम कैसे व्यक्त किया जाता है? जब कोई सभी आसक्तियों और संपत्ति से मुक्त होता है. ममता का क्या अर्थ है? मम का अर्थ है- मेरा और इस प्रकार ममता मेरे होने का आंतरिक विचार है. यह भावना कि कुछ मेरा अपना है. परमपुरुष (विष्णु) को छोड़कर कोई किसी को अपना होने के बारे में नहीं सोचता है. इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण को प्रेम कहा जा सकता है. जिसने इस प्रकार परमपुरुष को अपना मान लिया है, उसे परमपुरुष में सब कुछ मिल जाता है और अंततः ऐसे भक्त के नियंत्रण में सब कुछ आ जाता है.

प्रेम यह है कि परमपुरुष के सिवाय कुछ भी अपना नहीं है. उनकी ममता से सब कुछ पूर्ण हो जाता है. हर कोई उनकी निकटता को महसूस करेगा और उनसे वही व्यवहार प्राप्त करेगा, जो उनके निकटतम लोग करते हैं. वह सबको अपनी गोद में ले लेगा और कहेगा, ‹चिंता मत करो, मैं तुम्हारी मदद करने आया हूं›. दुनिया को व्यापक दृष्टि से देखने के लिए हर चीज को परमपुरुष की अभिव्यक्ति के रूप में देखना भक्तों का प्रेम है. भक्त के गुणों में से एक भाव है प्रेम. भाव का अर्थ प्रत्येक इकाई को परमपुरुष की अभिव्यक्ति के रूप में देखना है. इसमें किसी पाखंड के लिए कोई गुंजाइश नहीं. यह लौकिक विचार (भाव) कुछ सूक्ष्म वृत्तियों के साथ मन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाता है.

जब कोई अपने आकर्षण को ईश्वर की ओर मोड़ता है, तो वह भक्ति है और जब उसे किसी अन्य वस्तु की ओर मोड़ता है, तो वह आशक्ति है. यदि किसी का लगाव किसी अति-मानसिक या आध्यात्मिकता की ओर होता है, तो इसे प्रेम कहते हैं. ईश्वरीय प्रेम में लीन रहनेवाले भक्त किसी का शोषण या अहित करने के बारे में सोच भी नहीं सकते. ईश्वर की ओर प्रवाहित यह सतत प्रवाहमान मानसिक विचार सर्वोच्च मानवीय उपलब्धि है.

साय लैलूंगा से, तो कुलदीप रायपुर उत्तर से लड़ेंगे चुनाव! दिया आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी उफान है। सभी नेता चुनावी रण में उतरने के लिए बेताब हैं। सभी नेता टिकट पाने के लिए जद्दोजहद में लगे हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के नेता टिकट के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। बसपा और बीजेपी की पहली लिस्ट जारी होने के बाद से कांग्रेस नेता विधानसभा सीटों से अपनी दावेदार पेश कर रहे हैं। ऐसे में हाल ही में भाजपा से कांग्रेस ने प्रवेश करने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता और सीएसआईडीसी अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार साय ने भी अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

नंदकुमार साय ने रायगढ़ जिले के लैलूंगा विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी को आवेदन सौंपकर अपनी दावेदारी पेश कर दी है। साय के कांग्रेस में प्रवेश करते ही चर्चा होने लगी थी कि आखिर वो किस विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश करेंगे। ऐसे में उन्होंने अब अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह लैलूंगा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। नंद कुमार साय आदिवासी समाज के बहुत बड़े नेता हैं और आदिवासी इलाकों में उनकी अच्छी खासी पकड़ है। इस वजह से साय को पूरा भरोसा है कि लैलूंगा क्षेत्र से अगर टिकट मिलता है तो वे अच्छे खासे अंतराल से जीत दर्ज कर सकते हैं।

विधायक कुलदीप जुनेजा ने रायपुर उत्तर से पेश की दावेदारी

उत्तर विधानसभा से विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा ने अपने वार्ड पार्षदों, वार्ड अध्यक्षों और सैकड़ों समर्थको के ब्लॉक अध्यक्षों को आवेदन सौंपकर रायपुर उत्तर से दावेदारी पेश की। वर्तमान में वो रायपुर उत्तर विधानसभा से विधायक हैं। जुनेजा ने विधिवत अपने फार्म ब्लॉक अध्यक्ष अरुण जंघेल, संजय सोनी एवं दीपा बग्गा के सामने अपना आवेदन सौंपा। इस अवसर पर निगम पार्षद सुरेश चन्नावर, पार्षद रितेश त्रिपाठी, पार्षद अमितेश भारतद्वाज, पार्षद अनवर हुसैन,पार्षद शीतल कुलदीप बोगा, पार्षद पुरषोत्तम बेहरा, पार्षद नीलम जगत, एल्डरमैन सुनील भुवाल, दलजीत चावला आदि मौजूद रहे।

युकां प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने रायपुर दक्षिण से ठोकी दावेदारी

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने रायपुर जिले की दक्षिण विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी में चार ब्लॉक अध्यक्षों के सामने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना आवेदन दाखिल किय। सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ जिला कांग्रेस भवन पहुंचकर ब्लॉक अध्यक्षों के सामने दावेदारी पेश की। ब्लॉक अध्यक्ष सुमित दास, नवीन चंद्राकर, प्रशांत ठेंगड़ी,दीपा बग्गा के समक्ष अपना आवेदन पेश किया। इस दौरान कांग्रेस भवन में जमकर नारेबाजी की गई।

प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा मैं प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष दीपक दीपक बैज, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दिल से धन्यवाद देता हूं कि कांग्रेस पार्टी ने एक ऐसी प्रक्रिया निकली है की कोई भी विधानसभा चुनाव लड़ने का इच्छुक कार्यकर्ता अपने ब्लॉक अध्यक्ष को अपना आवेदन दे सकता है।

उसी के तहत आज मैंने रायपुर जिले की दक्षिण विधानसभा सीट से विधानसभा के अंतर्गत चारों ब्लॉक अध्यक्षों को अपना आवेदन दिया। बता दें कि वर्तमान में इस सीट पर बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल का कब्जा है। वे 7 बार यानी 35 सालों से विधायक हैं।

जांजगीर चांपा विधानसभा क्षेत्र से राजेश्री महन्त ने किया आवेदन प्रस्तुत

जांजगीर-चांपा। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक अध्यक्षों के पास पहुंचकर अपना आवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संतोष शर्मा नैला, सुनील साधवानी (कार्यालय) चांपा, शत्रुघ्न दास महंत न्यू चंदनीय परा जांजगीर एवं चिंताराम राठौर ग्राम खोखरा उपस्थित थे।

राजेश्री महन्त महाराज ने कहा कि निश्चित रूप से मंदिर दर्शन के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार लोकतांत्रिक तरीके से प्रत्याशी चुने जाने के आदेश का पालन करते हुए जांजगीर चांपा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्षों के पास अपना आवेदन एक उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत करने के लिए आया हूं। यदि इस क्षेत्र से सेवा करने का सौभाग्य मुझे मिलता है तो निश्चित रूप से इस क्षेत्र का उद्धार हो जाएगा इसमें किसी तरह की कोई संशय की गुंजाइश नहीं है। उनके द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने के समय वरिष्ठतम कांग्रेसी नेता श्री रघुराज प्रसाद पांडे, बजरंग शर्मा ,रफीक सिद्दीकी, हर प्रसाद साहू, कमलेश सिंह, रविंद्र द्विवेदी, शिशिर द्विवेदी, प्रमोद सिंह, निर्मल दास वैष्णव, सुशांत सिंह, गोपाल अग्रवाल, वर्मा जी, देव कुमार पांडे, गोपाल राठौर, भूषण वैष्णव, शशिकांत सिंह ,सरदार उपकार सिंह ढिल्लों, मनोज मित्तल, शशि भूषण सोनी ,सुनील सोनी, राजकुमार सोनी, मिश्रा जी फल भंडार सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

राजनांदगांव में चुनाव लड़ने कांग्रेसियों में मची होड़, अंतिम दिन दिग्गज नेताओं ने दिया आवेदन

राजनांदगांव। जिले में चुनाव लडने कांग्रेस नेताओं में होड़ सी मची हुई है और उत्तर और दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष के पास लगातार दावेदार विधिवत रुप से आवेदन जमा कर रहे है। आवेदन जमा करने वालों के लिए आज आखिरी दिन है और इसी कड़ी में मंगलवार को दिग्गज कांग्रेसी नेता अंजुम अल्वी, पार्षद कुलबीर छाबड़ा, श्रीकिशन खंडेलवाल ने विधिवत रुप से आवेदन जमा किया। इससे पूर्व महापौर हेमा देशमुख, पूर्व महापौर नरेश डाकलिया, जितेन्द्र मुदलियार, आफताब आलम समेत अन्य नेताओं ने चुनाव लडने के लिए पार्टी संगठन को अपनी अर्जी दे चुके है। बताया जा रहा है कि आवेदन जमा करने वालों के लिए आज आखिरी दिन था और यही कारण है कि ब्लॉक स्तर पर आवेदन जमा करने से पूर्व दावेदारों ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन भी किया। उधर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अंजुम अल्वी ने भी चुनाव लडने की इच्छा के तहत अपनी अर्जी दी है। अंजुम राजनीति में लंबा अनुभव रखते हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश के जमाने में युवक कांग्रेस की सियासत में उनकी तूती बोलती थी। वह लंबे समय से पार्टी से जुडे हुए हैं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा भी चुनाव लडने के लिए तैयार हैं। उन्हें एक प्रबल दावेदार माना जा रहा है। 5 मर्तबा के पार्षद कुलबीर की अच्छी साख है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्रीकिशन खंडेलवाल ने भी आवेदन देकर चुनाव लडने की इच्छा जताते हुए आज आवेदन प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त समाचार

ईडी के शिकंजे में आया एएसआई, भिलाई से भी चार हिरासत में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ईडी की छापेमारी लगातार दो दिन से जारी है। मामले में अब ईडी ने पुलिस विभाग के एक एएसआई को भी अपने शिकंजे में लिया। ईडी ने बीजापुर में तैनात एएसआई चंद्रभूषण वर्मा को हिरासत में लिया है। इसके अलावा भिलाई से भी चार लोगों को हिरासत में लेकर ईडी की टीम रायपुर पहुंच गई है। इनसे पूछताछ में बड़ा खुलासा होने की बात कही जा रही है। महादेव ऐप पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वालों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई जारी है। इसी बीच फरार बुकी यूसुफ पोट्टी के रायपुर में मौदहापारा स्थित घर पर ईडी की दबिश पड़ी। इसमें महादेव ऐप के लेनदेन के लिए फर्जी बैंक खातों के खुलासा हुआ है। इसके बाद से ही यूसुफ पोट्टी फरार है। यूसुफ के विदेश भागने की आशंका के चलते रायपुर पुलिस ने एलओसी जारी करने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा है।

विकास उपाध्याय ने अघरिया समाज के सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

रायपुर। अघरिया समाज रायपुर द्वारा आयोजित सामुदायिक भूमिपूजन और सावन महोत्सव कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय और श्रीमती सुधा उमेश पटेल शामिल हुए। संसदीय सचिव श्री उपाध्याय ने सरोना में बनने वाले अघरिया समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 10 लाख रूपये स्वीकृती प्रदान करने की घोषणा की। भूमिपूजन एवं सावन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने कहा कि अघरिया पटेल समाज के विकास के साथ-साथ अन्य समाजों के लिए भी राज्य की विकास में अघरिया समाज का महत्वपुर्ण योगदान है। सामुदायिक भवन में समाज के लोग एक साथ जुड़ते हैं और रचनात्मक कार्य को आगे बढ़ाते है। राज्य सरकार भी प्रदेश के सभी वर्गों के विकास के लिए तत्पर है।सावन महोत्सव में महिलाओं ने झूले के साथ-साथ सावन गीत भी गाए और धरती को हरा भरा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अघरिया पटेल समाज द्वारा सावन महोत्सव क्रीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रीज प्रतियोगिता में श्रीमती सुषमा प्रेमलाल पटेल ने सावन क्रीन का खिताब हासिल किया। इस अवसर पर अघरिया समाज सेवा समिति एवं अपरिया महिला मंच की अध्यक्षा श्रीमती लता चौधरी, रविमणि पटेल, एम एल नायक, श्री क्षीरसिंधु पटेल, श्री बसंत पटेल, शिवपाल पटेल, सहित अघरिया समाज के प्रबुध्दजन उपस्थित थे।

वाकेथॉन 2023 : दौड़ेगा रायपुर, वोट करेगा रायपुर

रायपुर । राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने 26 अगस्त को मरीन ड्राइव तेलीबांधा से वाकेथॉन का आयोजन किया जा रहा है। वाकेथॉन के द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने और 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने प्रेरित किया जाएगा। दौड़ेगा रायपुर, वोट करेगा रायपुर का उद्देश्य लेकर आयोजित हो रही इस वाकेथॉन में शहर के युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, तृतीय लिंग समुदाय के लोग, समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित शासकीय अधिकारी कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। यह वाकेथॉन 26 अगस्त को सबेरे 7 बजे से तेलीबांधा तालाब स्थित मरीन ड्राइव से शुरू होगी। मरीन ड्राइव से शुरू होर आनंद नगर चैक होते हुए केनाल लिंक रोड से छत्तीसगढ़ क्लब और गांधी चैक होकर वाकेथॉन वापस मरीन ड्राइव पर समाप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने का किया एलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले सीएम भूपेश बघेल ने एक बार फिर बड़ा दांव खेला है। चुनाव से महज ढाई महीने पहले हनुमान जी के नाम पर बजरंग बली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने का एलान किया है। यह कहीं न कहीं भाजपा के हिंदुत्व के मुद्दे पर सीधा-सीधा प्रहार है। सीएम ने राज्य में कुश्ती को प्रोत्साहन देने के लिए नागपंचमी पर दो बड़ी घोषणाएं कर लोगों को चौंका दिया है।

इसके पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य में मल्लखांब जैसे पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए भी अकादमी खोलने की घोषणा कर चुके हैं। अब छत्तीसगढ़ में अखाड़ों के संरक्षण और संवर्धन और पहलवानों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू करने की घोषणा की है। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खुलेगी। इसके माध्यम से प्रदेश की प्रतिभाओं को तैयार किया जाएगा। पहलवानों की प्रतिभा निखरेगी। उन्हें कुश्ती के क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा। बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना के

पीछे मुख्यमंत्री बघेल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों का बेहतर माहौल तैयार करना है। साथ ही प्रदेश की कुश्ती की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच लॉन्च करना है।

बजरंग बली प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अखाड़ों का संरक्षण और संवर्धन भी होगा। जिन अखाड़ों में पहले पहलवानों की कुश्तियां दिखा करती थी, जहां पहलवान अपने दांव-पेंच दिखाया करते थे, लेकिन अब वहां सूना पसरा रहता है। इस योजना के माध्यम से इन अखाड़ों को पुनर्जीवन मिल सकेगा और एक बार पुन: यहां पहलवानों के दांव पेच देखने मिलेंगे। प्रदेश और देश के प्रतिभाशाली पहलवान यहां से भी तैयार हो सकेंगे। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी भी शुरू की जाएगी । इस आकदमी के माध्यम से कुश्ती की प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास करेगी। भारत में और छत्तीसगढ़ में भी कुश्ती की बड़ी समृद्ध परंपरा रही है। धोबी पछाड़, धाक, झोली जैसे दांवपेच अखाड़ों से निकलकर हमारी जुबान में भी पहुंच गए हैं। इससे पता चलता है कि कुश्ती का खेल हमारी परंपरा का कितना गहरा हिस्सा रहा है। इस परंपरा को दोबारा सहेजने के लिए ये दो बड़ी घोषणा मुख्यमंत्री ने की है।

खास बात ये है कि यह घोषणा नाग पंचमी के मौके पर हुई है। नागपंचमी का त्यौहार कुश्ती के दंगलों के लिए जाना जाता है। लोग उत्साह से त्योहार के दौरान अखाड़े में जुटते हैं। बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना आरंभ होने से अगली नाग पंचमी में बहुत सारे अखाड़ों में पहलवानों की और दर्शकों की धूम दिखेगी। अगली बार छत्तीसगढ़ के लोग नाग पंचमी और ज्यादा उत्साह से मना सकेंगे। देश और प्रदेश की पहलवनों की कुश्ती निखरेगी।

सीएम भूपेश बघेल लगातार हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी पर प्रहार कर रहे हैं। एक तरह से वो हिंदुत्व के मुद्दे को बीजेपी से हाईजैक करन में लगे हैं। सावन सोमवार को कंधे पर कांवड़ रखकर कांवड़ यात्रा निकाली। इसके पहले पहले रामवनगमन पथ के तहत माता कौशल्या मंदिर चंदखुरी का निर्माण कराकर बड़ा दांव खेला। फिर नवा रायपुर के कमल विहार का नाम बदलकर माता कौशल्या विहार कर दिया। वहीं कर्नाटक इलेक्शन के दौरान लगातार बजरंग बली का नाम लेते रहे और कहते रहे कि बजरंग बली कांग्रेस के साथ है। बीजेपी के साथ तो सिर्फ बजरंग दल है। गाय माता के नाम पर गौधन योजना शुरू की। पूरे प्रदेश में 10 हजार से अधिक गौठान का निर्माण करवाया। बहुप्रतिक्षित नरवा, गरवा, घुरवा और बारी योजना की शुरुआत की। यहां तक की राज्य सरकार गोबर और गौ मूत्र की भी खरीदी कर रही है। पूरे देश में सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही गोबर और गौ मूत्र की खरीदी हो रही है। गोबर से दीया और अन्य सामान बनाए जा रहे हैं।

बलौदाबाजार विधानसभा सीट पर ओबीसी वोटर हर 5 साल में बदल देते हैं विधायक

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ की बलौदाबाजार विधानसभा को औद्योगिक क्षेत्र के नाम से जाना जाता हैं। यहां 7 सीमेंट फैक्ट्रियां हैं। इस लिए इसे व्यवसायिक शहर भी कहा जाता है। बलौदाबाजार सीट कांग्रेस का गढ़ रहा है। लेकिन समय के साथ इस सीट पर बीजेपी और जोगी कांग्रेस के उम्मीदवार को भी जनता ने मौका दिया है। अभी वर्तमान में जोगी कांग्रेस प्रमोद शर्मा इस सीट से विधायक हैं। लेकिन अभी कुछ समय पहले ही प्रमोद शर्मा ने जेसीसीजे पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

बलौदाबाजार विधानसभा में 169805 कुल मतदाता हैं। जिसमे 85,124 पुरुष मतदाता हैं और 84678 महिला मतदाता हैं। वहीं 3 ट्रांसजेंर मतदाता भी इस विधानसभा में हैं।

बलौदाबाजार विधानसभा का जातीय समीकरण

कुर्मी समाज का गढ़ बलौदाबाजार विधानसभा सीट को भी कहा जाता हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा कुर्मी जाति के लोग हैं। बलौदाबाजार विधानसभा में ओबीसी वोटर सबसे ज्यादा हैं। बलौदाबाजार विधानसभा में लगभग 70 फीसदी ओबीसी हैं। जिनमें से लगभग 36 फीसदी कुर्मी, 36 फीसदी वर्मा और 34 फीसदी साहू समाज के लोग रहते हैं।

बलौदाबाजार पहले कांग्रेस का गढ़ था। 1952 से बलौदाबाजार विधानसभा अस्तित्व में हैं। तब से अब तक 7 बार कांग्रेस के विधायक, 3 बार बीजेपी के विधायक और 1 बार जोगी कांग्रेस के विधायक चुने गए हैं। 2003 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के गणेश शंकर बाजपेयी ने बीजेपी के विपिन बिहारी वर्मा को हराया था। 2008 विधानसभा चुनाव में बीजेपी से लक्ष्मी बघेल ने कांग्रेस के गणेश शंकर बाजपेयी को हराकर विधायक चुनी गईं। 2013 विधानसभा चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस के जनक राम वर्मा को जनता ने मौका दिया। उन्होंने बीजेपी की लक्ष्मी बघेल को हराया।

बलौदाबाजार विधानसभा के मुद्दे और समस्याएं

छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 7 अंतरराष्ट्रीय सीमेंट प्लांट हैं। लेकिन इसके बाद भी जिले में रोजगार नहीं है। प्लांट का धुआं और गंदा पानी खेती को खराब कर रहा है। पर्यावरण प्रदूषण और पानी की कमी के वजह से साथ ही सिंचाई के संसाधनों की भी कमी हैं। जिसके कारण किसान साल में सिर्फ 1 बार खेती कर पाते हैं। इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा किसान हैं, जो खेती करके अपना जीवन व्यापन करते हैं। यहां की सड़कों की स्थिति बेहद खराब हैं, जिसके लिए जिम्मेदार सीमेंट संयंत्र की चलने वाली ट्रकें हैं। बलौदाबाजार में शिक्षा और स्वास्थ चिकित्सा सुविधाओं का हाल बेहाल है।

2018 में जेसीसीजे ने कांग्रेस से छीनी सीट

2018 में बलौदाबाजार विधानसभा सीट पर करीब 83 फीसदी मतदान हुआ। इसमें जेसीसीजे को 33 फीसदी वोट, कांग्रेस को 32 फीसदी वोट और बीजेपी को 25 फीसदी वोट मिले। इस सीट से जेसीसीजे के उम्मीदवार प्रमोद शर्मा ने जीत दर्ज की। जेसीसीजे को इस सीट से 65251 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के जनक राम वर्मा 63122 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जेसीसीजे प्रत्याशी प्रमोद शर्मा ने कांग्रेस के पूर्व विधायक जनक राम वर्मा को 2129 वोटों से हारया था। बीजेपी प्रत्याशी टेसुलाल धुरंधर ने 48808 वोट हासिल कर से तीसरे नंबर पर रहे।

अयोग्य को टिकट मिलने पर लोग रिजेक्ट कर देते हैं: भूपेश बघेल

- दावेदारी करने वाले भी जानते हैं, कौन जीतेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में टिकट पाने के लिए कांग्रेस नेता लगातार दावेदारी कर रहे हैं। आज दावेदारी का अंतिम दिन है। इस पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा चुनाव है तो लोग दावेदारी करेंगे ही, पिछले साल भी किए थे। इस बर भी कर रहे हैं। अच्छी बात है। इससे पता चलता है कौन-कौन चुनाव लडने के लिए इच्छुक हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले भी जानते हैं कि चुनाव जीतने लायक कौन हैं। अगर योग्य को टिकट मिलती है, तो वे संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन कमतर को टिकट मिलता है, तो रिएक्ट करते हैं। दूसरे राज्यों के 57 विधायक इस समय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं, जिनकी हर विधानसभा क्षेत्र में ड्यूटी लगाई गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के वक्त ड्यूटी लगती है। यहां से भी कांग्रेस विधायक असम, हिमाचल, उत्तरप्रदेश और झारखंड गए थे। वैसे ही वे भी आए हैं। इसमें कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों के कांग्रेस विधायकों की भी छत्तीसगढ़ में ड्यूटी लगेगी।

चंद्रयान की कल लैंडिग होने वाली है इस सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि ये देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। ये हमारे

वैज्ञानिकों की मेहनत है और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जो आधारशीला रखी थी,वो पूरे विश्व में डंका बजा रहा है। इसके लिए सभी वैज्ञानिकों को बधाई और शुभकानाएं।

26 अगस्त से फिर करेंगे संवाद

युवा संवाद और भेंट-मुलाकात की रणनीति पर सीएम ने कहा कि संकल्प शिविर जारी है। रायपुर जिले के पांच विधानसभा हो गए हैं। बस्तर के तीन, धमतरी के तीन और बालोद 3। कुल 14 विधानसभा में हो चुके हैं। अभी 26 अगस्त से फिर से शुरू कर रहे हैं जो लगातार 29 तारीख तक चलेगा। छत्तीसगढ़ कैसे आगे बढ़े, इसको लेकर हम लगातार काम कर रहे हैं।

भाजपा के गढ़ बेलतरा में इस बार कांग्रेस जीत पाएगी

बिलासपुर। बिलासपुर को न्यायधानी कहा जाता है। इस जिले में कुल 6 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 3 सीटों पर भाजपा का कब्जा है, जबकि दो पर कांग्रेस और एक सीट पर जेसीसीजे का कब्जा है। बिलासपुर की बेलतरा विधानसभा सीट हमेशा से ही भाजपा का गढ़ रही है। साल 2008 में बेलतरा विधानसभा सीट अस्तित्व में आई है। 2008 से लेकर अब तक भाजपा का ही इस सीट पर कब्जा रहा है।

बिलासपुर जिले का बेलतरा विधानसभा सीट सामान्य वर्ग की सीट है। यहां ओबीसी मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक है। ओबीसी के बाद एससी समाज की संख्या भी अच्छी खासी है। यहां ओबीसी मतदाताओं की संख्या लगभग 33.66 फीसद है। एससी मतदाता 28 फीसद हैं। अनुसूचित जनजाति 2 फीसद और जनरल मतदाता 36.34 फीसद हैं। इनमें ठाकुर, ब्राम्हण, यादव, सतनामी, साहू, कौशिक और कुछ संख्या में मुस्लिम मतदाता हैं। बेलतरा में पार्टियों का फोकस साहू, कौशिक, ब्राम्हण और एससी समाज पर अधिक रहता है।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता की कुल संख्या 235671 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 119694 है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 115977 है। यानी कि इस विधानसभा सीट पर महिला और पुरुष मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर ही है। यह आंकड़े मार्च 2023 तक के हैं।

क्या हैं बेलतरा के मुद्दे और समस्याएं

बेलतरा विधानसभा सीट, बिलासपुर शहर से लगा हुआ क्षेत्र है। यहां कई समस्याएं हैं, जैसे ग्रामीण इलाकों में बिजली, पानी और साफ-सफाई। बेलतरा के कुछ इलाकों में सड़कें इतनी बदहाल हैं कि, बारिश में गांव टापू बन कर रह जाता है। आवारा मवेशियों के सड़कों पर घूमने से दुर्घटनाएं बढ़ रही है। बिजली की समास्या के साथ ही सुरक्षा के लिहाज से इस क्षेत्र में दो थाने हैं। एक सरकंडा और दूसरा कोनी। लेकिन कुछ गांवों से इनकी दूरी इतनी अधिक है कि, घटना के बाद यहां पुलिस देर से पहुंचती है। क्षेत्र की सबसे बड़ी योजनाओं का ग्रामीणों को लाभ न मिल पाना भी बड़ी समस्या है।

2018 में कैसी रही बेलतरा की स्थिति

बेलतरा विधानसभा सीट पर साल 2018 में भाजपा के रजनीश सिंह ने चुनाव जीता। भाजपा के रजनीश सिंह को 49601 मत यानी 34 फीसद वोट मिले। कांग्रेस के राजेन्द्र साहू को 43342 वोट यानी 30 फीसदी वोट मिले। जेसीसीजे के अनिल टाह को 38308 वोट यानी 27 फीसद वोट मिले। इस बार के चुनाव में बात अगर कांग्रेस के प्रत्याशी चयन की करें तो, ये काफी मुश्किल काम होगा। क्योंकि राज्य गठन के बाद लगातार दो बार कांग्रेस से भुनेश्वर यादव को टिकट मिलता रहा है। इसके बाद राजेंद्र साहू को टिकट मिला था। दोनों ही प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था। वर्तमान में इस सीट पर कांग्रेस में कई दावेदार हैं। ये सभी अपने आकाओं तक टिकट पाने की दौड़ लगा रहे हैं। कहा जाता है कि, भाजपा इसे अपना गढ़ बना चुकी है। ऐसे में कांग्रेस को इस सीट पर कब्जा करने के लिए अलग से जोड़ लगाना पड़ेगा।

कौन तय करता है जीत और हार

बेलतरा विधानसभा सीट में सामान्य वर्ग के लोग ज्यादा हैं। यहां से लगातार पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बद्रीधर दीवान दो बार और अविभाजित सीपत विधानसभा से एक बार जीत दर्ज कर चुके हैं। बद्रीधर दीवान लगातार तीन बार भाजपा से जीत दर्ज कर चुके हैं। अब यहां भाजपा के ही रजनीश सिंह विधायक हैं। सामान्य वर्ग की बहुलता वाले बेलतरा विधानसभा में अब तक कांग्रेस के उम्मीदवार ओबीसी वर्ग के रहे हैं।

चुनावी कसरत

गुरु बालदास ने अपने पुत्र के साथ थामा भाजपा का दामन

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद संत बालदास साहेब ने कहा- कांग्रेस सरकार ने अजा समुदाय का हर कदम पर अपमान किया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की विकासवादी और सर्वसमावेशी विचारधारा से प्रभावित होकर विभिन्न समाज प्रमुखों, सेवानिवृत्त अधिकारियों के भाजपा प्रवेश का सिलसिला निरंतर जारी है। मंगलवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में अपने हजारों समर्थकों के साथ सतनामी समाज के धर्मगुरु संत बालदास साहेब, गुरु खुशवन्तदास साहेब, गुरु आसंभदास साहेब, गुरु द्वारिका दास साहेब, गुरु सौरभ दास साहेब, तिल्दा की नपा अध्यक्ष श्रीमती लमीक्षा डहरिया, देवराज जांगड़े जनपद सदस्य, श्रीमती दिनेश्वरी यशवंत टंडन जनपद सदस्य, विनोद साहू जनपद सदस्य ने आज कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के कारण आज पूरा देश गौरवान्वित महसूस करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत का मान पूरे देश में बढ़ाया है, लेकिन इसके विपरीत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को और प्रदेशवासियों को लज्जित करने का काम किया है। आज समाज के गुरु बालदास जी ,गुरु खुशवंत साहेब जी और ने इस बात को महसूस किया है कि समाज के साथ कांग्रेस सरकार अन्याय कर रही है। नव प्रवेशी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे मान बिंदु के केंद्र प्रभु श्री राम जी के भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने अपने कार्यकाल में विश्व का सबसे बड़ा जैतखाम गिरोधपुरी में बनवाया। उन्होंने भूपेश बघेल को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्होंने एक ईंट भी रखी हो तो जनता को बता दे। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रवेश समारोह को संबोधित करते हुए सतनामी समाज के धर्मगुरु संत बालदास साहेब ने कहा कि हमने पिछले चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने में महती भूमिका निभाई जिसके फलस्वरूप कांग्रेस को ऐतिहासिक जीत मिली, लेकिन कांग्रेस अपनी जीत हजम नहीं कर पाई और सत्ता के अहंकार में डूब गई। छत्तीसगढ़

गुरु बाबा घासीदास की धरती है, जहाँ किसी भी अहंकार को कोई जगह नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ को गुरु घासीदास की धरती के रूप में संबोधित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए गुरु बालदास साहेब ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अजा समुदाय का हर कदम पर अपमान किया है। धर्मस्थलों के विकास और निर्माण के नाम पर एक रुपया खर्च नहीं किया, एक ईंट तक नहीं रखी गई। जो काम स्वीकृत हुए थे, उनका कोई अता-पता तक नहीं है। समाज के लोगों के प्रति अशिष्ट भाषा और अपशब्दों का प्रयोग किया गया। गुरु बालदास साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ओर चहुँओर विकास के द्वार खुल रहे हैं, दूसरी ओर विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ रहा है। इसीलिए आज भाजपा के प्रति जन-विश्वास बढ़ा है और समाज के सभी वर्गों के सम्मानित जन लगातार भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं ताकि देश आगे बढ़े, देश का मान-सम्मान बढ़े और गाँव, गरीब और किसान तरक्की करें। इससे पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री कौशिक ने इस अवसर पर कहा कि संत गुरु बालदास साहू छत्तीसगढ़ में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई वर्षों तक कांग्रेस की सेवा की, लेकिन कांग्रेस में गुरु के नाते जो सम्मान उन्हें मिलना था, वह उन्हें नहीं मिला। अंतः गुरु बालदास साहेब ने तय किया कि जिस पार्टी में सम्मान व प्रतिष्ठा नहीं है, उसमें उन्हें नहीं रहना और अब भाजपा में शामिल हो गए। श्री कौशिक ने संत गुरु के इस निर्णय के लिए उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि राजनांदगाँव से लेकर रायगढ़-कोरबा तक गुरुजी का परिवार है और उस परिवार ने भी भाजपा में प्रवेश का दृढ़ निश्चय व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के कलाकार पद्मश्री अनुज शर्मा और दुर्ग जिले के ग्राम खोला निवासी पंथी नृत्य कला के लिए समर्पित कलाकार पद्मश्री राधेश्याम बारले, रिटायर्ड आईएएस जीएस मिश्रा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी जीआर चंद्राकर, पूर्व आईएएस आरपी त्यागी समेत आदिवासी समाज प्रमुखों, अजा समाज प्रमुखों समेत हजारों समाजसेवियों, युवाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, महिला नेत्रियों, गणमान्य जनों ने राजधानी के अलावा प्रदेश के प्रायः सभी जिलों में सामूहिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। महासम्पर्क अभियान के दौरान शुरू हुआ भाजपा प्रवेश का यह सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रदेश विधानसभा में विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री द्वय विजय शर्मा सांसद सुनील सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नवीन मार्कण्डेय, रायपुर जिला (ग्रामीण) भाजपा अध्यक्ष टंकराम वर्मा ने सदस्यता पर्ची भेंट कर और भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा में प्रवेश करने वाले सदस्यों का स्वागत किया।

एक्शन मोड में भाजपा, पहली सूची में शामिल प्रत्याशियों का हुआ परिचय

वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दिया जीत का मंत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए पहली सूची घोषित करने के बाद बीजेपी की मंगलवार को डूमतराई स्थित भाजपा कार्यालय में घोषणा पत्र समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें चुनाव को लेकर कई अहम रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं और 21 सीटों पर बीजेपी प्रत्याशियों को जीत का मंत्र दिया गया। रणनीति बनाई गई कि घर-घर कार्यकर्ता जाएंगे। राज्य सरकार की कमियों, दो हजार करोड़ शराब घोटाला, कोल घोटाला, सीजीपीएसी घोटाला आदि को लंबी लिस्ट है, जिसे जनता तक पहुंचाए। केंद्र सरकार और रमन सरकार के कार्यों और वर्तमान कांग्रेस सरकार के साथ तुलना कर आम जनता को बताए। चुनाव जीतने के बाद हर एक बूथ कार्यकर्ता, हर एक परिवार की अपेक्षाओं को पूरा करने में अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने सभी प्रत्याशियों को विनम्र बनने की सीख देते हुए कहा कि अभी चुनाव के समय और उसके बाद भी अब आप सबको विनम्र रहना है। ग्रामीणजन आपके व्यवहार को बारीकी से परखता है, यह ध्यान रखें। यदि इस कार्य में सब मिलकर पूरी ईमानदारी से सहभागिता करेंगे तो चुनावी परिणामों को आपके पक्ष में लाने से कोई नहीं रोक सकता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने प्रत्याशियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आज उपस्थित प्रत्याशियों में से अधिकांश को तो यह पता भी नहीं रहा होगा कि वे प्रत्याशी बनाए जा रहे हैं। पार्टी ने एक कार्यकर्ता के रूप में आपका मूल्यांकन करके आपको यह अवसर दिया है। लगभग 100 दिन पहले आपका प्रत्याशी घोषित होना इतिहास में दर्ज हुआ है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने भाजपा प्रत्याशियों से कहा कि पहली बार 100 दिन पहले भाजपा ने प्रत्याशी घोषित किया है। अब भाजपा प्रत्याशियों को अपनी सोच में सकारात्मक बदलाव लाना चाहिए। प्रत्याशी घोषित होते ही आप अब जनता के हो गए हैं। आपका व्यवहार, बातचीत से लेकर आपका सम्पूर्ण कार्यकलाप भाजपा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। पार्टी के साथ-साथ आपके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा भी जुड़ी है, इसलिए सार्वजनिक जीवन में हमें हर कदम पर सतर्क रहते हुए पार्टी की विचारधारा और सांगठनिक पद्धति की मर्यादा के साथ-साथ जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर भी खरा उतरना है। डॉ. सिंह ने कहा कि आप पूरे क्षेत्र का दौरा करें लेकिन यह भी जरूर याद रखें कि चुनाव बूथ में होते हैं और इसलिए हम हर बूथ तक, हर दरवाजे तक पहुँचकर जन-अपेक्षाओं को समझें।

सभी दावेदारों का करुंगा स्वागत : बृजमोहन

रायपुर. विधानसभा चुनाव 2023 के लिए टिकट पाने कांग्रेस के दावेदार खुलकर सामने आ रहे हैं. कांग्रेस की दावेदारी पर पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का बयान आया है. उन्होंने कहा, जितने दावेदार आएंगे हमारे

लिए अच्छा है. दावेदार अधिक होंगे तो अंतर कलह भी अधिक होगी. दक्षिण विधानसभा में बंपर दावेदारी पर बृजमोहन ने कहा, दावेदारों का मैं स्वयं माला पहना कर स्वागत करूंगा.

ये हैं कांग्रेस से दक्षिण विधानसभा के दावेदार

महापौर एजाज ढेबर, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, आकाश शर्मा, ज्ञानेश शर्मा, अमीन मेमन, सतनाम पनाग, कन्हैया अग्रवाल, पल्लवी सिंह, समीर अख्तर, विकास तिवारी, निवेदिता चटर्जी, बीरेंद्र देवांगन, उत्तम साहू, मनोज कंदोई, रामकुमार शुक्ला, मनोज ठाकुर, देवेंद्र यादव, मनमोहन सिंह ठाकुर, संपत सिंह राजपूत, कविता ग्वालानी, पूनम यादव, आशा चौहान, पुष्पेंद्र परिहार ने कांग्रेस से दक्षिण विधानसभा के लिए दावेदारी पेश की है.

56 की उम्र में भी बन सकेंगे प्रोफेसर

■ **56 साल बाद बदला गया भर्ती नियम, राजपत्र में हुआ प्रकाशन, 45 वर्ष थी अधिकतम आयु**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कॉलेजों में 56 के उम्र में भी प्रोफेसर बन सकेंगे। भर्ती नियम में बदलाव किया गया है। पहले शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापक बनने की अधिकतम आयु 45 वर्ष थी। शैक्षणिक सेवा (कॉलेज सेवा) भर्ती नियम 1967 में भी प्रोफेसर के लिए अधिकतम आयु यही थी। इस तरह से 56 साल बाद अधिकतम आयु संबंधी नियम बदला है।

इसके अनुसार ही अब शासकीय कॉलेजों में प्रोफेसर की भर्ती होगी। उच्च शिक्षा से जुड़े राज्य में 285 सरकारी कॉलेज हैं। यहां प्रोफेसर के कुल 682 पद हैं। सभी खाली हैं। दो साल पहले 595 पदों के लिए भर्ती निकाली गई थी। बाद में इसे रोक दिया गया। अब भर्ती को लेकर नया नियम लागू हो चुका है। इसके बाद संभावना है कि जल्द ही प्रोफेसर की सीधी भर्ती निकलेगी। इस बार भी पांच सौ से ज्यादा पदों पर प्रोफेसर की सीधी भर्ती होगी।

नए भर्ती नियम का असर

सरकारी महाविद्यालय में प्रोफेसर की सीधी भर्ती का रास्ता खुलेगा। नई भर्ती होगी।

वो उम्मीदवार जो किसी कारणवश योग्यता रखने के बाद भी सरकारी महाविद्यालय में उम्र बंधन की वजह से प्रोफेसर नहीं बन पाए थे, उन्हें अवसर मिलेगा।

10 साल का अध्यापन अनुभव जरूरी

प्रोफेसर बनने के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं

उसके अनुसार विवि और कॉलेज में दस साल का अध्यापन अनुभव जरूरी है। इसी तरह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सूचीबद्ध जर्नल में शोध प्रकाशन भी जरूरी है। इसी तरह उत्कृष्ट पेशेवर जो किसी भी शैक्षणिक संस्थान में नहीं है, लेकिन जिसने इंडस्ट्री से संबद्ध विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है उसके पास दस साल का अनुभव है, तो वह इस पद के लिए पात्र है।

अधिकतम आयु को लेकर हुआ था विवाद

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के बाद पहली बार सितंबर 2021 में गवर्नमेंट कॉलेज में प्रोफेसर की सीधी भर्ती निकाली गई। इसके लिए पीएससी से आवेदन मंगाए गए। 7 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। लेकिन 30 दिनों में भर्ती पर रोक लगा दी गई। पड़ताल में पता चला कि भर्ती नियम को लेकर विवाद था। खासकर अधिकतम आयु को लेकर। इस प्रोफेसर भर्ती के तहत पुरुष (अनारक्षित) वर्ग के लिए न्यूनतम आयु सीमा 31 और अधिकतम 45 वर्ष थी। ?शिक्षाविदों ने इस भर्ती का यह कहकर विरोध किया कि प्रोफेसर भर्ती में जो अधिकतम आयु निर्धारित है, वह सही नहीं है। कई राज्यों में प्रोफेसर भर्ती के लिए अधिकतम आयु 55 और कुछ राज्यों में 58 वर्ष है।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

पांच सालों में छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 5 सालों में छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है। छत्तीसगढ़ में पहले दिन से ही भूपेश बघेल सरकार आम जनता की समृद्धि को लक्ष्य करके काम कर रही है और यही कारण है कि प्रदेश में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक

और राजनीतिक समृद्धि दिनों दिन बढ़ रही है। आम जनता की सहभागिता सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों में लगातार बढ़ रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान घोषणा पत्र में किए गए 36 में से 34 से अधिक वादे पूर्ण कर लिए गए हैं। भाजपा ने रमन राज के 15 साल के कुशासन में जनता के साथ धोखाधड़ी की। छत्तीसगढ़ को गरीबी रेखा के मामले में देश में नंबर वन बनाया, राष्ट्रीय औसत से लगभग दुगुना था। गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, पलायन, कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया से होने वाली मौत और नक्सलवाद ही रमन सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ की पहचान हुआ करती थी। यह भी ऐतिहासिक तथ्य है कि सितंबर 2018 में तत्कालीन रमन सिंह सरकार के दौरान सीएमआईई के द्वारा जारी आंकड़ों में छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर 22.2 प्रतिशत थी जो वर्तमान भूपेश बघेल सरकार के दौरान घटकर 0.8 प्रतिशत रह गई है। यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 5 महीनों से लगातार छत्तीसगढ़ देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य बना हुआ है।

अघरिया समाज के सामुदायिक भवन का उपाध्याय ने किया भूमिपूजन

रायपुर। अघरिया समाज रायपुर द्वारा आयोजित सामुदायिक भूमिपूजन और सावन महोत्सव कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय और श्रीमती सुधा उमेश पटेल शामिल हुए। संसदीय सचिव श्री उपाध्याय ने सरोना में बनने वाले अघरिया समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 10 लाख रूपये स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की।भूमिपूजन एवं सावन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने कहा कि अघरिया पटेल समाज के विकास के साथ-साथ अन्य समाजों के लिए भी राज्य की विकास में अघरिया समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। सामुदायिक भवन में समाज के लोग एक साथ जुड़ते हैं और रचनात्मक कार्य को आगे बढ़ाते है। राज्य सरकार भी प्रदेश के सभी वर्गों के विकास के लिए तत्पर है।सावन महोत्सव में महिलाओं ने झूले के साथ-साथ सावन गीत भी गाए और धरती को हरा भरा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अघरिया पटेल समाज द्वारा सावन महोत्सव क्रीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रीज प्रतियोगिता में श्रीमती सुषमा प्रेमलाल पटेल ने सावन क्रीन का खिताब हासिल किया। सावन उत्सव में महिलाएँ हरित श्रृंगार में उपस्थित होकर कई तरह के मनोरंजक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर अघरिया समाज सेवा समिति एवं अपरिया महिला मंच की अध्यक्षा श्रीमती लता चौधरी, रविमणि पटेल, एम एल नायक, श्री क्षीरसिंधु पटेल, श्री बसंत पटेल, शिवपाल पटेल, सहित अघरिया समाज के प्रबुध्दजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में बारिश पर ब्रेक, बढ़ेगी गर्मी

रायपुर। बीते कुछ दिनों से झमाझम बारिश हो रही थी लेकिन अब इस पर ब्रेक लगने वाला है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आज से बारिश की गतिविधियां कम होने लगेगी। बीते दिनों प्रदेश के कई जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई थी। लेकिन आज से बारिश पर ब्रेक लगने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश में 4 से 5 दिनों के बाद फिर अच्छी बारिश हो सकती है। फिलहाल तापमान बढ़ने से उमस लोगों को परेशान कर सकता है। बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से कुछ हिस्सों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। वहीं कम बारिश वाले इलाकों में ये राहत बनकर बरसे। बीती रात उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ जिले बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सरगुजा और सूरजपुर जिले में बारिश हुई है। यहां भी आज से बारिश कम होने लगेगी। मौसम विभाग का कहना है कि स्थानीय प्रभाव से कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है लेकिन भारी बारिश के आसार नहीं है। कुछ जगहों पर बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश की संभावना कम ही है।

5 साल में 1 लाख सरकारी विभागों में भर्तियां हुईः शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का वायदा करने वाले प्रधानमंत्री मोदी राज में देश में नौकरियां दिवास्वप्न बन गयी है। छत्तीसगढ़ में रोजगार के नाम पर आंदोलन और बयानबाजी करने वाली भाजपा की

मोदी सरकार ने 9 साल में सिर्फ 7 लाख युवाओं को ही रोजगार दिया है। जबकि मोदी सरकार वायदे के अनुसार अभी तक 18 करोड़ लोगो को रोजगार मिलना था। इसके विपरीत कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ में पिछले पौने पांच साल में 5 लाख युवाओं को रोजगार दिया और आने वाले पांच साल में 15 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन का गठन किया है। राज्य में 5 साल में 1 लाख सरकारी विभागों में भर्तियां हुई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता में रोजगार है ही नहीं। केंद्र सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि 9 साल में उसने सिर्फ 7.22 लाख लोगों को नौकरी दी है यानी हर साल औसतन एक लाख से भी कम लोगों को नौकरी मिली, इससे चिंताजनक आंकड़ा है कि 9 सालों में 22.5 करोड़ लोगों ने सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन किया था सोचे 22 करोड़ लोगों में से सिर्फ 7.22 लाख लोगों को नौकरी मिली सिर्फ 0.33 फीसदी यानी आवेदन देने वाले 1000 लोगों में से सिर्फ 3 लोगों को नौकरी मिली सोचे बाकी लोग कहां गए होंगे।

खेल प्राधिकरण का गठन भी भूपेश सरकार में ही हुआ है: वर्मा

रायपुर। भूपेश सरकार द्वारा राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने के निर्णय तथा राज्य के अखाड़ों के संरक्षण और सहायता के लिए बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना आरंभ करने की घोषणा का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है

कि नाग पंचमी के अवसर पर प्राचीनतम खेलों में से एक, कुश्ती के संरक्षण और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सार्थक प्रयास प्रशंसनी है। विगत साढ़े 4 वर्षों में भूपेश सरकार ने खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर संसाधन, प्रशिक्षण, फिटनेस, स्वस्थ और आहार की समुचित व्यवस्था की है। छत्तीसगढ़ में पहली बार खेल प्राधिकरण का गठन भी भूपेश सरकार में ही हुआ है। छत्तीसगढ़ के भीतरी 21 खेल अकादमी और दो पूर्णतः आवासीय खेल अकादमी संचालित है। कांग्रेस सरकार की पहली प्राथमिकता आम जनता की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समृद्धि रही है। सभी आयु वर्ग के लिए 16 तरह के पारंपरिक खेलों का समावेश कर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का सफल आयोजन संस्कृति के साथ ही खेलों के प्रति भूपेश सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मलखम, एथलीट, कबड्डी, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल हॉकी के साथ ही अब कुश्ती के खेल में भी छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने और साबित करने का बेहतर अवसर मिलेगा।

बच्चियों की मौत पर हाईकोर्ट का सरकार से जवाब, एफआईआर दर्ज करने के दिए आदेश

अवैध उत्खनन रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही

बिलासपुर। बिलासपुर के अरपा नदी में डूबकर तीन बच्चियों की मौत हुई थी। मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव के साथ ही माइनिंग सेक्रेटरी से भी जवाब तलब किया है। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए शासन को शपथपत्र पेश करने कहा है। कोर्ट ने पूछा है कि अवैध उत्खनन रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि सिर्फ पेनाल्टी से काम नहीं चलेगा। एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

जानकारी के लिए बता दें कि पिछले महीने सेंदरी के पास अरपा नदी में बने रेत के गड्ढों में डूबकर तीन बच्चियों की मौत हो गई थी। इस मामले में शासन ने 12 लाख का मुआवजा देकर

अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। लोगों में इसे लेकर गुस्सा तो है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इस मामले को ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है। न तो खनिज विभाग और न ही राजस्व अमला मामले की जांच कर रहा है। हालांकि जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। अब इस मामले को हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है।

पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया था। खनिज विभाग की ओर से मामले में उपसंचालक दिनेश मिश्रा ने जवाब पेश करते हुए कहा कि अवैध उत्खनन और परिवहन के मामले में कुल 655 प्रकरण दर्ज करते हुए गाड़ियों की जब्ती बनाई गई थी। इन सभी मामलों में लाखों रुपए की पेनाल्टी लगाई है। इसके साथ ही 6 मामलों में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। हाईकोर्ट ने इस पर सवाल किया कि दर्ज एफआईआर की संख्या इतनी कम क्यों है।

मामले में सामाजिक संगठन अरपा अर्पण ने भी जनहित याचिका दायर की है। दोनों याचिकाओं की सुनवाई हाईकोर्ट में एक साथ हो रही है। जनहित याचिका में अरपा अर्पण की ओर से कहा गया है कि अरपा नदी में अवैध उत्खनन जानलेवा साबित हो रहा है। गर्मी के मौसम में अरपा सूखी रहती है, इसलिए गड्ढे दिख जाते हैं। बारिश में इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जल भराव के दौरान गड्ढों का पता नहीं चलता। ऐसी स्थिति में अगर बच्चे या फिर मवेशी गड्ढों में समा जाएं तो जानलेवा साबित होता है। रेत उत्खनन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का खुलकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। याचिका में अरपा के किनारे पौधरोपण करने, अवैध घाटों को बंद करने की भी मांग की गई है।

4 सीटों पर कांग्रेस के 92 दावेदार

■ **सबसे ज्यादा 36 दक्षिण में, ग्रामीण में 9; मेयर ढेबर ने 2 सीटों पर दिया आवेदन**

रायपुर। रायपुर में कांग्रेस की टिकट से चुनाव लड़ने के लिए 92 दावेदारों ने आवेदन किया है। मंगलवार को आवेदन जमा करने का सिलसिल थम गया है। यहां की चारों विधानसभाओं में सबसे ज्यादा 36 दावेदार रायपुर की दक्षिण विधानसभा की सीट से हैं। 17 अगस्त से 22 अगस्त तक आवेदन की प्रक्रिया चली।

जबकि रायपुर ग्रामीण में सबसे कम 9 दावेदारों ने अपना आवेदन पत्र जमा किया है। ग्रामीण से इस बार वर्तमान विधायक सत्यनारायण शर्मा चुनाव नहीं लड़ेंगे, उनके बेटे पंकज शर्मा ने आवेदन दिया है। वहीं रायपुर उत्तर से विधायक जुनेजा समेत 33 और पश्चिम से विधायक विकास उपाध्याय समेत 14 दावेदारों के आवेदन आए हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.